रांची, शुक्रवार
13-11-2026
वर्ष : 01, अंक : 179
पृष्ट : 12
मूल्य 04 रू, मात्र
रांची से प्रकाशित

रफ़्तार मीडिया

₹04

RANCHI , चैत्र कृष्ण पक्ष-12

RNI NO. - JHHIN/26/A3481 www.raftaarmedia.com



मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जर्मनी के बेनेकोर समूह के हाइजीन नॉनवोवन मटेरियल निर्माण इकाई का वर्चुअली किया शुभारंभ

मध्यप्रदेश ने औद्योगिक विकास में अपनी नई पहचान बनाई है



□ एजेंसी भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि है कि सरकार और उद्योग जब साथ मिलकर काम करते हैं तो उनकी क्षमता कई गुना बढ़ जाती है। इसी का परिणाम है कि जर्मनी के बेनेकोर समूह के संयंत्र का अगस्त 2024 में भूमिपूजन हुआ था और सिर्फ दो साल में उत्पादन शुरू हो गया। राज्य सरकार जो कहती है, वो करती है और समय पर करती है। इससे औद्योगिक विकास के क्षेत्र में मध्यप्रदेश की नई पहचान बनी है। आज का शुभारंभ जर्मनी की तकनीक और भारत की लगभग सौ साल पुरानी विरासत की साझेदारी है। संयंत्र के पहले चरण में 160 करोड़ रुपये का निवेश है, 300 करोड़ रुपये सालाना कारोबार की क्षमता है, इससे बड़ी संख्या में लोगों को रोज़गार मिलेगा। यहां माताओं-बहनों और बच्चों की स्वच्छता और स्वास्थ्य से जुड़ी सामग्री का निर्माण होगा, यह उद्योग आर्थिक गतिविधियों के साथ-साथ हमारी सामाजिक जिम्मेदारी का भी प्रतीक बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को बेनेकोर प्राइवेट लिमिटेड के भोपाल के अचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र स्थित संयंत्र के शुभारंभ कार्यक्रम को नई दिल्ली से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे।

भोपाल, मध्य भारत का आधुनिक मैन्युफैक्चरिंग हब बन रहा है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है की देश और दुनिया का हर बड़ा निवेशक मध्यप्रदेश आए। प्रदेश में औद्योगिक मित्र नीतियों के साथ-साथ भूमि के ऑनलाइन आमंत्रण और सिंगल विंडो से मंजूरियों की व्यवस्था के परिणाम स्वरूप मध्यप्रदेश निवेशकों की पहली पसंद बना है। अब भोपाल, मध्य भारत का आधुनिक मैन्युफैक्चरिंग हब बन रहा है।

हमारा समन्वित प्रयास है कि उद्योग युवाओं को प्रशिक्षण दें, उन्हें अपने यहां काम दें ताकि युवाओं को रोजगार के लिए राज्य से बाहर नहीं जाना पड़े। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बेनेकोर समूह के इस संयंत्र के अचारपुरा में स्थापित होने पर स्थानीय विधायक श्री विष्णु खत्री को बधाई दी।

आत्मनिर्भर भारत की दिशा में मज़बूत कदम होगा यह उत्पादन

उल्लेखनीय है कि इस संयंत्र में डायपर और सैनिटरी नैपकिन में उपयोग होने वाला हाइजीन नॉनवोवन मटेरियल तैयार किया जाएगा। अब तक यह मटेरियल बाहर से मंगाना पड़ता था, अब यह देश में ही बनेगा, यह उत्पादन आत्मनिर्भर भारत की दिशा में मज़बूत कदम होगा। संयंत्र पर्यावरण के अनुकूल है, इसमें बॉयलर नहीं है, पानी की बर्बादी बहुत कम होगी, संयंत्र ग्रीन बिल्डिंग मानकों के आधार पर तैयार किया गया है। बेनेकोर की योजना तीन वर्षों में अपनी क्षमता दुगुनी करने की है। अचारपुरा में आयोजित कार्यक्रम में औद्योगिक नीति एवं निवेश संवर्धन विभाग के अधिकारी, बेनेकोर समूह के प्रतिनिधि, इंजीनियर और बड़ी संख्या में स्थानीय जन उपस्थित थे। कार्यक्रम में एमपीआईडीसी के एमडी श्री चंद्रमौली शुक्ला और बेनेकोर समूह के अधिकारी उपस्थित थे। प्रदेश में औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए अधोसंरचना और सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

छठ महापर्व को लेकर बदली रांची के घाटों की तस्वीर

74 घाटों पर खास इंतजाम, घरों की छतों पर भी बन रहे कृत्रिम घाट

रफ्तार मीडिया सवाददाता

रांचीः लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर राजधानी रांची में तैयारियां जोरों पर हैं. शहर के तालाबों और छठ घाटों की तस्वीर इस बार बदली-बदली नजर आ रही है. कहीं घाटों की साफ-सफाई और रंग-रोगन किया जा रहा है, तो कहीं आकर्षक सजावट के जरिए उन्हें नया स्वरूप दिया जा रहा है. श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रांची नगर निगम ने इस बार विशेष तैयारी की है. शहर के 74 छठ घाटों को चिह्नित कर वहां व्यापक स्तर पर साफ-सफाई, सौंदर्यीकरण और अन्य जरूरी व्यवस्थाएं की जा रही हैं.



छठ के दौरान शहर के पारंपरिक तालाबों और घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है. ऐसे में जलाशयों पर बढ़ते दबाव को कम करने के लिए नगर निगम ने कई स्थानों पर कृत्रिम तालाब भी तैयार कराए हैं. इसका उद्देश्य श्रद्धालुओं को नजदीक में ही अर्घ्य देने की सुविधा उपलब्ध कराना और प्रमुख घाटों पर भीड़ का दबाव कम करना है. वहीं, इस बार छठ घाट बनाने की परंपरा का विस्तार सार्वजनिक स्थलों से निकलकर निजी परिसरों तक भी पहुंच गया है.

शहर में बड़ी संख्या में लोग अपने घरों के आंगन और छतों पर ही छोटे-छोटे कृत्रिम जलाशय तैयार कर रहे हैं. इनमें पानी भरकर छठ पूजा करने की तैयारी की जा रही है. इससे उन परिवारों को भी सुविधा मिल रही है, जिन्हें किसी कारणवश सार्वजनिक घाटों तक पहुंचने में परेशानी होती है.

नगर निगम की ओर से घाटों पर साफ-सफाई और सौंदर्यीकरण के साथ श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर भी जरूरी इंतजाम किए जा रहे हैं. कोशिश है कि छठ के दौरान घाटों पर आने-जाने वाले लोगों को किसी तरह की असुविधा न हो और पूरा आयोजन व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो. नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने कहा कि इस वर्ष छठ व्रतियों को स्वच्छता और सुविधाओं के लिहाज से पहले से बेहतर घाट उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है. सभी चिह्नित घाटों की साफ-सफाई और सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है. श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं, ताकि छठ महापर्व शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सके.

खास बात यह है कि पहली बार इतने व्यापक स्तर पर घाटों को व्यवस्थित और आकर्षक बनाने पर जोर दिया जा रहा है. तालाबों के आसपास जमा कचरे को हटाने के साथ घाटों की सफाई, रंग-रोगन और पहुंच पथ को दुरुस्त किया जा रहा है.

लातेहार में भीषण सड़क हादसा, अज्ञात वाहन की जोरदार टक्कर में 3 युवकों की मौत

रफ्तार मीडिया सवाददाता

लातेहारः जिले के मनिका थाना क्षेत्र अंतर्गत नामुदाग गांव के पास NH- 39 पर अज्ञात वाहन ने मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवकों को कुचल दिया. घटना में तीनों युवकों की मौत हो गई. मृतकों में हीरामन नायक, ननकू नायक और पंकज कुमार शामिल है. सभी नामुदाग के रहने वाले थे.घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर दिया. वही हादसे की जानकारी मिलने के बाद थाना प्रभारी विक्रांत उपाध्याय घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की छानबीन शुरू की. जानकारी के मुताबिक, एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर तीन युवक जा रहे थे. इसी दौरान सामने से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी.



टक्कर इतनी जोरदार थी कि घटनास्थल पर ही दो युवकों की मौत हो गई जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया. जिसे गंभीर हालत में मनिका अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण सड़क पर पहुंचे और मृतक युवकों के शव के साथ सड़क को जाम कर दिया है. सड़क जाम के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी लाइन लग गई.

देश के 13 राज्यों, 3 यूटी में आज से एसएसआर

□ एजेंसी नई दिल्ली

चुनाव आयोग गुरुवार से 13 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में स्पेशल समरी रिवीजन की प्रक्रिया शुरू कर रहा है। वहीं, उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया 5 दिन बाद शुरू होगी। इस दौरान एसआईआर में वोटर लिस्ट से बाहर हुए मतदाता अपना नाम दोबारा जुड़वा सकेंगे।

एसआईआर से पहले इन 17 राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों में कुल 64.57 करोड़ मतदाता रजिस्टर्ड थे, जो अंतिम मतदाता सूची में घटकर 58.71 करोड़ रह गए। यानी करीब 5.86 करोड़ नाम कम हुए हैं। अब पुनरीक्षण के दौरान यह देखना अहम होगा कि हटाए गए मतदाताओं में से कितने दोबारा सूची में शामिल होते हैं। ज्यादा नाम वापस जुड़ने पर सत्यापन प्रक्रिया पर सवाल उठ सकते हैं, जबकि कम नाम जुड़ने की स्थिति में पात्र मतदाताओं के छूटने की आशंका की जांच जरूरी होगी।



नव जागृति संघ ने आयोजित की माँ काली की महाआरतीः 551 महिलाएं एक साथ हुई महाआरती मे शामिल



सौरभ रॉय/ रफ्तार मीडिया

रांचीःराजधानी रांची के नीचे चुटिया स्थित महावीर मंदिर परिसर में नव जागृति संघ काली पूजा समिति की ओर से गुरुवार को माँ काली की भव्य महाआरती का आयोजन किया गया। शिवम केसरी ने बताया महाआरती में 551 महिलाओं ने एक साथ महाआरती में हिस्सा लेकर माँ काली की आराधना की। इतनी बड़ी संख्या में महिलाओं की सामूहिक भागीदारी ने धार्मिक आयोजन को विशेष और यादगार बना दिया। महाआरती के दौरान पूरा पूजा पंडाल भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। एक साथ प्रज्वलित दीपों की जगमगाहट से पूरा परिसर रोशन होउठा।इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं ने श्रद्धाभाव के साथ माँ काली की आरती कर माता के चरणों में शीश झुकाकर परिवार एवं समाज की सुख समृद्धि की कामना की।

■ सामूहिक महाआरती में 551 महिलाओं की रही सहभागिता

इस आयोजन का मुख्य आकर्षण 551 महिलाओं द्वारा एक साथ महाआरती में हिस्सा लेना रहा। महिलाओं ने पारंपरिक श्रद्धा और उत्साह के साथ माँ काली की आराधना की। सामूहिक रूप से आरती करने का दृश्य श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना रहा। इस दौरान पूजा पंडाल में मौजूद श्रद्धालु भी माँ काली की भक्ति में लीन नजर आए। मौके पर समिति के सदस्यों ने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजन हमारी सनातन संस्कृति, परंपरा और धार्मिक विरासत को संरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पूजा-पाठ और धार्मिक अनुष्ठानों के माध्यम से समाज के लोग एक मंच पर एकत्रित होते हैं, जिससे आपसी प्रेम, सद्भाव और सामाजिक एकता को मजबूती मिलती है। समिति का प्रयास है कि धार्मिक परंपराओं को आगे बढ़ाते हुए समाज में भक्ति और सकारात्मकता का वातावरण कायम रखा जाए।

महिला आरक्षण विधेयक पारित कराने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की योजना, 15 वोटों से जीत का प्लान

नई दिल्ली : महिला आरक्षण को लागू करने से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए सरकार संसद का एक 'विशेष सत्र' बुलाने की योजना बना रही है. यह जानकारी देते हुए सूत्रों ने इस बात का भरोसा जताया कि यह विधेयक 15 से 18 वोटों के अंतर से पारित हो सकता है.न्यूज़ एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, इतना ही नहीं सरकार को उम्मीद है कि उसके पास आवश्यक संख्या बल है, लेकिन प्रस्तावित सत्र की तारीखों या इसकी अवधि के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं दी गई.हालांकि संविधान संशोधन विधेयक को पारित करने के लिए दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होती है, जिसके लिए सरकार को 361 वोटों की जरूरत है. वहीं 543 सदस्यों वाली लोकसभा में अभी तीन सीटें रिक्त हैं.वहीं इस प्रस्तावित संशोधन के तहत परिसीमन के जरिये लोकसभा की मौजूदा सदस्य संख्या 543 को बढ़ाकर अधिकतम 850 किए जाने की योजना है. इससे संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किए जाने का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा.इससे पूर्व इसी तरह का संविधान संशोधन विधेयक 17 अप्रैल को बजट सत्र की एक विशेष बैठक के दौरान लोकसभा में जरूरी संख्या बल नहीं जुटा पाने की वजह से पारित नहीं हो सका था.

सूरत में चलती बस से 3 साल का बच्चा गिरा

सूरत। गुजरात के सूरत शहर में एक चलती लग्जरी बस से 3 साल का बच्चा दरवाजे से नीचे गिर गया। हालांकि, ड्राइवर की सूझबूझ और तत्परता से उसकी जान बच गई। राजकोट से सूरत आ रही इस बस में मां फोन पर बात करने में व्यस्त थी। इसी दौरान बच्चा खेलते-खेलते केबिन तक आया गर गेट से नीचे गिर गया। घटना बस में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। हादसा 7 नवंबर का है, जिसका फुटेज अब सामने आया है और वायरल हो रहा है।

दो बच्चों के साथ बस में सफर कर रही थी मां

एक प्राइवेट लग्जरी बस सौराष्ट्र के राजकोट से सूरत आ रही थी। बस में यात्रियों की संख्या अपेक्षाकृत कम थी। इस बस में एक महिला अपने तीन साल के बेटे और 8 साल की बेटी के साथ सफर कर रही थी। यात्रा के दौरान महिला मोबाइल फोन पर बात करने में इतनी मशगूल हो गई कि उसका ध्यान बेटे से पूरी तरह हट गया।



झारखंड स्थापना दिवस को लेकर लातेहार में तैयारियां तेज, 15 नवंबर से शुरू होगा स्थापना दिवस पखवाड़ा

26 और 27 नवंबर को रांची में राज्य स्तरीय कार्यक्रम, 28 नवंबर को सरकार के दो वर्ष पूरे होने पर होगा भव्य आयोजन

रफ्तार मीडिया संवाददाता

लातेहार। झारखंड राज्य स्थापना दिवस को लेकर लातेहार जिले में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। आगामी 15 नवंबर को राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर जिलेभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर बुधवार को उपायुक्त संदीप कुमार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य सरकार की ओर से प्रस्तावित कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्यक्रमों का सफल और गरिमामय आयोजन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में बताया गया कि 15 नवंबर को सुबह 7 बजे से 8 बजे तक शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में



स्वच्छता और विकसित झारखंड के संदेश के साथ दौड़ का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान एक छठ घाट से दूसरे छठ घाट तक जाकर घाटों की साफ-सफाई की जाएगी। इसी कार्यक्रम के साथ जिले में स्थापना दिवस पखवाड़े की शुरूआत होगी। इसके अलावा शहीद स्मारक पर माल्यार्पण कर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। स्थापना दिवस पखवाड़े के तहत 17 नवंबर से 24 नवंबर तक पंचायत स्तर से जिला स्तर तक खेलकूद, कला-संस्कृति, लेखन, निबंध और प्रश्नोत्तरी सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

उपायुक्त ने निर्देश दिया कि पंचायत एवं जिला स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों का चयन कर उन्हें राज्य स्तरीय कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए तैयार किया जाए। वहीं, 24 नवंबर को जिला स्तर पर कृषि मेला, ग्रामीण विकास से जुड़ी गतिविधियां, उत्कृष्ट पंचायत का चयन, नशामुक्ति अभियान तथा झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन सोसाइटी के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बैठक में जानकारी दी गई कि 26 एवं 27 नवंबर को रांची के खेलगांव में भव्य राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें 17 से 24 नवंबर तक जिला स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में चयनित प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। इसके लिए उपायुक्त ने संबंधित विभागों को लातेहार जिले की प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

राज्य स्तरीय कार्यक्रम में लातेहार जिले की विशेषताओं, उपलब्धियों और विकास कार्यों को प्रदर्शित करने के लिए विभिन्न विभागों की ओर से प्रदर्शनी और स्टॉल लगाए जाएंगे। इनमें एक जिला-एक उत्पाद, एक जिला-एक पर्यटन स्थल और एक जिला-एक आर्थिक गतिविधि सहित स्वास्थ्य, खेलकूद, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, नाबार्ड, नवाचार एवं वन विभाग से संबंधित योजनाओं और उपलब्धियों को प्रदर्शित किया जाएगा। राज्य सरकार के दो वर्ष का कार्यकाल पूरा होने के अवसर पर 28 नवंबर को रांची के खेलगांव में वृहद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर विभिन्न विकास योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया जाएगा। साथ ही सरकारी योजनाओं के लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों और पुरस्कारों का वितरण भी किया जाएगा। उपायुक्त ने सभी विभागीय पदाधिकारियों को अपने-अपने विभाग की योजनाओं और उपलब्धियों की अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराने तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिया।बैठक के अंत में उपायुक्त संदीप कुमार ने कहा कि झारखंड राज्य स्थापना दिवस जिले के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। सभी पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरतापूर्वक निर्वहन करें और कार्यक्रमों में व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि तैयारियों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद सहित जिले के विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे। वहीं, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी भी बैठक से जुड़े रहे।

समाचार सार

छठ पूजा के अवसर पर उज्ज्वला फाउंडेशन ने बांटे अंगवस्त्र, सदस्यों को आत्मनिर्भर बनाने का लिया संकल्प



कुजू/रामगढ़(रफ्तार मीडिया संवाददाता): उज्ज्वला फाउंडेशन के तत्वावधान में पंचायत हेसालोंग में छठ पूजा के शुभ अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। फाउंडेशन के अध्यक्ष जगेश्वर प्रजापति की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान पंचायत की महिला सदस्यों के बीच अंगवस्त्र (साड़ी) का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान संगठन के आगामी कार्यों और विस्तार को लेकर भी गहन चर्चा की गई। अध्यक्ष जगेश्वर प्रजापति ने कहा कि फाउंडेशन को निरंतर आगे बढ़ाना और इससे जुड़े सदस्यों को आत्मनिर्भर बनाना ही संस्था का मुख्य उद्देश्य है। इसके साथ ही, उन्होंने आगामी ठंड के मौसम को देखते हुए क्षेत्र के गरीब, असहाय, विधवा और दिव्यांगजनों के बीच कंबल एवं शॉल (स्टॉल) वितरित करने का आश्वासन भी दिया। इस मौके पर आशा कुमारी, मनसरी देवी, हुलसी, ज्योति, संतोषी, सुमन, पूजा, आशा, शांति, दीपमाला, सुधा, ममता, काजल, कोइला, उर्मिला, साक्षी और सुकरी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण व फाउंडेशन के सदस्य उपस्थित थे।

अहिल्यापुर मोड़ पर जूता दुकान में लगी भीषण आग, लाखों की संपत्ति जलकर राख



गांडेय (रफ्तार मीडिया संवाददाता): गांडेय प्रखंड अंतर्गत ताराटांड़ थाना क्षेत्र के अहिल्यापुर मोड़ स्थित 'स्टार शू' नामक जूते-चप्पल की दुकान में रात मे अचानक आग लग गई। इस अगलगी की घटना में दुकान में रखे सामान समेत फर्नीचर पूरी तरह जलकर खाक हो गए, जिससे पीड़ित दुकानदार को करीब तीन लाख रुपये का भारी नुकसान हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित दुकानदार मजहर अंसारी बुधवार शाम करीब 7:00 बजे अपनी दुकान बंद कर घर चले गए थे। गुरुवार सुबह करीब 8:00 बजे जब वे दुकान खोलने पहुंचे, तो शटर के अंदर से धुआं निकलता देख सन्न रह गए। आनन-फानन में शटर खोलकर देखा गया तो दुकान के अंदर भीषण आग धधक रही थी। घटना के तुरंत बाद आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर जुटे और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, जब तक आग बुझाई जाती, तब तक दुकान में रखे जूते, चप्पल, रैक, पंखे, लाइट, कुर्सी, टेबल सहित अन्य सभी सामान जलकर राख हो चुके थे। दुकानदार मजहर अंसारी ने बताया कि अगलगी में लगभग 3 लाख रुपये का नुकसान हुआ है, जिससे उनकी रोजी-रोटी पर संकट खड़ा हो गया है। आग लगने के स्पष्ट कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है,आशंका जताई जा रही है कि शार्ट सर्किट की वजह से यह हादसा हुआ होगा। पीड़ित ने स्थानीय प्रशासन से मुआवजे की गुहार लगाई है।

गोड्डा में ब्राउन शुगर के अवैध कारोबार का खुलासा, 15.42 ग्राम नशीले पदार्थ के साथ दो तस्कर गिरफ्तार



गोड्डा (रफ्तार मीडिया संवाददाता): गोड्डा जिले में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 15.42 ग्राम ब्राउन शुगर, 14,360 रुपये नकद समेत कई सामान बरामद किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एसडीपीओ आकाश भारद्वाज के नेतृत्व में गठित एंटी नारकोटिक्स टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर 11 नवंबर को गोड्डा नगर थाना क्षेत्र के गंगटा स्थित काली मंदिर के समीप और लहेरी टोला में छापेमारी की। इस दौरान रंजीत रमानी उर्फ लंबू (26) और विवेक कुमार (34) को गिरफ्तार किया गया।छापेमारी में पुलिस ने 15.42 ग्राम ब्राउन शुगर, 14,360 रुपये नकद, दो इलेक्ट्रॉनिक मापतौल मशीन, पुड़िया बनाने में इस्तेमाल होने वाला एल्युमिनियम फॉयल, दो मोबाइल फोन और एक टीवीएस रेडर मोटरसाइकिल बरामद की। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार रंजीत रमानी का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। गोड्डा पुलिस ने कहा कि नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत अभियान जारी रहेगा। साथ ही आम नागरिकों से नशे के कारोबार की सूचना पुलिस को देने की अपील की गई है।

डॉ. भास्कर चंद को मिला भारतीय चिकित्सा गौरव सम्मान 2026, जामताड़ा का बढ़ाया मान



जामताड़ा (रफ्तार मीडिया संवाददाता)। अपनी मेहनत, लगन और सेवा भावना के दम पर जामताड़ा के युवा फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. भास्कर चंद ने जिले के साथ-साथ पूरे झारखंड का गौरव बढ़ाया है। फिजियोथेरेपी एवं पुनर्वास चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें भारतीय चिकित्सा गौरव सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान जीवरण फाउंडेशन की ओर से प्रदान किया गया है। सम्मान प्रमाण पत्र 31 अक्टूबर 2026 को जारी किया गया। डॉ. भास्कर चंद न्यू टाउन, मदनपल्ली स्थित के निदेशक एवं परामर्शदाता फिजियोथेरेपिस्ट हैं। वे पिछले कई वर्षों से मरीजों को बेहतर चिकित्सा एवं पुनर्वास सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। उनके केंद्र में कमर दर्द, गर्दन दर्द, जोड़ों की समस्या, फ्रोजन शोल्डर, स्पोर्ट्स इंजरी, लकवा तथा ऑपरेशन के बाद पुनर्वास जैसी समस्याओं का उपचार किया जाता है। डॉ. भास्कर का मानना है कि फिजियोथेरेपी का उद्देश्य केवल दर्द से राहत देना नहीं, बल्कि मरीजों को दोबारा आत्मनिर्भर बनाना भी है। इस उपलब्धि पर परिवार में खुशी का माहौल है। फिजियोथेरेपिस्ट राज, दिवा, अनीमा, उर्मिला और प्रीति सहित पूरी टीम ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई दी। टीम के सदस्यों ने कहा कि यह सम्मान डॉ. भास्कर की व्यक्तिगत उपलब्धि के साथ पूरे संस्थान के लिए गर्व की बात है। उनकी इस सफलता से जामताड़ा के चिकित्सा जगत और युवाओं को नई प्रेरणा मिली है।

गांडेय में अबुआ आवास योजना की खुली पोल, एक साल बाद भी दिव्यांग लाभुक को नहीं मिली दूसरी किस्त, अधूरा पड़ा आशियाना

रफ्तार मीडिया संवाददाता

गांडेय : गांडेय प्रखंड के जमजोरी पंचायत अंतर्गत पंदनीया गांव के तिलियासारे टोला में अबुआ आवास योजना की जमीनी हकीकत प्रशासनिक दावों पर सवाल खड़े कर रही है। यहां के एक दिव्यांग लाभुक मिसलाल मरांडी (पिता- मोथन मरांडी) को योजना स्वीकृत हुए एक वर्ष से अधिक बीत चुका है, लेकिन पहली किस्त के बाद आज तक दूसरी किस्त की राशि जारी नहीं की गई। नतीजा,गरीब दिव्यांग परिवार का आशियाना महीनों से अधूरा पड़ा हुआ है।

डीपीसी तक काम कराकर रुका निर्माण, बाद वाले बना चुके हैं घर

मामले को लेकर लाभुक के पिता



मोथन मरांडी ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि उनका पुत्र गूंगा व दिव्यांग है। सरकार से अबुआ आवास की स्वीकृति मिलने पर परिवार को पक्की छत मिलने की उम्मीद जगी थी। पहली किस्त मिलने के बाद उन्होंने जैसे-तैसे डीपीसी. स्तर तक का निर्माण कार्य पूरा करा लिया। मोथन मरांडी ने बताया कि लगभग 11 महीने पूर्व एक महिला पदाधिकारी/कर्मी जांच के लिए आई थीं और स्थल का फोटो खींचकर ले गईं। इसके बावजूद अब तक दूसरी किस्त के खाते में नहीं आने से काम पूरी तरह ठप पड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके बाद जिन लोगों का आवास स्वीकृत हुआ था, उन्हें अगली किस्तें मिल चुकी हैं और कई लोग अपना घर बनाकर रहने भी लगे हैं, लेकिन एक दिव्यांग को दफ्तरों के फेर में छोड़ दिया गया है।

इधर, जमजोरी पंचायत समिति सदस्य लछमी कुमारी के प्रतिनिधि मुन्ना मंडल ने इस मामले पर कड़ा रोष जताया है। उन्होंने कहा कि एक मूक-बधिर दिव्यांग लाभुक को तय समय पर राशि न मिलना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और विभागीय लापरवाही का प्रमाण है। मुन्ना मंडल ने प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) व संबंधित वरीय अधिकारियों से मामले को तत्काल संज्ञान में लेते हुए जांच कराने और लाभुक को अविलंब दूसरी किस्त का भुगतान कराकर अधूरा आवास पूर्ण कराने की मांग की है।

छठ पूजा की तैयारी को लेकर दिग्वार वार्ड नंबर-4 में बैठक आयोजित, सदस्यों ने लिया सामूहिक सहयोग का संकल्प



रफ्तार मीडिया संवाददाता

कुजू/रामगढ़ : रामगढ़ नगर क्षेत्र अंतर्गत दिग्वार वार्ड नंबर-4 स्थित दुर्गा मंदिर प्रांगण में छठ महापर्व को सफल एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने को लेकर एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सांसद प्रतिनिधि मनोज गिरी ने की, जबकि संचालन जगदीश महतो ने किया।

वहीं धन्यवाद ज्ञापन पंकज कुशवाहा ने किया।

बैठक में आगामी छठ महापर्व की तैयारियों को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इस दौरान छठ घाट एवं आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई, लाइटिंग, टेंट, बैनर, सजावट सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने आपसी एकजुटता एवं सहयोग के साथ छठ महापर्व को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाने का निर्णय लिया। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने अपनी-अपनी स्वेच्छा से सहयोग राशि एवं योगदान देने की सहमति जताई, ताकि पर्व के आयोजन में किसी प्रकार की कमी न रहे। सभी ने मिलकर छठ पूजा को भव्य एवं सफल बनाने का संकल्प लिया। बैठक में पूर्व वार्ड पार्षद कुलदीप कुशवाहा, अनुपम गिरी, विजय गिरी, रवि कुशवाहा, संजीव कुशवाहा, अजय कुशवाहा, राहुल गिरी, अमरेश गिरी, प्रमोद गिरी, गौरव मिश्रा, रामजतन अकेला, संजय गिरी, विनोद प्रसाद, पन्नालाल गिरी, प्रभाकर कुशवाहा, सुशील कुशवाहा, सोनू गिरी, छोटी गिरी, मनोज कुशवाहा, लालो कुशवाहा, सोनू कुशवाहा, प्रमोद कुशवाहा, उज्ज्वल कुशवाहा, मुकेश कुशवाहा, कमल किशोर कुशवाहा एवं सुनील कुशवाहा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। सभी ने छठ महापर्व के आयोजन में बढ़-चढ़कर सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

काम की तलाश में बिहार गया धनबाद का मजदूर, रहस्यमय ढंग से लापता, परिजन परेशान

पुलिस पर अधिकार क्षेत्र का हवाला देकर पल्ला झाड़ने का आरोप

गोविंदपुर के गौरांगडीह निवासी 46 वर्षीय दिनेश तूरी 27 अक्टूबर से हैं लापता

गांव के ही दो लोग अच्छी मजदूरी का झांसा देकर ले गए थे बाहर, बिहार के भभुआ स्टेशन से गायब होने की बात आ रही सामने

पत्नी और मां ने थाने में दी लिखित शिकायत, अनहोनी की जताई आशंका

रफ्तार मीडिया संवाददाता

धनबाद : धनबाद जिले के गोविंदपुर थाना क्षेत्र से एक बेहद दर्दनाक और चिंताजनक मामला सामने आया है। बेहतर मजदूरी और खाने-रहने का झांसा देकर बिहार ले जाए गए एक गरीब दिहाड़ी मजदूर के रहस्यमय तरीके से लापता होने के बाद से उसके परिवार में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं दूसरी ओर स्थानीय पुलिस इस मामले को दूसरे राज्य का क्षेत्र बताकर अपनी जिम्मेदारी से किनारा करती नजर आ रही है।



अच्छी मजदूरी का झांसा देकर ले गए थे साथ

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गोविंदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत आसनबनी-2 पंचायत के गौरांगडीह निवासी 46 वर्षीय दिनेश तूरी पेशे से दिहाड़ी मजदूर हैं। परिजनों का आरोप है कि बीते 27 अक्टूबर को गांव के ही दो लोग–सिकंदर अंसारी और पिंटू मंडल–उन्हें अच्छी मजदूरी का प्रलोभन देकर काम के सिलसिले में अपने साथ बाहर ले गए थे। हालांकि, दिनेश उस वक्त जाने के लिए तैयार नहीं थे, लेकिन उन्हें बहला-फुसलाकर ले जाया गया। अब खबर सामने आई है कि दिनेश बिहार के भभुआ स्टेशन के



पास से अचानक रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गए हैं। जो लोग उन्हें अपने साथ ले गए थे, वे अब न तो कोई स्पष्ट ठिकाना बता रहे हैं और न ही परिजनों को उस जगह पर ले जा रहे हैं।

थाने में गुहार, पर पुलिस का रवैया उदासीन

घटना से सहमी पीड़ित पत्नी चिंता देवी और मां सरिता देवी ने किसी अनहोनी की आशंका जताते हुए गोविंदपुर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है और अपने पति व बेटे की सकुशल बरामदगी की गुहार लगाई है। दूसरी ओर, इस संवेदनशील मामले पर गोविंदपुर थाना प्रभारी विष्णु प्रसाद राउत का कहना है कि चूंकि घटना बिहार राज्य के क्षेत्र से जुड़ी है, इसलिए परिजन वहीं के संबंधित स्थानीय थाने में आवेदन दें, ताकि पुलिस त्वरित कार्रवाई कर सके। पुलिस का यह भी दावा है कि 5 नवंबर को आवेदन मिलने के बाद आसनबनी-2 पंचायत के मुखिया को इस स्थिति से अवगत करा दिया गया था।

एक गरीब मजदूर के इस तरह अचानक गायब होने और पुलिस की सुस्त कार्यप्रणाली ने व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है।

झामुमो जिला कार्यालय पहुंचे हफीजुल हसन, झामुमो नेता एवं कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत



जामताड़ा (रफ्तार मीडिया संवाददाता)। झारखंड सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन गुरुवार को जामताड़ा दौरे के दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला पार्टी कार्यालय पहुंचे। यहां जम्मू अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष सगीर खान के नेतृत्व में पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। मंत्री के आगमन से पार्टी कार्यालय में कार्यकर्ताओं के बीच उत्साह का माहौल देखने को मिला। दरअसल, मंत्री हफीजुल हसन जामताड़ा में आयोजित एक मदरसे के वार्षिक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। इसी क्रम में उन्होंने झामुमो के जिला कार्यालय का भी दौरा किया। कार्यालय पहुंचने के बाद उन्होंने पार्टी के पदाधिकारियों, वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। इस दौरान मंत्री ने पार्टी की सांगठनिक स्थिति, विभिन्न गतिविधियों तथा संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने को लेकर चर्चा की।मंत्री ने कार्यकर्ताओं के साथ कुछ समय बिताया और पार्टी के कामकाज को लेकर आपसी संवाद किया। इस दौरान संगठन के विस्तार, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी और पार्टी की गतिविधियों को आम लोगों तक पहुंचाने जैसे विषयों पर भी विचार-विमर्श हुआ। पार्टी कार्यालय में नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ हुई इस मुलाकात को संगठनात्मक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस मौके पर झामुमो के वरिष्ठ नेता रवींद्रनाथ दुबे, आनंद टुडू, इम्तियाज अंसारी, देवीसन हांसदा सहित पार्टी के कई नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

छठ घाटों पर सुरक्षा को लेकर डीसी-एसपी सख्त, गहरे पानी वाले स्थानों पर लगेंगे रेडियमयुक्त सूचना बोर्ड

सुरक्षा, रोशनी, बैरिकेडिंग और गोताखोरों की तैनाती सुनिश्चित करने का निर्देश, शहर के प्रमुख छठ घाटों का किया निरीक्षण

रफ्तार मीडिया संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : आगामी छठ महापर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने को लेकर पलामू जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। गुरुवार को उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत और पुलिस अधीक्षक कपिल चौधरी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले के सभी अनुमंडल



पदाधिकारियों, बीडीओ, सीओ और नगर निकाय के अधिकारियों के साथ तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान अधिकारियों को छठ घाटों पर सुरक्षा, रोशनी, बैरिकेडिंग और साफ-सफाई की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। समीक्षा बैठक में डीसी और एसपी ने विशेष रूप से गहरे पानी वाले स्थानों को चिन्हित करने, वहां डेप्थ मार्किंग कराने और रेडियमयुक्त चेतावनी बोर्ड लगाने पर जोर दिया। साथ ही घाटों पर स्थानीय गोताखोरों की तैनाती, पर्याप्त संख्या में नाव और टायर उपलब्ध रखने का निर्देश दिया, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल सहायता पहुंचाई जा सके। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के बाद उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने मेदिनीनगर शहर के प्रमुख छठ घाटों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान सिंगरा स्थित अमानत नदी तट, टाउन हॉल के समीप कोयल नदी तट और पम्पूकल नदी तट पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने घाटों की साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पानी में बैरिकेडिंग, यातायात प्रबंधन, वाहन पार्किंग और श्रद्धालुओं के आवागमन की सुविधाओं की समीक्षा की। पम्पूकल नदी तट के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने स्थानीय ग्रामीणों से नदी की गहराई की जानकारी ली। ग्रामीणों ने कुछ स्थानों पर छह फीट से अधिक गहराई होने की बात बताई। इस पर उपायुक्त ने ऐसे सभी स्थानों को चिह्नित कर रेडियमयुक्त सूचना बोर्ड लगाने का निर्देश दिया, ताकि छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को पहले से ही खतरे की जानकारी मिल सके। डीसी ने स्पष्ट किया कि छठ घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त रंजीत लाल, अपर समाहर्ता कुंदन कुमार, सदर एसडीओ संजय पांडेय, सदर सीओ समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

पत्रकारों के सम्मान और प्रेस की स्वतंत्रता से समझौता बर्दाश्त नहीं : वक्ता

नगर आयुक्त की कार्यशैली के विरोध में हजारीबाग प्रेस क्लब का विशाल धरना, कार्रवाई की मांग

जनप्रतिनिधियों, राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों ने पत्रकारों के आंदोलन को दिया समर्थन, मुख्यमंत्री के नाम उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

रफ्तार मीडिया संवाददाता





हजारीबाग। नगर आयुक्त की कार्यशैली और पत्रकारों के साथ कथित दुर्व्यवहार के विरोध में गुरुवार को हजारीबाग प्रेस क्लब के तत्वावधान में पुराने समाहरणालय के समक्ष एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। धरना में जिले के बड़ी संख्या में पत्रकारों के साथ विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी और प्रबुद्ध नागरिक शामिल हुए। सभी ने एक स्वर में पत्रकारों के सम्मान, अधिकार और प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा की मांग उठाई। वक्ताओं ने पूरे घटनाक्रम की निंदा करते हुए जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध निष्पक्ष जांच और उचित कार्रवाई की मांग की। धरना की अध्यक्षता प्रेस क्लब के संरक्षक कृष्णा गुप्ता ने की, जबकि संचालन सचिव दीपक सिंह ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने कहा कि लोकतंत्र में सवाल पूछना पत्रकारों का अधिकार है। किसी सरकारी अधिकारी का प्रेस क्लब पहुंचकर दस्तावेज मांगना और पत्रकारों के साथ कथित दुर्व्यवहार करना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में पत्रकारों की स्वतंत्रता और सम्मान का संरक्षण जरूरी है। पूर्व विधायक अकेला यादव ने कहा कि पत्रकार समाज और शासन के बीच मजबूत कड़ी होते हैं। उनकी आवाज दबाने या उन्हें डराने का प्रयास लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है। महापौर अरविंद राणा ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। जनहित के मुद्दों को सामने लाना उनकी जिम्मेदारी है। पत्रकारों के साथ किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार उचित नहीं है। पूरे मामले में सभी पक्षों की बात सुनकर निष्पक्ष कार्रवाई होनी चाहिए। झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन (जेजेए) के संस्थापक शाहनवाज हसन ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। पत्रकार जनता की आवाज उठाते हैं और सरकारी व्यवस्था से सवाल करते हैं। यदि किसी खबर से किसी अधिकारी को आपत्ति है तो उसे तथ्यों के आधार पर जवाब देना चाहिए, न कि पत्रकारों के बीच पहुंचकर प्रेस क्लब के दस्तावेज मांगने चाहिए। जिला परिषद अध्यक्ष उमेश प्रसाद मेहता ने कहा कि पत्रकार समाज की समस्याओं को प्रशासन और सरकार तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उनके सम्मान और अधिकारों की रक्षा होनी चाहिए। प्रेस क्लब पहुंचकर दस्तावेज मांगने और पत्रकारों के साथ हुए कथित व्यवहार की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने भी पत्रकारों के सम्मान को लोकतांत्रिक व्यवस्था के सम्मान से जोड़ते हुए उचित जांच और कार्रवाई की मांग की। अन्य वक्ताओं ने भी पत्रकारों के समर्थन में अपनी बातें रखीं। धरना-प्रदर्शन के समापन के बाद हजारीबाग प्रेस क्लब के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नाम उपायुक्त के माध्यम से ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में पूरे घटनाक्रम की जानकारी देते हुए पत्रकारों के साथ कथित दुर्व्यवहार की निष्पक्ष जांच, जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई तथा पत्रकारों के सम्मान और प्रेस की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने की मांग की गई। इस दौरान आंदोलन को आगे भी जारी रखने का निर्णय लिया गया।

विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों ने दिया समर्थन

धरना को समर्थन देने वालों में पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक यादव, टुन्नू गोप, हजारीबाग सदर के पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी मुन्ना सिंह, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी डॉ. आरसी प्रसाद मेहता, कांग्रेस प्रदेश संयोजक विनोद कुशवाहा, बटेश्वर मेहता, कांग्रेस प्रदेश सचिव रेणु कुमारी, पूर्व डिप्टी मेयर आनंद देव, कांग्रेस नेता सुरजीत नागवाला, पूर्व सैनिक वेलफेयर ट्रस्ट के अध्यक्ष अरविंद ओझा, बरकट्ठा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी अनूप भाई, वॉलंटरी ब्लड डोनर एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्मल जैन, सीपीआई नेता कामरेड मजीद अंसारी एवं कामरेड महेंद्र राम, भाजपा नेता मनमीत अकेला और विशाल वाल्मीकि, प्रोफेसर सुकल्यान मोइत्रा, कायस्थ महासभा के जिलाध्यक्ष दीपक नाथ सहाय, भाजपा नेता भैया अभिमन्यु प्रसाद, शहीद जयमंगल पांडेय के वंशज सच्चिदानंद पांडेय, जिला परिषद सदस्य जीतन राम, शिवलाल महतो, शेफाली गुप्ता, जदयू नेता अर्जुन मेहता, चंद्र मोहन पटेल, सीपीएम जिला सचिव गणेश कुमार सीटू, झामुमो छात्र नेता चंदन सिंह, सरफराज अहमद, संजर मलिक, हरीश श्रीवास्तव, बबलू कुशवाहा, मनोज गुप्ता, रविंद्र पासवान, छात्र नेता जीवन यादव, आशीष कुमार, बप्पी करण, इंजीनियर अमन कुमार और वरिष्ठ पत्रकार जावेद इस्लाम सहित कई लोग शामिल हुए। धरना-प्रदर्शन को सफल बनाने में हजारीबाग प्रेस क्लब के पदाधिकारियों, जिले के पत्रकारों और सहयोगी साथियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ पत्रकार विकास सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया। धरना के माध्यम से पत्रकारों ने स्पष्ट संदेश दिया कि जनहित के मुद्दों पर सवाल उठाना पत्रकारिता का दायित्व है और पत्रकारों के सम्मान की लड़ाई लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा से जुड़ी है।

छठ महापर्व से ठीक पहले प्रदूषित हुआ दामोदर नदी का पानी सतह पर तैर रही काली परत से श्रद्धालुओं में गहरी चिंता

रफ्तार मीडिया संवाददाता



धनबाद : लोक आस्था के महापर्व छठ की तैयारियां जहां एक ओर पूरे जिले में जोरों पर हैं और घाटों की साफ-सफाई चल रही है, वहीं दूसरी ओर सुदामडीह-चासनाला स्थित श्री सूर्य धाम मंदिर के दामोदर नदी घाट से एक बेहद चिंताजनक तस्वीर सामने आई है। महापर्व से ठीक पहले दामोदर नदी का पानी अत्यधिक प्रदूषित हो गया है, जिसकी सतह पर काले रंग का तेल जैसा पदार्थ तैरता साफ नजर आ रहा है। पानी की इस दयनीय स्थिति को देखकर छठ पूजा करने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों की चिंता काफी बढ़ गई है। विदित हो कि छठ महापर्व के दौरान दामोदर नदी के इन घाटों पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु स्नान कर भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करते हैं। लेकिन इस बार नदी की मौजूदा स्थिति ने लोगों को निराश और आक्रोशित कर दिया है। नदी की सतह पर जगह-जगह फैली काले रंग की परत को देखकर लोगों का कहना है कि जिस पवित्र जल में आस्था की डुबकी लगाकर व्रत की शुरूआत की जाती है, उसी पानी में इस तरह की गंदगी तैरती देख उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं, साथ ही स्वास्थ्य को लेकर भी बड़ा खतरा मंडरा रहा है। इस बढ़ते प्रदूषण के लिए स्थानीय लोगों ने सीधे तौर पर बीसीसीएल के ईस्टर्न झरिया एरिया (ईजे एरिया) के भौरा क्षेत्र में चल रही ओवरबर्डन (ओबी डंपिंग) को जिम्मेदार ठहराया है।

लोगों का आरोप है कि कोयला खदानों से निकलने वाले मलबे और ओबी डंपिंग के अनियंत्रित प्रबंधन के कारण दामोदर नदी का यह हाल हुआ है। हालांकि, प्रदूषण के असल और वास्तविक स्रोत की वैज्ञानिक जांच की मांग भी जोर पकड़ने लगी है। स्थानीय निवासियों ने जिला प्रशासन, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और बीसीसीएल प्रबंधन से इस मामले की गंभीरता को समझते हुए तुरंत उच्च स्तरीय जांच कराने, प्रदूषण के मुख्य स्रोतों पर रोक लगाने और छठ महापर्व से पहले दामोदर नदी के पानी को शुद्ध व प्रदूषण मुक्त बनाने की पुरजोर मांग की है। संजय सिंह, स्थानीय निवासी ने बताया कि छठ महापर्व में दामोदर नदी का पवित्र जल ही हमारी आस्था का आधार है, लेकिन पानी की सतह पर तैरती काली परत और गंदगी ने हमारी चिंता बढ़ा दी है। प्रशासन को इस पर तुरंत संज्ञान लेना चाहिए।

गढ़वा से ब्राउन शुगर लेकर पलामू आ रहे दो युवक गिरफ्तार, 12.48 ग्राम मादक पदार्थ बरामद

रफ्तार मीडिया संवाददाता



मेदिनीनगर (पलामू): पलामू में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। चैनपुर थाना क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने 12.48 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से मादक पदार्थ के अलावा एक नीले रंग की होंडा साइन मोटरसाइकिल और दो टच स्क्रीन मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। इस कार्रवाई से इलाके में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार में शामिल लोगों के बीच हड़कंप मच गया है। पुलिस के अनुसार, 11 नवंबर की शाम गश्ती के दौरान पुलिस अवर निरीक्षक शिवनाथ रंजन को गुप्त सूचना मिली थी कि गढ़वा की ओर से दो युवक नीले रंग की मोटरसाइकिल पर मादक पदार्थ लेकर चैनपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर चौक की तरफ आ रहे हैं। सूचना मिलते ही वरीय अधिकारियों के निर्देश पर पुलिस टीम ने मगरदाहा घाटी में वाहन जांच शुरू कर घेराबंदी कर दी। इसी दौरान संदिग्ध मोटरसाइकिल को पुलिस ने रुकने का इशारा किया। लेकिन पुलिस को देखते ही बाइक सवार दोनों युवक भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान सुनित कुमार सिंह की जैकेट की जेब से प्लास्टिक सहित कुल 12.48 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई। इसके बाद पुलिस ने मोटरसाइकिल और दोनों मोबाइल फोन भी जब्त कर लिए। गिरफ्तार युवकों की पहचान सुनित कुमार सिंह (22 वर्ष), पिता स्वर्गीय अमिरिका सिंह, ग्राम कुन्दरी, थाना लेस्लीगंज तथा करन कुमार (20 वर्ष), पिता योगेन्द्र मिस्त्री, ग्राम रामसागर, थाना लेस्लीगंज, जिला पलामू के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ चैनपुर थाना में स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस एक्ट) की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस के मुताबिक, दोनों को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। इस कार्रवाई में एसडीपीओ राजेश यादव, थाना प्रभारी लालजी, पुलिस अवर निरीक्षक शिवनाथ रंजन, राम कुमार उपाध्याय, सहायक अवर निरीक्षक सिंगराय हेम्ब्रम सहित चैनपुर थाना के रिजर्व गार्ड शामिल थे। पलामू पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री या तस्करी से जुड़ी किसी भी गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

छठ व्रतियों के बीच विधायक ने बांटी साड़ी, गंगाजल और आम की लकड़ी; भूली से बैंक मोड़ तक पहुंचकर दी महापर्व की शुभकामनाएं

रफ्तार मीडिया संवाददाता



धनबाद : लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर धनबाद में भक्तिमय माहौल के साथ-साथ सेवा और सहयोग का सिलसिला भी तेजी से चल रहा है। इसी क्रम में धनबाद के विधायक राज सिन्हा ने अपनी पुरानी परंपरा को निभाते हुए इस वर्ष भी छठ व्रतियों के बीच साड़ी, पवित्र गंगाजल और हवन के लिए आम की लकड़ी का वितरण किया। विधायक अपने समर्थकों के साथ भूली, केंदुआ, बैंक मोड़ और बेकारबांध सहित विभिन्न इलाकों में पहुंचे और घर-घर जाकर छठ व्रतियों को पूजन सामग्री भेंट की। सामग्री वितरण के दौरान विधायक राज सिन्हा ने कहा कि लोक आस्था का यह महापर्व शुद्धता, अनुशासन और अटूट विश्वास का प्रतीक है। हर वर्ष की भांति इस बार भी उनकी ओर से छठ व्रतियों की सेवा के उद्देश्य से यह प्रयास किया गया है, ताकि हर परिवार हर्षोल्लास के साथ यह पर्व मना सके। उन्होंने यह भी बताया कि छठ घाटों की साफ-सफाई और सुरक्षा को लेकर प्रशासनिक और स्थानीय स्तर पर कार्य अंतिम चरण में हैं, और सभी घाटों को दुरुस्त किया जा रहा है।

भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील

दौरे के दौरान विधायक ने धनबाद के समस्त वासियों को छठ महापर्व की आत्मीय शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सभी से आपसी सहयोग, प्रेम और भाईचारे के साथ इस पावन पर्व को मनाने की अपील की। साथ ही, जगत के पालनहार भगवान सूर्य और छठी मैया से प्रार्थना की कि वे सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और आरोग्यता बनाए रखें।

छठ महापर्व को लेकर धनबाद का पुराना बाजार सजकर तैयार, सूप और डाले की खरीदारी हुई तेज, महंगाई के बावजूद लोगों के उत्साह में कोई कमी नहीं

शुक्रवार 'नहाय-खाय' के साथ शुरू होगा लोक आस्था का महापर्व, बाजारों में उमड़ी खरीदारों की भीड़

रफ्तार मीडिया संवाददाता



धनबाद : लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर धनबाद का पुराना बाजार पूरी तरह सजकर तैयार हो चुका है। बाजारों में छठ पूजा की भव्य रौनक और चहल-पहल साफ देखने को मिल रही है। पर्व की शुरूआत से ठीक पहले व्रती और उनके परिजन पूजन सामग्री, विशेषकर बांस से बने सूप और डाले की खरीदारी में जुट गए हैं। दुकानों पर गुरुवार सुबह से ही खरीदारों की भारी भीड़ उमड़ रही थी। शुक्रवार को 'नहाय-खाय' के साथ चार दिवसीय महापर्व की शुरूआत होने जा रही है, जिसके मद्देनजर बाजारों में खरीदारी तेज हो गई है। पुराना बाजार में बांस के सूप और डाले की दर्जनों दुकानें सज चुकी हैं। हालांकि, इस बार महंगाई का असर पूजा सामग्री पर भी साफ नजर आ रहा है। दुकानदारों के अनुसार, पिछले साल के मुकाबले इस बार सूप और डाले की कीमतों में करीब 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। बाजार में सूप की कीमत 80 रुपये से लेकर 200 रुपये तक चल रही है, जो पिछले साल के मुकाबले 20 से 30 रुपये तक महंगी है। कीमतों में हुई इस हल्की बढ़ोतरी के बावजूद छठी मईया की आराधना को लेकर लोगों के उत्साह और उमंग में कोई कमी नहीं आई है। व्रती अपनी श्रद्धा, जरूरत और बजट के अनुसार बढ़-चढ़कर खरीदारी कर रहे हैं। बाजारों में फलों, पूजन सामग्रियों और सूप-डाले की दुकानों पर दिनभर ग्राहकों का तांता लगा रहा। जैसे-जैसे पर्व के दिन नजदीक आ रहे हैं, बाजारों की रौनक और अधिक बढ़ती जा रही है। हर तरफ छठी मैया के गीतों और उल्लास का माहौल है, जिससे पूरा जिला छठमय हो गया है। दुकानदारों का ने बताया कि छठ पर्व के लिए सूप और डाले की मांग बढ़ गई है। बांस और मजदूरी महंगी होने के कारण इस बार थोड़े दाम बढ़े हैं, लेकिन ग्राहकों की आस्था के आगे महंगाई का असर नहीं दिख रहा है और लोग उत्साह के साथ खरीदारी कर रहे हैं। छठ व्रती/खरीदारो का कहना है महंगाई थोड़ी जरूर बढ़ी है, लेकिन लोक आस्था के इस महापर्व के लिए खरीदारी करना जरूरी है। हम पूरी श्रद्धा के साथ पर्व की तैयारियों में जुटे हैं।

समाचार सार

सदर अस्पताल के औचक निरीक्षण में स्वास्थ्य मंत्री सख्त, दो अधिकारियों का एक दिन का वेतन काटने का निर्देश



जामताड़ा (रफ्तार मीडिया संवाददाता)। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने जामताड़ा सदर अस्पताल का अचानक औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्था का जायजा लिया। मंत्री के अचानक अस्पताल पहुंचने से स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान दो पदाधिकारी अपने कार्यालय से अनुपस्थित पाए गए। इस पर मंत्री ने कड़ी नाराजगी जताते हुए दोनों को शो-कॉज नोटिस जारी करने और एक दिन का वेतन काटने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों, चिकित्सा सुविधाओं और साफ-सफाई की व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने इलाजरत मरीजों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याओं और उपचार की स्थिति की जानकारी ली। साथ ही डॉक्टरों का ड्यूटी रोस्टर भी जांचा। उन्होंने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को पूरी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ मरीजों का इलाज करने का निर्देश दिया। मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा बेहद संवेदनशील क्षेत्र है। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने चिकित्सकों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि डॉक्टर पूरी ईमानदारी से मरीजों की सेवा करें, उनकी सुरक्षा और सम्मान की जिम्मेदारी सरकार की है। डॉ. अंसारी ने कहा कि जामताड़ा में जल्द ही अतिरिक्त डॉक्टरों और विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति की जाएगी, ताकि मरीजों को बेहतर इलाज के लिए दूसरे शहरों का रुख नहीं करना पड़े। अस्पताल में अनुशासन और सुरक्षा को लेकर मंत्री ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक मरीज के साथ केवल एक अटेंडेंट को ही प्रवेश की अनुमति मिलेगी। अस्पताल में झंडा और लाठी लेकर आने तथा राजनीतिक गतिविधियां चलाने वालों पर रोक लगाई जाएगी। उन्होंने कहा कि अस्पताल मरीजों के इलाज का स्थान है, राजनीति का अखाड़ा नहीं। मरीजों के इलाज में किसी भी तरह की बाधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी।मंत्री ने पूर्व में नौ डॉक्टरों की पदस्थापना और कथित राजनीतिक हंगामे के कारण उनके अस्पताल छोड़ने का भी आरोप लगाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि जामताड़ा की स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर बनाना सरकार की प्राथमिकता है।

भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पर भाजपा चलाएगी आठ दिवसीय जनजातीय गौरव अभियान



गोड्डा (रफ्तार मीडिया संवाददाता): धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी देशभर में 11 से 18 नवंबर तक जनजातीय गौरव सप्ताह मनाएगी। इस अभियान के तहत जनजातीय बहुल जिलों और विधानसभा क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी क्रम में गुरुवार को महागामा नगर पंचायत अध्यक्ष प्रबोध सोरेन ने ऊर्जानगर स्थित अपने आवासीय कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अभियान की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति, परंपरा और स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने का प्रयास किया जा रहा है।उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा के उलगुलान आंदोलन और जल, जंगल, जमीन की रक्षा के लिए उनके संघर्ष को याद करते हुए कहा कि उनका जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने तिलका मांझी, सिद्धो-कान्हू, फूलो-झानो सहित अन्य जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान का भी उल्लेख किया।प्रबोध सोरेन ने जनजातीय कार्य मंत्रालय के बजट में वृद्धि, पीएम जनमन योजना, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान और एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों को केंद्र सरकार की प्रमुख उपलब्धियां बताया। उन्होंने बताया कि 14 नवंबर को जनजातीय महापुरुषों के स्मारकों पर स्वच्छता एवं दीपोत्सव, 15 नवंबर को बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि तथा 16 से 18 नवंबर तक युवा संवाद,शोभायात्रा, सांस्कृतिक कार्यक्रम और स्वाभिमान सम्मेलन आयोजित होंगे।उन्होंने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जनजातीय समाज की पहचान, संस्कृति, भाषा और अधिकारों के संरक्षण के साथ उनके गौरवशाली इतिहास को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है।

15 नवंबर को धूमधाम से मनेगा जनजातीय गौरव दिवस, भाजपा ने की तैयारी



जामताड़ा (रफ्तार मीडिया संवाददाता)। जनजातीय गौरव दिवस को भव्य रूप से मनाने की तैयारी को लेकर गुरुवार को बूधूडीह स्थित भाजपा जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष सुमित शरण की अध्यक्षता में प्रेस वार्ता आयोजित की गई। प्रेस वार्ता में मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व विधायक एवं पूर्व लोकसभा प्रत्याशी सीता सोरेन शामिल हुईं। पार्टी कार्यकताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान सीता सोरेन ने कहा कि 15 नवंबर को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2021 में इस पावन दिवस को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया था। भाजपा प्रत्येक वर्ष इस दिवस को उत्साह के साथ मनाती है। इस वर्ष भी राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के निर्देश पर देशभर के जनजातीय जिलों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जामताड़ा में भी 15 नवंबर को भव्य आयोजन होगा। आदिवासी स्कूलों और छात्रावासों में युवा संवाद कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। वही कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल में आदिवासी क्षेत्रों में विकास की गति धीमी थी। वहीं, मोदी सरकार जनजातीय समाज के उत्थान के लिए नई योजनाएं और नीतियां बना रही है। उन्होंने निशा भगत प्रकरण का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा ने पूरे प्रदेश में कैंडल मार्च और मशाल जुलूस निकालकर सीबीआई जांच की मांग उठाई है, लेकिन राज्य सरकार अब तक केवल आश्वासन दे रही है। सीता सोरेन ने स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी पर भी निशाना साधते हुए राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री के बुलाने पर भी एंबुलेंस उपलब्ध नहीं होना व्यवस्था की गंभीर स्थिति को दशार्ता है। जिलाध्यक्ष सुमित शरण ने कहा कि भाजपा इस वर्ष भी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस धूमधाम से मनाएगी। अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में झारखंड अलग राज्य बना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनजातीय गौरव दिवस की शुरूआत कर आदिवासी समाज को सम्मान दिया। मौके पर कमलेश मंडल, मनीष दुबे, अबीता हांसदा, उत्तम हेंब्रम, मंगल सोरेन, मोहन शर्मा, किरण बेसरा, आभा आर्या, प्रदीप राउत एवं निर्मल सोरेन सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त ख़बरें

छठ को लेकर गोंदली पोखर बाजार में उमड़ी भीड़, सूप-दउरा की बढ़ी मांग



◈ बांस के सूप-दउरा और पूजन सामग्री से सजा बाजार, खरीदारी में जुटे लोग

रफ्तार मीडिया संवाददाता- बबलु मुश्ताक ..

अनगड़ा : लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर गोंदली पोखर बाजार में रौनक बढ़ गई है। पर्व नजदीक आते ही बाजार में खरीदारों की भीड़ उमड़ने लगी है। छठ पूजा में इस्तेमाल होने वाले बांस के सूप, दउरा, टोकरी, फल-फूल और पूजन सामग्री की दुकानों पर सुबह से ही लोगों की आवाजाही देखी जा रही है। महिलाएं और पुरुष पूरे उत्साह के साथ पूजा की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। गोंदली पोखर बाजार छठ पूजा की खरीदारी के लिए आसपास के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लोगों का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। यहां अनगड़ा समेत आसपास के विभिन्न इलाकों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचकर सूप-दउरा, पूजन सामग्री और अन्य जरूरी सामान खरीद रहे हैं। बाजार में बांस से बने पारंपरिक सामानों की विशेष मांग है। दुकानदारों को भी पर्व के अवसर पर अच्छी बिक्री की उम्मीद है। छठ महापर्व में बांस से निर्मित सूप और दउरा का विशेष धार्मिक एवं पारंपरिक महत्व है। व्रती महिलाएं इन्हीं सूप-दउरा में फल, ठेकुआ और अन्य प्रसाद सजाकर अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करती हैं। यही वजह है कि छठ की तैयारियों में इनकी खरीदारी को सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। छठ महापर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आस्था, पवित्रता, अनुशासन, लोक संस्कृति और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। इस पर्व में स्वच्छता, सादगी और पारंपरिक रीति-रिवाजों का विशेष ध्यान रखा जाता है। गोंदली पोखर बाजार की रौनक बता रही है कि श्रद्धालु पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ भगवान सूर्य और छठी मैया की आराधना की तैयारी में जुट गए हैं।

खिजरी में सोहराई जतरा के दौरान श्रद्धांजलि सभा, हजारों लोगों ने कैंडल जलाकर रखा दो मिनट का मौन



नामकुम : खिजरी में आयोजित सोहराई जतरा के दौरान झारखंड की बेटी एवं जल, जंगल, जमीन तथा आदिवासी-मूलवासी के हक और अधिकारों की आवाज उठाने वाली दिवंगत निशा कुमारी भगत को श्रद्धांजलि दी गई। भाजपा खिजरी मंडल अध्यक्ष समीर राय की अध्यक्षता एवं प्रदेश प्रवक्ता आरती कुजूर के मार्गदर्शन में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं और हजारों स्थानीय लोगों ने भाग लिया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने निशा भगत के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इसके बाद हजारों लोगों ने कैंडल और मोबाइल की रोशनी जलाकर दो मिनट का मौन रखा तथा दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। सभा में वक्ताओं ने कहा कि निशा भगत झारखंड की ऐसी बेटी थीं, जिन्होंने जल, जंगल, जमीन और आदिवासी-मूलवासी समाज के हक एवं अधिकारों के लिए आवाज बुलंद की। उनका निधन समाज के लिए अपूरणीय क्षति है।श्रद्धांजलि सभा में मौजूद लोगों ने एक स्वर में निशा भगत के मामले में दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। लोगों ने कहा कि उन्हें न्याय दिलाना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रमोद सिंह, गोपाल चौधरी, मुखिया कर्मेला कच्छप, प्रकाश लकड़ा, सुबोध सिंह, मुन्ना बड़ाइक, राम अवतार करकट्टा, राजीव रंजन सिंह, विकास सिंह, धीरज सिंह और अमूल लकड़ा सहित सोहराई जतरा समिति के सदस्य, माताएं-बहनें एवं हजारों स्थानीय लोग उपस्थित थे।

मैथन में 43वें अखिल घाटी बैडमिंटन टूर्नामेंट का भव्य आगाज, आठ परियोजनाओं के खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम



मैथन। दामोदर घाटी निगम (डीवीसी), मैथन परियोजना के कल्याण केंद्र में बुधवार को 43वें अखिल घाटी बैडमिंटन टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ हुआ। केंद्रीय खेल परिषद के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में सीटीपीएस, केटीपीएस, एमटीपीएस, आरटीपीएस, कोलकाता, हजारीबाग, पंचेत और मैथन परियोजना की टीमों के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।कार्यक्रम का उद्घाटन डीवीसी मैथन के कार्यपालक निदेशक एवं परियोजना प्रधान सुबीर कुमार साहा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साह बढ़ाया और बैडमिंटन कोर्ट पर फर्स्ट सर्व कर प्रतियोगिता का विधिवत आगाज किया। खिलाड़ियों को निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा और खेल भावना की शपथ भी दिलाई गई।इस अवसर पर सुबीर कुमार साहा ने कहा कि खेल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के साथ अनुशासन, टीम भावना एवं आपसी सौहार्द को मजबूत करते हैं।

गांव-गांव बैंकिंग सेवाओं का विस्तार और महिलाओं-युवाओं को वित्तीय अवसर देना सरकार की प्राथमिकता : दीपिका पांडेय सिंह

वरिय संवाददाता
शंकर ठाकुर



झारखंड सरकार की ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य एवं पंचायती राज मंत्री श्रीमती दीपिका पांडेय सिंह ने झारखंड मंत्रालय में वित्त मंत्री श्री राधा कृष्ण किशोर की अध्यक्षता में आयोजित राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति–झारखंड की 97वीं त्रैमासिक बैठक में सहभागिता की। बैठक में उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं के विस्तार, डिजिटल पंचायत, स्वयं सहायता समूहों के क्रेडिट लिंकेज और ग्रामीण महिलाओं एवं युवाओं को वित्तीय अवसर उपलब्ध कराने से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर अपने सुझाव साझा किया ।

श्रीमती दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि ग्रामीण विकास की योजनाओं का वास्तविक और व्यापक प्रभाव तभी सुनिश्चित किया जा सकता है, जब बैंकिंग सेवाओं की पहुंच गांव-गांव तक हो। उन्होंने विशेष रूप से सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में बैंक शाखाओं एवं एटीएम की संख्या बढ़ाने तथा ग्रामीण नागरिकों को सुगम बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि पंचायती राज विभाग द्वारा पंचायत भवनों को डिजिटल सुविधाओं से सुसज्जित करने के उद्देश्य से 'डिजिटल पंचायत' की पहल की गई है। इस पहल के माध्यम से CSC के सहयोग से ग्रामीण नागरिकों को पंचायत भवन में ही विभिन्न नागरिक एवं डिजिटल सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि डिजिटल पंचायत के प्रथम चरण में 673 पंचायतों को चिन्हित किया गया था, जिसमें से 335 स्थानों को बैंकों द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई है। वहीं, द्वितीय चरण में चयनित 1,848 स्थानों में से 571 स्थानों को बैंकों द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई है। मंत्री ने कहा कि पंचायतों को डिजिटल और वित्तीय सेवाओं से जोड़ने से ग्रामीण नागरिकों को अब दूर-दराज के क्षेत्रों में जाने की आवश्यकता कम होगी और पंचायत भवन ग्रामीण स्तर पर सेवा वितरण के प्रभावी केंद्र के रूप में विकसित होंगे। बैठक में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी 32 लाख से अधिक ग्रामीण महिलाओं का उल्लेख करते हुए ग्रामीण विकास मंत्री ने कहा कि इन महिलाओं ने बेहतर वित्तीय अनुशासन और क्रेडिट रिकॉर्ड के माध्यम से अपनी वित्तीय क्षमता साबित की है। उन्होंने कहा कि ऐसी महिलाओं को Bank Sakhi/BC के रूप में अधिक अवसर उपलब्ध कराने तथा स्वयं सहायता समूहों के क्रेडिट लिंकेज को और मजबूत करने की आवश्यकता है। इससे न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं की पहुंच बढ़ेगी, बल्कि महिलाएं स्वयं भी वित्तीय सेवाओं के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए आर्थिक रूप से सशक्त बनेंगी। दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि विभाग का उद्देश्य 'नारी' योजना के माध्यम से ग्रामीण महिला उद्यमिता एवं ग्रामीण औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देना है। इसके लिए राज्य के प्रत्येक जिले में बैंकों के सहयोग से पायलट प्रोजेक्ट विकसित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि RSETI से प्रशिक्षित युवाओं को प्रशिक्षण के बाद समय पर बैंक ऋण उपलब्ध कराना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

बिरनी में निजी मेडिकल का चिकित्सा प्रभारी ने किया निरीक्षण

कई अनियमितताओं का लगाया आरोप

◈ डिग्रीधारी डॉक्टरों के नाम और नेम प्लेट लगाकर मरीजों से मनमानी वसूली का आरोप : डॉ. कुलदीप तिर्की

रफ्तार मीडिया संवाददाता



बिरनी/गिरिडीह। बिरनी प्रखंड के पलौंजिया में गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बिरनी के चिकित्सा प्रभारी पदाधिकारी डॉ. कुलदीप तिर्की ने एक निजी मेडिकल का निरीक्षण किया। इस दौरान सीएचसी से महज 200 मीटर की दूरी पर स्थित आशीष मेडिकल में कई अनियमितताएं मिलने का आरोप लगाया गया।

चिकित्सा प्रभारी डॉ. कुलदीप तिर्की ने बताया कि आशीष मेडिकल में संचालक आशीष मोदी के पिता मुरलीधर मोदी बैठते हैं। आरोप है कि मेडिकल में एमबीबीएस और एमडी डिग्रीधारी डॉक्टरों के नाम वाले नेम प्लेट एवं होर्डिंग लगाकर मरीजों को भ्रमित किया जाता है। उन्होंने कहा कि मेडिकल में मुरलीधर मोदी द्वारा मरीजों की जांच, इंजेक्शन और दवाइयां देने के साथ निजी तौर पर इलाज भी किया जाता है, जबकि उनके पास चिकित्सकीय डिग्री नहीं है। डॉ. तिर्की ने सीएचसी बिरनी के पूर्व चिकित्सक डॉ. शेख मोहम्मद ताजुद्दीन पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने बताया कि डॉ. ताजुद्दीन का करीब एक वर्ष पूर्व सिमडेगा जिले के बानो में स्थानांतरण किया गया था, लेकिन आरोप है कि वे वहां सप्ताह में केवल दो दिन ड्यूटी करते हैं और शेष दिनों में बिरनी स्थित आशीष मेडिकल में निजी प्रैक्टिस करते हैं। चिकित्सा प्रभारी ने डॉ. ताजुद्दीन की डिग्री और नेम प्लेट पर भी सवाल उठाए। उनका आरोप है कि डॉ. ताजुद्दीन के पास एमबीबीएस की डिग्री है, जबकि नेम प्लेट पर एमडी एवं शिशु रोग विशेषज्ञ लिखा हुआ है। उन्होंने बताया कि डॉ. ताजुद्दीन द्वारा मरीजों के इलाज से संबंधित पर्चियां भी प्राप्त हुई हैं। इस मामले में सिविल सर्जन से शिकायत कर संबंधित चिकित्सक एवं मेडिकल में कथित रूप से निजी प्रैक्टिस करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है।

नमन इंटरनेशनल स्कूल रेम्बा में भव्य रुद्राभिषेक समारोह आयोजित

◈ पूर्व विधायक जयप्रकाश वर्मा सहित कई गणमान्य अतिथि हुए शामिल

रफ्तार संवाददाता
पवन कुमार राम



रेम्बा गिरिडीह। नमन इंटरनेशनल स्कूल, रेम्बा (जमुआ) के प्रांगण में बुधवार, 11 नवंबर 2026 को श्रद्धा एवं भक्तिमय वातावरण में भव्य रुद्राभिषेक समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भगवान भोलेनाथ का विधिवत पूजन एवं रुद्राभिषेक किया गया। पूरा विद्यालय परिसर हर-हर महादेव के जयघोष से भक्तिमय हो उठा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गांडेय के पूर्व विधायक जयप्रकाश वर्मा शामिल हुए। इस दौरान विद्यालय के निदेशक दीनदयाल वर्मा, डॉ. रणधीर कुमार वर्मा, गंगाधर कुमार वर्मा, आशीष कुमार द्विवेदी पंचायत समिति सदस्य राजेश कुमार वर्मा, सेवानिवृत्त शिक्षक एवं गुरुजी दिनेश्वर प्रसाद वर्मा, रामकिशुन वर्मा, विकास कुमार वर्मा, रीतलाल वर्मा, सुधीर सिन्हा, आशीष कुमार विजय चौरसिया अजय द्विवेदी छत्रपति पंडित सहित कई गणमान्य लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

इस धार्मिक आयोजन के साथ सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया, जिसमें अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया। विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षिकाएं भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। सभी ने भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र, समाज एवं विद्यालय परिवार की सुख-समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर पूर्व विधायक जयप्रकाश वर्मा ने विद्यालय परिसर में आयोजित रुद्राभिषेक पूजन में शामिल होकर अपनी श्रद्धा व्यक्त की। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने विद्यालय प्रबंधन की इस पहल की सराहना की।

विद्यालय परिवार की ओर से सभी अतिथियों, अभिभावकों एवं श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया। पूरे आयोजन में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा।

कपाली के डेमडूबी में विधायक सविता महतो ने किया शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर का उद्घाटन

◈ 36 लाख रुपये की लागत से हुआ निर्माण, मरीजों को मिलेगी निःशुल्क जांच और दवाइयों की सुविधा

बिद्युत महतो / रफ्तार मीडिया संवाददाता, ईचागढ़



कपाली नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या-1 अंतर्गत डेमडूबी स्थित अंसार नगर में गुरुवार को शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर का उद्घाटन विधायक सविता महतो, कपाली नगर परिषद अध्यक्ष परवेज आलम एवं उपाध्यक्ष सावान उर्फ सिंटू ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस मौके पर विधायक सविता महतो ने कहा कि करीब 36 लाख रुपये की लागत से इस स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण कराया गया है। कपाली नगर परिषद क्षेत्र में यह दूसरा आयुष्मान आरोग्य मंदिर है। इसके शुरू होने से स्थानीय लोगों को घर के नजदीक प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। केंद्र में मरीजों की आवश्यक स्वास्थ्य जांच के साथ निःशुल्क दवाइयां भी उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य केंद्र में एक चिकित्सक एवं एक एएनएम की तैनाती की जाएगी। केंद्र का संचालन प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक होगा।

सोनाहातु प्रखंड क्षेत्र के गलऊपंचायत के सारयाद रंगाडीह गांव में सात बिजली के खंभों से तार की चोरी, ग्रामीणों में आक्रोश

रफ्तार मीडिया संवाददाता



सोनाहातु : सोनाहातु प्रखंड के गलऊ पंचायत के सारयाद रंगाडीह गांव में बीती रात चोरों ने सात बिजली के खंभों से सिंचाई के तार चोरी कर लिए। घटना के बाद पूरे गांव में हड़कंप मच गया है। खंभों से तार गायब होने से ग्रामीणों में चिंता और आक्रोश है।बताया जा रहा है कि रात के अंधेरे का फायदा उठाकर अज्ञात चोरों ने घटना को अंजाम दिया। सुबह ग्रामीणों को जानकारी मिली तो उन्होंने पंचायत समिति सदस्य रूप कुमार साहू को सूचना दी। सूचना मिलते ही साहू ने तत्काल सोनाहातु थाना से संपर्क किया। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है। ग्रामीणों के अनुसार यह पहली घटना नहीं है। बीते कुछ महीनों पहले भी अगल-बगल के गांवों में इसी तरह सिंचाई के तार की चोरी हुई थी।

उस समय प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए चोर को पकड़कर जेल भेजा था। इसके बाद कुछ समय तक चोरी पर अंकुश लगा था। अब फिर से चोरी होने से ग्रामीणों में असुरक्षा बढ़ गई है।सिंचाई के तार कट जाने से खेतों में पानी नहीं पहुंच पा रहा है, जिससे सब्जी की फसल प्रभावित होने की आशंका है। इस समय गांव में आलू, गोभी, टमाटर, बैंगन और अन्य सब्जियों की खेती हो रही है। समय पर पानी नहीं मिलने से सब्जियां सूखने लगी हैं। किसानों को भारी नुकसान की चिंता सता रही है। ग्रामीणों ने पुलिस से चोरों की जल्द गिरफ्तारी और चोरी हुए तार की बरामदगी की मांग की है।

छठ महापर्व को लेकर छतरपुर नगर पंचायत सक्रिय

सभी घाटों का अधिकारियों ने लिया जायजा

◈ साफ-सफाई, रोशनी, पेयजल और सुरक्षा व्यवस्था समय पर पूरी करने का दिया निर्देश, छठव्रतियों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने पर जोर

रफ्तार मीडिया संवाददाता छोटू कुमार



छतरपुर (पलामू)। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर छतरपुर नगर पंचायत ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। पर्व के दौरान छठव्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए गुरुवार को नगर पंचायत के जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की संयुक्त टीम ने शहरी क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान घाटों की मौजूदा स्थिति का जायजा लेते हुए आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता और कमियों की जानकारी ली गई।

निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई, बिजली एवं प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, चेंजिंग रूम, बैरिकेडिंग और श्रद्धालुओं के आवागमन से जुड़े इंतजामों की समीक्षा की गई। जिन घाटों पर व्यवस्था में कमी पाई गई, वहां संबंधित कर्मियों को तत्काल सुधार करने का निर्देश दिया गया। नगर अध्यक्ष अरविंद कुमार गुप्ता ने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि छठ पर्व शुरू होने से पहले सभी घाटों पर आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। छठव्रतियों की सुविधा, सुरक्षा और स्वच्छता नगर पंचायत की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि छठ आस्था और परंपरा से जुड़ा महापर्व है। ऐसे में श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना के दौरान किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने घाटों की सफाई के साथ जलस्तर, पर्याप्त रोशनी, सुरक्षित आवागमन और भीड़ नियंत्रण पर विशेष ध्यान देने को कहा। साथ ही सभी वार्ड पार्षदों को अपने-अपने क्षेत्र के घाटों की नियमित निगरानी करने का निर्देश दिया, ताकि समय रहते समस्याओं का समाधान किया जा सके।

नगर पंचायत उपाध्यक्ष मनजीत कुमार यादव ने कहा कि छठ पर्व को देखते हुए सभी वार्ड पार्षद अपने-अपने क्षेत्रों में तैयारियों पर नजर रखेंगे। सभी के आपसी सहयोग से समय पर व्यवस्थाएं पूरी कराई जाएंगी, जिससे श्रद्धालुओं को पूजा के दौरान बेहतर सुविधा मिल सके।

वहीं, कार्यपालक पदाधिकारी फैजूर रहमान अंसारी ने बताया कि नगर पंचायत की ओर से घाटों पर अस्थायी शौचालय, पेयजल टैंकर और नियमित कचरा उठाव की व्यवस्था की जाएगी। पर्व के दौरान कर्मचारियों की विशेष ड्यूटी लगाई जाएगी। सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन को लेकर पुलिस प्रशासन के साथ भी समन्वय स्थापित किया जाएगा।

निरीक्षण के दौरान वार्ड पार्षद मोहम्मद हसीमुद्दीन अंसारी (वार्ड 9), उमेश कुमार यादव (वार्ड 16), अब्दुल जलील अंसारी (वार्ड 6), पार्षद एवं प्रतिनिधि रवि राज, सेवक यादव, रॉकी कुमार, रामप्रसाद, धीरज कुमार, शिव कुमार तथा लेखापाल सूरज कुमार पासवान समेत नगर पंचायत के अन्य कर्मी उपस्थित रहे। नगर पंचायत की ओर से आम लोगों और श्रद्धालुओं से घाटों पर स्वच्छता बनाए रखने की अपील की गई। लोगों से प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने तथा पूजा सामग्री एवं कचरे को निर्धारित स्थानों पर डालने का आग्रह किया गया।

नगर पंचायत का लक्ष्य है कि छतरपुर के सभी छठ घाटों पर साफ-सफाई, रोशनी, पेयजल और सुरक्षा की समुचित व्यवस्था रहे, ताकि छठ महापर्व शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके।

संक्षिप्त ख़बरें

लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर तिसरी प्रखंड में तैयारियां जोर-शोर से शुरू



रंजन कुमार ,रफ्तार मीडिया

तिसरी/गिरिडीहः लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर तिसरी प्रखंड में तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। छठ पूजा को देखते हुए नवयुवक समिति के सदस्य छठ घाटों की साफ-सफाई में जुट गए हैं। घाटों और आसपास जमा कचरा, घास-फूस एवं गंदगी को हटाया जा रहा है।

नवयुवक समिति के सदस्य नितेश सिंह ने बताया कि इस वर्ष छठ घाट पर भगवान सूर्य की प्रतिमा स्थापित की जा रही है। साथ ही छठ व्रतियों द्वारा पूजा-अर्चना के बाद शाम करीब 7 बजे भव्य गंगा आरती का आयोजन किया जाएगा।

समिति के सदस्यों ने बताया कि बनारस की तर्ज पर तिसरी छठ घाट पर महापंडितों द्वारा भव्य गंगा आरती की जाएगी। इसके लिए विशेष तैयारियां की जा रही हैं। इस दौरान नवयुवक समिति के सदस्य उत्तरी एवं पूर्वी छठ घाटों की साफ-सफाई में जोर-शोर से लगे हुए हैं। दोनों घाटों पर आकर्षक लाइटिंग की व्यवस्था भी की जा रही है, ताकि छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। इस मौके पर विकास शर्मा,कुणाल सिंह,अजय शर्मा , देव कुमार,मनीष सिंह,अमर सिंह,नन्दन विश्वकर्मा आदि मौजूद थे।

रसनजोरी पंचायत मे बंद नल-जल योजना दुरुस्त कराने आगे आईं आजसू नेत्री प्रियंका शर्मा

राजु मंडल रफ्तार मीडिया, गांडेय

गांडेय प्रखंड के रसनजोरी पंचायत में ठप पड़ी नल-जल योजना को पुनर्जीवित करने के लिए आजसू नेत्री प्रियंका शर्मा ने ठोस पहल की है। उन्होंने रसनजोरी, पिपरासिंघा, कोरीडीह, भादवा कला, भादवा खुर्द और बोरोटांड गांवों का मुआयना कर खराब पड़ी जलापूर्ति व्यवस्था का जायजा लिया। प्रियंका शर्मा ने तत्काल पेय जल एवं स्वच्छता विभाग के एसडीओ से वार्ता कर विभागीय इंजीनियरों की टीम बुलाई और तकनीकी जांच कराई। जांचोपरांत खराब मशीनों को मरम्मत के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि अगले सप्ताह इंजीनियरों की दोबारा विजिट होगी और ग्रामीणों को शीघ्र शुद्ध जलापूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

छठ महापर्व पर सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर प्रशासन सख्तः लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाईः मंत्री डॉ. इरफान अंसारी

रफ्तार मीडिया संवाददाता



मिहिजामः छठ महापर्व के मद्देनजर झारखंड सरकार के स्वास्थ्य एवं आपदा प्रबंधन मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने जामताड़ा और मिहिजाम के विभिन्न छठ घाटों का औचक निरीक्षण कर साफ-सफाई, बैरिकेडिंग, रोशनी और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि हर श्रद्धालु की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। राज्य के सभी जिला उपायुक्तों (डीसी) को संवेदनशील और गहरे घाटों की पहचान कर वहां एनडीआरएफ, स्थानीय गोताखोरों और प्रशिक्षित तैराकों को तैनात करने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस बल, मजबूत बैरिकेडिंग और चेतावनी संकेत अनिवार्य किए गए हैं। स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त रखने के लिए सभी सिविल सर्जनों को मेडिकल टीमें, आवश्यक जीवनरक्षक दवाइयां और एंबुलेंस हर समय तैयार रखने का सख्त निर्देश दिया गया है, साथ ही डॉक्टरों की छुट्टियों की समीक्षा कर वैकल्पिक ड्यूटी रोस्टर बनाने को कहा गया है ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके। मंत्री की इस सख्त चेतावनी के बाद प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रहा है, जिससे व्रतियों और श्रद्धालुओं को सुरक्षित और शांतिपूर्ण माहौल में महापर्व संपन्न होने की पूरी उम्मीद है।

दर्दनाक सड़क हादसा : रूपनारायणपुर के पास तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से बाइक सवार उत्तम चौधरी की मौत

- परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

रफ्तार मीडिया संवाददाता



मिहिजाम : कुल्टी थाना क्षेत्र के चौरंगी फांड़ी अंतर्गत सबनपुर के बाबना मोड़ के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुए एक भीषण सड़क हादसे में पश्चिम बंगाल के चितलडांगा निवासी उत्तम चौधरी 35 की मौत हो गई। घटना उस समय घटी जब वह धुंधाबाद साइडिंग में काम खत्म कर बाइक से घर लौट रहे थे, तभी झारखंड की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल अवस्था में पुलिस उन्हें अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक अपने पीछे पत्नी और बच्चों समेत भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए उन्होंने घर में प्लेट-कटोरी बनाने की मशीन भी लगा रखी थी, लेकिन इस अचानक हुए हादसे ने पूरे परिवार को गहरे आर्थिक संकट और अथाह दुख में धकेल दिया है। इस घटना से इलाके में शोक की लहर है और स्थानीय लोगों ने प्रशासन से राजमार्ग पर यातायात नियंत्रण व सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है।

जनसेवा की मिसाल: पार्षद किरण देवी ने निजी खर्च से दुरुस्त कराए चापाकल

छठ से पहले चमकाया रामनगर तालाब

रफ्तार मीडिया संवाददाता



मिहिजाम : मिहिजाम नगर परिषद के वार्ड संख्या 15 की पार्षद किरण देवी ने नगर परिषद के सहयोग के बिना अपने निजी खर्च से जनहित के कार्यों को नई गति दी है। स्थानीय लोगों की पेयजल समस्या को दूर करने के लिए उन्होंने लंबे समय से जर्जर होकर जमीन में धंस चुके दो खराब चापाकलों का नए सिरे से निर्माण करवाया। इसके साथ ही, लोक आस्था के महापर्व छठ के मद्देनजर रामनगर तालाब परिसर की व्यापक साफ-सफाई, चूना छिड़काव, रंगाई-पुताई और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था भी निजी स्तर पर कराई गई। पार्षद प्रतिनिधि रंजीत ठाकुर ने इसे जनसेवा के प्रति समर्पण बताया। वहीं, पार्षद किरण देवी ने संकल्प दोहराया कि उनका लक्ष्य मिहिजाम के सभी 20 वार्डों में वार्ड-15 को बुनियादी सुविधाओं, स्वच्छता और विकास के मामले में ऐसा आदर्श वार्ड बनाना है, जो पूरे जामताड़ा जिले में एक मिसाल कायम करे।

हजारीबाग के पुलिस जवान की गिरिडीह में हुई संदिग्ध मौत, हड़कंप

रफ्तार मीडिया संवाददाता



गिरिडीह। हजारीबाग जिला पुलिस बल में तैनात 45 वर्षीय पुलिस जवान आनंद कुमार की गुरुवार को गिरिडीह में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। जवान की मौत की खबर मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना पर गिरिडीह पुलिस के कई जवान उनके पैतृक गांव पहुंचे। वहीं, बेंगाबाद थाना पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मृतक आनंद कुमार मूल रूप से गिरिडीह जिले के बेंगाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत बैरगी गांव के रहने वाले थे। वह हजारीबाग जिला पुलिस बल में कार्यरत थे और इन दिनों अवकाश लेकर अपने घर गिरिडीह आए हुए थे। इसी दौरान गुरुवार को अचानक उनकी मौत हो गई। उनकी असामयिक मौत से परिजनों और गांव में शोक का माहौल है। मृतक के बड़े भाई, जो जायका रेस्टोरेंट के बिजनेस पार्टनर बताए जाते हैं, के अनुसार गुरुवार की सुबह आनंद कुमार का ब्लड प्रेशर अचानक काफी बढ़ गया था। इसी वजह से उनकी मौत होने की बात कही जा रही है। हालांकि, घटना को लेकर इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं भी हो रही हैं। कुछ लोगों के बीच यह चर्चा है कि आनंद कुमार ने किसी कारणवश जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। हालांकि, जहर खाने या आत्महत्या किए जाने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस जवान की संदिग्ध मौत की सूचना मिलते ही गिरिडीह पुलिस के कई जवान बैरगी गांव पहुंचे। बेंगाबाद थाना पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल भेज दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस पूरे मामले में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस की जांच पूरी होने के बाद ही मौत की असली वजह सामने आ पाएगी।

ड्राइवरों के आंदोलन से थमी रफ्तार, ट्रक और ऑटो का परिचालन बंद

आम जनजीवन पर पड़ा असर

रफ्तार मीडिया संवाददाता



गिरिडीह। जिले में ड्राइवरों का 'स्टेरिंग छोड़ो' आंदोलन के तहत गुरुवार को ड्राइवर संघ के आह्वान पर जिले के खोरीमहुआ, गावां और डुमरी सहित कई क्षेत्रों में ट्रकों और ऑटो रिक्शा का परिचालन प्रभावित रहा। सड़कों पर वाहनों की आवाजाही कम होने से परिवहन व्यवस्था पर असर पड़ने लगा है। इसका सीधा असर आम लोगों की दिनचर्या पर पड़ रहा है। खासकर स्कूली विद्यार्थियों, कामकाजी लोगों और जरूरी कार्यों से घरों से निकलने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आंदोलन के समर्थन में अखिल भारतीय ड्राइवर जॉइंट कमेटी के आह्वान पर जिला ड्राइवर महासंघ के सदस्य बस स्टैंड रोड स्थित संघ के प्रधान कार्यालय में जुटे। यहां ड्राइवरों ने अपनी मांगों के समर्थन में प्रदर्शन किया और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जब तक उनकी समस्याओं पर गंभीरता से विचार नहीं किया जाएगा, तब तक उनके अधिकारों की लड़ाई जारी रहेगी। ड्राइवर महासंघ की सबसे प्रमुख मांग ड्राइवर आयोग का गठन करना है। संघ के सदस्यों का कहना है कि ड्राइवरों को रोजाना कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसके बावजूद उनकी सुरक्षा, सामाजिक स्थिति, आर्थिक हितों और कार्यक्षेत्र से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए कोई ठोस व्यवस्था नहीं है। ऐसे में ड्राइवरों के हितों की रक्षा और उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए अलग आयोग का गठन जरूरी है। इसी के विरोध में देशव्यापी आंदोलन के समर्थन में 'स्टेरिंग छोड़ो' अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने सरकार से मांग की कि ड्राइवरों की समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय लिया जाए और उनके भविष्य एवं कल्याण के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। इधर, ट्रकों का परिचालन प्रभावित होने से माल ढुलाई व्यवस्था पर भी असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है। वहीं, ऑटो सेवाएं बाधित होने से स्थानीय स्तर पर लोगों की आवाजाही मुश्किल हो गई है। यदि आंदोलन लंबा खिंचता है तो इसका असर जिले की परिवहन व्यवस्था के साथ-साथ व्यापारिक गतिविधियों पर भी पड़ सकता है। इस दौरान जिला कार्यकारी अध्यक्ष विनोद मंडल, उपाध्यक्ष प्रदीप तांती, जाहिद खान, कोसर आलम, मीडिया प्रभारी मूसेब अंसारी, सद्दाम हुसैन, शिवम वर्मा, गोवर्धन राय, अजय यादव, संतोष मंडल समेत बड़ी संख्या में ड्राइवर संघ के सदस्य मौजूद थे।

महापौर प्रमिला मेहरा, उपमहापौर सुमित कुमार व झामुमो नेत्री श्वेता शर्मा ने विभिन्न घाटों का किया निरीक्षण

छठ महापर्व को लेकर नगर निगम रेस



रफ्तार मीडिया संवाददाता

गिरिडीह। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर गिरिडीह नगर निगम प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। पर्व के दौरान व्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए नगर निगम की ओर से घाटों पर बुनियादी सुविधाएं दुरुस्त करने की कवायद शुरू कर दी गई है। इसी कड़ी में गुरुवार को महापौर प्रमिला मेहरा ने उपमहापौर सुमित कुमार और दिवंगत मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू की पत्नी एवं झामुमो नेत्री श्वेता शर्मा के साथ शहर के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान दिवंगत मंत्री की पुत्री सृष्टि कुमारी भी उपस्थित रहीं। निरीक्षण के दौरान महापौर ने घाटों की मौजूदा स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने साफ-सफाई, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, आवागमन के रास्तों और यातायात प्रबंधन को प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त करने को कहा। महापौर ने स्पष्ट किया कि छठ के दौरान घाटों पर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं और व्रतियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। स्वच्छता के साथ सुरक्षा के इंतजाम भी पूरी तरह सुनिश्चित किए जाएं। महापौर ने प्रोफेसर कॉलोनी, आश्रम रोड, शास्त्री नगर और बनखन्जो समेत नगर निगम क्षेत्र के प्रमुख छठ घाटों का निरीक्षण किया। व्रतियों की सुविधा, श्रद्धालुओं की सुरक्षा और घाटों की स्वच्छता प्रशासन की पहली जिम्मेदारी है। वहीं, झामुमो नेत्री श्वेता शर्मा ने कहा कि महापौर और उपमहापौर के साथ लगातार विभिन्न छठ घाटों का जायजा लिया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान जो भी कमियां सामने आ रही हैं, उन्हें पर्व से पहले दूर कराने का प्रयास किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त विजय सिंह बिरूवा, सिटी मैनेजर मंजूर आलम, झामुमो जिला प्रवक्ता कृष्ण मुरारी शर्मा, महानगर अध्यक्ष राकेश कुमार रॉकी, अभय सिंह, रामजी यादव, गोपाल शर्मा, राकेश कुमार सिंह, गौरव विश्वकर्मा, सचिन शर्मा सहित कई अन्य लोग मौजूद थे।

नहाय-खाय के साथ आज से शुरू होगा तीन दिवसीय छठ महापर्व

- छठ घाटों पर उमड़ेगी श्रद्धालुओं की भीड़, बाजारों में बढ़ी रौनक, पूजा सामग्री की खरीदारी में जुटे व्रती

दीनबंधु राउत / रफ्तार मीडिया संवाददाता जामताड़ा।



लोक आस्था का महापर्व छठ शुक्रवार से नहाय-खाय के साथ जामताड़ा सहित पूरे जिले में श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ शुरू होगा। चार दिनों तक चलने वाले इस महापर्व को लेकर शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक उत्साह का माहौल है। छठ व्रती पर्व की तैयारियों में जुट गए हैं। घरों में साफ-सफाई और पूजा की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। वहीं बाजारों में भी छठ पूजा से संबंधित सामग्री की खरीदारी को लेकर काफी चहल-पहल देखी जा रही है।महापर्व के पहले दिन शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ व्रती स्नान कर शुद्धता और पवित्रता के साथ पूजा-अर्चना करेंगे। इस दिन अरवा चावल, चने की दाल और कद्दू की सब्जी का प्रसाद तैयार किया जाएगा। दूसरे दिन शनिवार को खरना होगा। इस दिन व्रती पूरे दिन उपवास रखने के बाद शाम को पूजा-अर्चना कर गुड़ की खीर और रोटी का प्रसाद ग्रहण करेंगे। इसके बाद 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू होगा। तीसरे दिन रविवार को व्रती अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगे। वहीं सोमवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ महापर्व का समापन होगा। पर्व को लेकर जामताड़ा के राजाबांध, सरकार बांध, एसडीओ तालाब, सूर्य मंदिर तालाब, सतसाल स्थित अजय नदी घाट सहित विभिन्न छठ घाटों पर तैयारियां की जा रही हैं। श्रद्धालु भगवान सूर्य और छठी मैया से परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य और खुशहाली की कामना करेंगे। पूरे जिले में भक्तिमय वातावरण बनने लगा है।

सात पड़हा सोहराई जतरा में उमड़ी ग्रामीणों की भीड़, आशुतोष तिवारी हुए शामिल

रफ्तार मीडिया संवाददाता



चान्हो। चान्हो प्रखंड के बरहे गांव में गुरुवार को सात पड़हा सोहराई जतरा का भव्य आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में अधिवक्ता सह जनसेवी एवं जिला परिषद सदस्य आशुतोष तिवारी शामिल हुए। मौके पर आशुतोष तिवारी ने कहा कि जतरा आदिवासी समाज की सांस्कृतिक पहचान, परंपरा और सामूहिक एकजुटता का प्रतीक है। ऐसे आयोजनों से आने वाली पीढ़ियों को अपनी संस्कृति, रीति-रिवाज और परंपराओं से जोड़कर रखने का संदेश मिलता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखने और ग्रामीणों की आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में ऐसे आयोजन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर पूर्व मुखिया शिव उरांव, लंकेश्वर उरांव, प्रधान, सोमरा पाहन, जितेंद्र उरांव, नीरज सिंह, अजय मिश्रा, अशोक गोप, सतार अंसारी, लेदा उरांव, अरविंद सिंह, दुखु उरांव, छोटू उरांव, जयचंद उरांव, करमचंद उरांव, देवेंद्र गोप सहित दस गांवों की खोड़हा मंडलियों के सदस्य, बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं स्थानीय लोग उपस्थित थे।

संपादकीय

किसान भाई! बुवाई से पहले इस बात का रखें ध्यान

अभिमत

देश में बुवाई की तैयारी कर रहे किसान के लिए उर्वरक सुरक्षा का मतलब है सही उत्पाद, सही समय पर और किफायती कीमत पर मिलना। इस आपूर्ति के पीछे की व्यवस्थाएं ही तय करती हैं कि उर्वरक खेत तक कितने भरोसे के साथ पहुंचता है। भारत में निवेश के अगले चरण में घरेलू मैन्युफैक्चरिंग के साथ-साथ इन व्यवस्थाओं को भी मजबूत करना होगा। अप्रैल-सितंबर 2026 के दौरान देश में डाई-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) का आयात करीब 34 लाख टन रहा, जबकि घरेलू उत्पादन करीब 20 लाख टन था। आयात में अनुमानतः सालाना आधार पर 11.2% की गिरावट आई, जबकि उत्पादन 0.3% घटा। ये अनुमानित आंकड़े सरकारी आंकड़ों में पिछली अवधि के संबंधित आंकड़ों और जारी प्रतिशत बदलाव के आधार पर निकाले गए हैं। ये आयात पर लगातार निर्भरता को दिखाते हैं। भारत ने उत्पादन, आयात, भंडार और समन्वित वितरण के जरिए आपूर्ति बनाए रखी है। 1 अप्रैल से 29 जुलाई 2026 तक के सरकारी आंकड़ों के मुताबिक डीएपी की उपलब्धता 43.03 लाख टन रही, जबकि आनुपातिक जरूरत 35.44 लाख टन थी। अंतरराष्ट्रीय खरीद से उत्पादन की कमी पूरी हो सकती है, लेकिन इससे खरीदार आपूर्तिकताओं की पाबंदियों, मुद्रा में उतार-चढ़ाव, माल-भाड़े की लागत और शिपिंग में देरी के जोखिम से घिरे रहते हैं। भारत को मजबूत घरेलू मैन्युफैक्चरिंग के साथ-साथ कई देशों के साथ रिश्तों की भी जरूरत है, ताकि रुकावट के समय आपूर्ति व्यवस्था के पास ज्यादा विकल्प हों। हालांकि, घरेलू उत्पादन का मतलब यह नहीं कि कच्चा माल भी देश से ही मिले। साल 2024-25 में आयात पर अनुमानित निर्भरता रॉक फॉस्फेट के लिए 86%, कॉम्प्लेक्स उर्वरकों में इस्तेमाल होने वाली अमोनिया के लिए 75%, जबकि सल्फर और फॉस्फोरिक एसिड, दोनों के लिए 52% थी। फॉस्फेटिक उर्वरक के उत्पादन की लागत और भरोसेमंद आपूर्ति के लिहाज से ये कच्चे माल अहम बने हुए हैं। नई क्षमता के लिए कच्चे माल की भरोसेमंद व्यवस्था जरूरी है। बैकवर्ड इंटीग्रेशन, अलग-अलग आपूर्तिकर्ता, लंबी अवधि के अनुबंध और भंडार से मजबूती आ सकती है। जहां गुणवत्ता, उपलब्धता और लागत के लिहाज से संभव हो, वहां भारतीय संसाधनों का विकास किया जाना चाहिए। विदेशी संसाधन साझेदारियां इन कोशिशों की पूरक हो सकती हैं। भारतीय कंपनियां क्षमता विस्तार और अहम कच्चे माल पर ज्यादा नियंत्रण के जरिए उर्वरक मैन्युफैक्चरिंग को मजबूत कर रही हैं। इस दिशा में खुद किसान भाइयों को भी सोचने और आगे बढ़ने की जरूरत से इनकार नहीं किया जा सकता है। यह भारत के लिए मौका है कि वह कच्चे माल की खरीद से लेकर बुवाई से पहले वितरण तक ज्यादा भरोसेमंद श्रृंखला तैयार करे। उत्पादन योजना, क्षेत्रीय भंडारण और वितरण को मिलकर काम करना होगा, ताकि समय पर आपूर्ति सुनिश्चित हो।



इतिहास

क्या-क्या हुआ

- मदन मोहन मालवीय का निधन (1946): महान स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद् और 'महामना' के नाम से प्रसिद्ध पंडित मदन मोहन मालवीय का निधन हुआ था, जिन्होंने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना की थी।
- महात्मा गांधी की एकमात्र रेडियो प्रस्तुति (1947): राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने पहली और आखिरी बार ऑल इंडिया रेडियो के दिल्ली स्टूडियो से विभाजन के बाद कुरुक्षेत्र शिविर में रह रहे शरणार्थियों को संबोधित किया था। इस दिन को अब भारत में 'लोक सेवा प्रसारण दिवस' के रूप में मनाया जाता है।
- सलीम अली का जन्म (1896): भारत के प्रसिद्ध प्रकृतिवादी और पक्षी विज्ञानी सलीम अली का जन्म हुआ था, जिन्हें 'बर्डमैन ऑफ इंडिया' कहा जाता है।
- इंदिरा गांधी का कांग्रेस से निष्कासन (1969): तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को अनुशासनहीनता के आरोप में कांग्रेस पार्टी के पुराने नेतृत्व (सिंडिकेट) द्वारा पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया गया था, जिससे कांग्रेस दो भागों में विभाजित हो गई।
- चरखी दादरी विमान हादसा (1996): हरियाणा के चरखी दादरी में सऊदी अरब एयरलाइंस और कजाकिस्तान एयरलाइंस के विमान हवा में आपस में टकरा गए थे, जिसमें सभी 349 यात्रियों की मौत हो गई थी। यह दुनिया के सबसे भीषण हवाई हादसों में से एक है।
- चंद्रशेखर सिंह का जन्म (1927): भारत के आठवें प्रधानमंत्री चंद्रशेखर सिंह का जन्म उत्तर प्रदेश के इब्राहिमपट्टी में हुआ था।
- अमजद खान का जन्म (1940): भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता अमजद खान का जन्म हुआ था, जो फिल्म 'शोले' में निभाए गए 'गब्बर सिंह' के कालजयी किरदार के लिए जाने जाते हैं।
- प्रथम विश्व युद्ध का समापन (1918): ऑस्ट्रिया-हंगेरियन साम्राज्य के पतन और ऑस्ट्रिया के एक गणराज्य बनने के साथ ही मध्य यूरोप में प्रथम विश्व युद्ध से जुड़ी राजनीतिक उथल-पुथल काफी हद तक शांत हुई थी।
- वाशिंगटन नौसेना सम्मेलन (1921): वाशिंगटन डीसी में नौसैनिक हथियारों की होड़ को रोकने के लिए एक ऐतिहासिक सम्मेलन की शुरूआत हुई थी, जिसमें नौ महाशक्तियों ने हिस्सा लिया था।

कविता

थोड़ा सा गुरूर भी जरूरी है...!

हर किसी के आगे झुकना अच्छा नहीं,
हर किसी को अपना कहना अच्छा नहीं।
बहुत देखे हैं बदलते चेहरे हमने,
हर चेहरे पर मर मिटना अच्छा नहीं।
हमने तो रिश्तों को दिल से निभाया,
लोगों ने उसे हमारी कमजोरी समझा।
जहाँ सच्चाई से हाथ बढ़ाया हमने,
वहीं किसी ने उसे मजबूरी समझा।
अब जो दिल से मिले, उसे दिल देंगे,
जो मतलब से मिले, उसे दूर कर देंगे।
हर चोट का हिसाब रखना जरूरी नहीं,
मगर खुद को फिर से बिखरने देंगे नहीं।
विनम्र रहेंगे, मगर इतने भी नहीं
कि कोई हमें रौंदकर चला जाए।
साफ दिल रहेंगे, मगर इतने भी नहीं
कि हर कोई हमें छलकर चला जाए।
झुकना हमारी फितरत है, कमजोरी नहीं,
खामोशी हमारी आदत है, मजबूरी नहीं।
दुनिया चाहे हमें गुरूर समझे,
अब आत्मसम्मान से बड़ा कोई दस्तूर नहीं।
थोड़ा सा गुरूर भी जरूरी है,
जीने के लिए ...
क्योंकि बहुत ज्यादा झुक जाओ,
तो दुनिया पीठ पर पायदान बना लेती है





सुभाष बुड़ावन वाला
लेखक

आस्था, प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण के बीच टूटते रिश्ते पर एक विचारणीय विमर्श



लेखक : मृत्युंजय कुमार मिश्र 'स्नेहिल'

लोक आस्था का महापर्व छठ दस्तक दे चुका है। घरों में तैयारियां जोरों पर हैं। कहीं गेहूँ धोकर सुखाया जा रहा है, तो कहीं ठेकुआ बनाने की तैयारी चल रही है। बाजारों में बाँस के सूप-दउरे, नारियल, केला, गन्ना, नींबू और अन्य पूजन सामग्रियों की रौनक दिखाई देने लगी है। घाटों की सफाई हो रही है। नदियों, तालाबों और जलाशयों के किनारे आस्था का संसार सजने लगा है। वास्तव में छठ केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति मनुष्य की कृतज्ञता, अनुशासन और सह-अस्तित्व का अनुपम महापर्व है।

इस पर्व की सबसे बड़ी विशेषता इसकी प्रकृति-सम्मत जीवनशैली है। पूजा में मुख्यतः बाँस, मिट्टी, फल, फूल, पत्ते और अन्य प्राकृतिक सामग्रियों का प्रयोग किया जाता है। प्लास्टिक और कृत्रिम सजावटी वस्तुओं के स्थान पर पारंपरिक प्राकृतिक वस्तुओं को प्राथमिकता दी जाती है। सूर्य, जल, वायु और पृथ्वी के प्रति श्रद्धा प्रकट करने वाला यह पर्व हमें स्मरण कराता है कि प्रकृति केवल हमारी आवश्यकता पूरी करने का साधन नहीं, बल्कि हमारे अस्तित्व का आधार है।

छठ की एक और विलक्षण विशेषता है—अस्ताचलगामी सूर्य की उपासना। संसार सामान्यतः उगते हुए सूर्य को प्रणाम करता है। सफलता, सामर्थ्य और वैभव के शिखर पर खड़े व्यक्ति का सम्मान करना सहज है, लेकिन छठ हमें डूबते हुए सूर्य के सामने भी उसी श्रद्धा से नतमस्तक होना सिखाता है, जिस श्रद्धा से हम उदीयमान सूर्य का अभिनंदन करते हैं। यह परंपरा जीवन का एक गहरा दर्शन प्रस्तुत करती है कि सम्मान केवल उपलब्धियों का मोहताज नहीं होना चाहिए। अस्त होना भी उतना ही स्वाभाविक है, जितना उदित होना। प्रकृति की प्रत्येक अवस्था का अपना महत्त्व और गरिमा है।

इस पर्व में स्वच्छता और पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जाता है। व्रती खान-पान से लेकर रहन-सहन तक कठोर अनुशासन का पालन करते हैं। घर से लेकर पूजा स्थल तक साफ-सफाई की जाती है। प्रसाद की शुद्धता का विशेष ध्यान रखा जाता है। जलाशयों और घाटों की सफाई के लिए सामूहिक प्रयास किए जाते हैं। ऐसा प्रतीत होता है मानो कुछ दिनों के लिए पूरा समाज प्रकृति के साथ अपने संबंधों को पुनः पहचानने लगता है।

लेकिन इस महापर्व के समापन के बाद एक प्रश्न हमारे सामने खड़ा हो जाता है—छठ के दौरान जिन स्वच्छता, संयम और पर्यावरणीय सावधानियों का हम इतनी निष्ठा से पालन करते हैं, क्या उन्हें अपने दैनिक जीवन में भी बनाए रखते हैं?

दुर्भाग्य से इसका उत्तर संतोषजनक नहीं है।

पूजा समाप्त होते ही हमारी जीवनशैली फिर पुराने ढर्रे पर लौट आती है। नदियों और तालाबों में कूड़ा फेंकना, प्लास्टिक का अनावश्यक प्रयोग करना, जल की बर्बादी करना, पेड़ों की कटाई और वायु को प्रदूषित करना हमारी दिनचर्या का हिस्सा बना रहता है। जिन जलाशयों को कुछ दिन पहले हम पवित्र मानकर उनकी सफाई में जुटे थे, उन्हीं में फिर गंदगी पहुंचने लगती है। जिन प्राकृतिक संसाधनों के प्रति हमने श्रद्धा प्रकट की थी, उनके संरक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता धीरे-धीरे कमजोर पड़ जाती है।

यहीं हमारी आस्था और आचरण के बीच का सबसे बड़ा विरोधाभास उजागर होता है।

क्या पवित्रता केवल पूजा के कुछ दिनों की आवश्यकता है? क्या स्वच्छता का संबंध केवल धार्मिक अनुष्ठानों से है? क्या प्रकृति हमारे लिए तभी पूजनीय है, जब हमें उससे कोई धार्मिक अथवा व्यक्तिगत लाभ प्राप्त करना हो? यदि ऐसा है, तो हमें अपनी आस्था की परिभाषा पर पुनर्विचार करना होगा।

प्रकृति किसी एक पर्व की प्रतीक्षा नहीं करती। उसे वर्ष के प्रत्येक दिन स्वच्छ जल, निर्मल वायु और सुरक्षित पर्यावरण चाहिए। नदियां केवल छठ के समय पवित्र नहीं होतीं। वृक्ष केवल किसी विशेष पर्व पर पूजनीय नहीं होते और सूर्य केवल अर्घ्य देने के समय जीवनदायी नहीं होता। प्रकृति का उपकार निरंतर है, इसलिए उसके प्रति हमारा दायित्व भी निरंतर होना चाहिए।

आज जलवायु परिवर्तन, बढ़ता वैश्विक तापमान, अनियमित वर्षा, ग्लेशियरों का पिघलना, जैव विविधता का क्षरण और वायु प्रदूषण पूरी मानवता के सामने गंभीर चुनौतियां बन चुके हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण पृथ्वी का औसत तापमान बढ़ रहा है। दूसरी ओर, ओजोन परत को नुकसान पहुंचाने वाले रसायनों पर नियंत्रण भी पर्यावरण संरक्षण की एक महत्त्वपूर्ण आवश्यकता है। इन समस्याओं का समाधान केवल सरकारी नीतियों अथवा वैज्ञानिक प्रयासों से संभव नहीं है। इसके लिए प्रत्येक नागरिक को अपनी जीवनशैली और व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाना होगा।

छठ पर्व से मिली सीख को हमें अपने जीवन का स्थायी संस्कार बनाना होगा। प्लास्टिक के स्थान पर कपड़े, कागज और अन्य पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपनाने होंगे। नदियों और तालाबों में कचरा, रासायनिक पदार्थ तथा गैर-जैव-अवक्रमणीय पूजन सामग्री डालने से बचना होगा। जल का विवेकपूर्ण उपयोग करना होगा। अधिकाधिक पौधे लगाने के साथ उनका संरक्षण भी करना होगा। ऊर्जा की बचत, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग और अनावश्यक उपभोग में कमी जैसे छोटे-छोटे प्रयास भी पर्यावरण संरक्षण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि हमें धर्म और पर्यावरण को एक-दूसरे का पूरक बनाकर देखना होगा। पूजा का अर्थ केवल दीप जलाना, मंत्र पढ़ना और अर्घ्य देना नहीं है। पूजा का वास्तविक अर्थ उस प्रकृति के प्रति कृतज्ञ होना भी है, जो हमारे जीवन को संभव बनाती है। यदि सूर्य की उपासना करने वाला व्यक्ति ऊर्जा की बर्बादी करता है, जल को अर्घ्य देने वाला व्यक्ति नदियों को प्रदूषित करता है और प्रकृति की आराधना करने वाला व्यक्ति पेड़ों की अंधाधुंध कटाई करता है, तो उसकी आस्था और व्यवहार के बीच का अंतर स्पष्ट दिखाई देता है।

आस्था का वास्तविक सौंदर्य कर्म में दिखाई देना चाहिए, आडंबर में नहीं। प्रकृति के प्रति श्रद्धा का प्रमाण हमारे शब्द नहीं, हमारा व्यवहार होना चाहिए।

छठ हमें केवल सूर्य को अर्घ्य देना नहीं सिखाता, बल्कि जीवन के प्रति कृतज्ञ होना भी सिखाता है। यह पर्व हमें बताता है कि प्रकृति के सामने मनुष्य कितना छोटा है और उसके संरक्षण के बिना उसका अस्तित्व कितना असुरक्षित है। इसलिए आवश्यकता इस बात की नहीं कि हम वर्ष में कुछ दिन प्रकृति को पवित्र मानें, बल्कि आवश्यकता इस बात की है कि हम पूरे वर्ष अपनी जीवनशैली को प्रकृति के अनुकूल बनाएं।

आइए, इस छठ पर हम केवल अपने घरों और घाटों की सफाई का संकल्प न लें, बल्कि अपने विचारों, आदतों और सामाजिक व्यवहार को भी स्वच्छ बनाने का प्रण करें। पूजा के बाद घाटों को गंदा न छोड़ें। नदियों को कूड़ेदान न बनाएं। जल, जंगल और जमीन के संरक्षण को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं।

क्योंकि प्रकृति की पूजा का सबसे बड़ा प्रमाण मंदिरों और घाटों पर चढ़ाए गए प्रसाद नहीं, बल्कि प्रकृति को सुरक्षित रखने के लिए किए गए हमारे सतत प्रयास हैं।

छठ की पवित्रता यदि हमारे जीवन में उतर जाए, तो हर दिन पर्व बन सकता है, हर नदी तीर्थ बन सकती है और पूरी पृथ्वी एक सुंदर, स्वच्छ एवं सुरक्षित आवास बन सकती है।

लोक विचार

श्रम, संकल्प, सहजता और विनम्रता जीवन के सच्चे सन्मार्ग हैं



संजीव ठाकुर

भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ अब्दुल कलाम राष्ट्रपति के सर्वोच्च पद पर बने रहने के पश्चात भी विद्यार्थियों के साथ रहा करते थे जो उनको महानतम बनाता है और इसी महानता के लिए उन्हें भारत का सर्वोच्च भारत रत्न की उपाधि दी गई थी। ज्ञानी व्यक्ति केवल सूचनाओं का केंद्र ही नहीं होता बल्कि ज्ञान उसे विनम्र और सद्गुणी बनाता है।

मनुष्य की सदैव चाहत होती है कि उसे लक्ष्य और सफलता जल्द से जल्द प्राप्त हो पर वस्तुतः ऐसा होता नहीं है, स्थाई सफलता के लिए कठोर श्रम, संकल्प, सहजता और विनम्रता सच्चे सन्मार्ग हैं। जल्दी का काम शैतान का होता है ऐसा कहावतें कहती है, लक्ष्य प्राप्ति के लिए जीवन में निरंतर श्रम सहजता सरलता और संघर्ष के साथ संयम का बड़ा योगदान होता है। प्रत्येक व्यक्ति जीवन में सफलता प्राप्त करना चाहता है वह जीवन के हर सोपान में अपने आप को उत्तम स्थिति में रखना चाहता है। किंतु जीवन की सफलता मनुष्य के संघर्ष और उसके आचरण में अंतर्निहित विनम्रता पर भी निर्भर करती हैं। मनुष्य यदि सब कुछ प्राप्त करके भी वह विनम्र नहीं है तो उसका जीवन अधूरा है। रावण बहुत बड़ा विद्वान और शास्त्रों का ज्ञाता था किंतु उसके जीवन में और उसके आचरण में विनम्रता ना होकर दंभ और अहंकार समाविष्ट था, अतः वह अपने अहम और विनम्रता विहीन जीवन के कारण प्रभु श्री राम के हाथों मारा गया। विनम्रता मनुष्य का वह गुण है जो मनुष्य के निजी जीवन में समाजीकरण की प्रक्रिया में उसके द्वारा आत्मसात किया जाता है।

मनुष्य मूलतः अहंकारी, स्वार्थी, लालची तथा पद प्राप्त करने वाला लोभी रूप होता है। किंतु धीरे-धीरे वह सामाजिक परिवेश में अपने आसपास के ज्ञानी ,साधु एवं सच्चे सद्गुणी नागरिकों के संपर्क में आकर अपने लोभ तथा लालच की अहंकारी गतिविधियों में सुधार लाकर सहिष्णु, सौहार्द, करुणा, सहयोग आदि गुणों को अपने में समाहित कर विनम्रता के सद्गुण को ग्रहण कर लेता है। विनम्रता सही मायने में सामाजिक अच्छाई की परिणति है। सद्गुण और विनम्रता महान लोगों के द्वारा ग्रहण किया हुआ वह अलंकार है जो उसे लोक तथा परलोक में सर्वमान्य रूप से स्थापित करता है। छोटा और तुच्छ व्यक्ति अपनी छोटी-छोटी गतिविधियों में रहकर अपने आप को सर्वशक्तिमान एवं सर्व ज्ञानी समझकर कुएं के मेंढक की तरह अधजल गगरी छलकत जावे की कहावत को सिद्ध करता है। महान तथा ज्ञानी



व्यक्ति के व्यक्तित्व में विनम्रता झलकती है वह उसे प्रदर्शित करने से परहेज करते हैं क्योंकि विनम्रता उनके संपूर्ण व्यक्तित्व में समाहित होती है। विनम्रता किसी भी सज्जन व्यक्ति की जीवन की शैली होती है। महान और विनम्र व्यक्ति की प्रशंसा करने पर भी वे उसे स्वीकार न कर किसी दूसरे व्यक्ति को इसका श्रेय देते हैं। और अज्ञानी और छोटी सोच के कारण व्यक्ति अपने मियां मिट्ठू बनने से नहीं अघाते हैं। ज्ञानी व्यक्ति अपनी उपलब्धि को समाज की बेहतरी के लिए उपयोग में लाता है, ना कि उसे केवल अपने अथवा अपने करीबी या परिवार के लिए ही सीमित नहीं रखता है।

विनम्र व्यक्ति सदा ज्ञान तथा सद्गुणों की खोज में रहता है एवं उसके जीवन में नई-नई उपलब्धियां अपने आप आने लगती हैं । जिस तरह फलदार वृक्ष सदैव झुके हुए होते हैं उसी तरह विनम्र और ज्ञानी व्यक्ति भी बहुत अधिक विनम्र तथा देश समाज और राष्ट्र के प्रति निष्ठावान होता है। विनम्रता मनुष्य को उसके जीवन में अच्छे मार्ग में प्रशस्त होता है विनम्र व्यक्ति ही समाज में उचित स्थान तथा सम्मान का हकदार बनता है। विनम्रता से ही मनुष्य समाज के हर पहलू में उसका पात्र बनकर उसे ग्रहण करने का अधिकार रखता है। इसलिए विनम्र एवं ज्ञानी व्यक्ति समाज में सदैव सम्मानित एवं उच्च स्थान प्राप्त करने वाला व्यक्ति बन जाता है। विनम्र व्यक्ति में नेतृत्व गुण भी संभावित होता है क्योंकि ज्ञानी और विनय शील व्यक्ति को अपने नेतृत्व कर्ता के रूप में शहर से स्वीकार करती है।

क्योंकि ऐसा व्यक्ति अपने विचारों को आमजन पर अधिरोपित नहीं करता बल्कि उनके विचारों को उनके सुझाओं को प्राप्त कर नए-नए समाधान भी निकलता है। महात्मा गांधी जी ने सत्य और अहिंसा को अपना साधन घोषित करते हुए स्वतंत्रता के लिए इसे अपना अस्त्र तथा शस्त्र बनाया था। सत्य और अहिंसा विनम्र व्यक्ति के दो अमोघ अस्त्र की तरह थे जो विनम्रता को और प्रभावशाली बनाते हैं। विनम्र व्यक्ति सदा संतोषी एवं परम सुखी होता है क्योंकि उसकी अपनी कोई महत्वाकांक्षा इच्छा, लोभ,जलन अथवा प्रतिस्पर्धा नहीं रहती है, वह अवगुणों से दूर रहकर अपने को परिमार्जित कर लेता है और समाज के विकास के लिए समर्पित भी रहता है। महात्मा बुद्ध के संदर्भ में कहा जाता है कि जब वे ज्ञान की खोज में देशाटन कर रहे थे तब लोगों ने उन्हें अनेक प्रकार की यातनाएं दी पर महात्मा बुध ने बिना विचलित हुए अपनी खोज में लगे रहे और उनके अथक प्रयास ,विनम्रता और ज्ञान के दम पर महापरिनिर्वाण की स्थिति को प्राप्त किया। जिस तरह शक्ति को दबाया जा सकता है किंतु समाप्त नहीं किया जा सकता उसी प्रकार विनम्रता कुछ समय के लिए कमजोर प्रतीत हो सकती है अंततः उसकी अपनी क्षमता व्यापकता और पर्वत के समान कठोर तत्वों के कारण वह हर बाधा को पार कर मनुष्य को सफलता दिलाने में सक्षम होती है इसी विनम्रता और कठोर श्रम के चलते महात्मा गांधी ने ब्रिटिश सरकार की बाधा को नेस्तनाबूद कर दिया और भारतवासियों को अपनी विनम्रता से स्वाधीनता का स्वाद चखाया। यही बात हमारी भारतीय सनातन तथा वैदिक संस्कृति पर भी लागू होती है वह हजारों वर्ष से अब तक सुरक्षित बनी हुई है। विनम्रता व्यक्ति हो या संस्कृति उसे विनम्रता स्थायित्व प्रदान करती है एवं आने वाले मार्ग की बाधाओं को समाप्त कर देती है जैसा कि अहंकार का अस्थाई तथा क्षणभंगुर होता है, किसी भी राष्ट्र संस्कृति समाज के स्थायित्व के लिए उसका विनम्र तथा सहिष्णु होना आवश्यक है । इसीलिए यह माना जाता है कि मनुष्य, समाज ,देश के लिए विनम्रता सर्वश्रेष्ठ अवदान है।



सात समंदर पार से संगम पहुंचे विदेशी मेहमान, साइबेरियन पक्षियों की चहचहाहट से गुलजार हुए घाट

प्रयागराज। आस्था की नगरी प्रयागराज में इन दिनों श्रद्धा के साथ-साथ प्रकृति का भी अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। सर्दियों की शुरुआत होते ही साइबेरिया और अन्य ठंडे देशों से हजारों प्रवासी पक्षी हजारों किलोमीटर की दूरी तय करके संगम तट पर आ पहुंचे हैं। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम पर अनुकूल वातावरण और विशाल जल क्षेत्र की तलाश में आए इन सफेद परिंदों ने घाटों को गुलजार कर दिया है। सुबह की धूप में जब ये पक्षी एक साथ उड़ान भरते हैं और पानी की सतह पर उतरते हैं, तो पूरा नजारा जीवंत हो उठता है।

पुलिसकर्मी और छत्तीसगढ़ के दो मजदूरों की हत्या में भी नाम, सुरक्षा एजेंसियों ने तलाश तेज की

कुलगाम में सुरक्षा बलों की चौकी पर हमले के पीछे लश्कर के कमांडर बट पर शक

श्रीनगर, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की सुरक्षा चौकी पर हुए हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने लश्कर-ए-तैयबा के स्थानीय कमांडर मोहम्मद लतीफ बट की तलाश तेज कर दी है। इस हमले में तीन जवान घायल हुए थे। जांच एजेंसियों को संदेह है कि हमले के पीछे करीब 22 वर्षीय लतीफ बट का हाथ हो सकता है। वह दक्षिण कश्मीर में सक्रिय बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, घाटी में सक्रिय स्थानीय आतंकियों में वह फिलहाल बचा हुआ एकमात्र आतंकवादी है। उसकी गिरफ्तारी में मदद करने वाली जानकारी देने वाले व्यक्ति के लिए 15 लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया है।

सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, मोहम्मद लतीफ बट कुलगाम जिले के खेवान चाडूरा की नई बस्ती का रहने वाला है। वह पहले महाविद्यालय में पढ़ाई करता था, लेकिन कुछ समय बाद उसने पढ़ाई छोड़ दी। इसके बाद वह स्थानीय स्तर पर बढ़ई का काम करने लगा। सामान्य जीवन जी रहे लतीफ के अचानक लापता होने से उसके परिवार को भी चिंता हुई थी। बताया जाता है कि नवंबर 2025 में वह अपने घर से अचानक गायब हो गया था। करीब 19 नवंबर को उसके परिवार ने पुलिस में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। बाद में सुरक्षा एजेंसियों को उसके लश्कर-ए-तैयबा में शामिल होने की जानकारी मिली। इसके बाद से ही वह सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी और तलाश के दायरे में है।



शोपियां में अभियान के दौरान बच निकला था

सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, लतीफ दक्षिण कश्मीर के अलग-अलग इलाकों में सक्रिय है। जुलाई 2026 में शोपियां में चलाए गए सुरक्षा अभियान के दौरान वह बचकर निकलने में सफल रहा था। उस समय उसके संपर्क में जाकिर अहमद गनी भी था। जाकिर जुलाई 2026 में शोपियां में हुई मुठभेड़ के दौरान मारा गया था। एजेंसियों को आशंका है कि लतीफ को कुछ विदेशी आतंकवादियों का सहयोग मिल रहा है। लतीफ बट का नाम अनंतनाग में पुलिस हेड कांस्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी की हत्या में भी सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, 22 जुलाई 2026 को अनंतनाग के एक भीड़भाड़ वाले बाजार में हेड कांस्टेबल की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस वारदात में लतीफ की भूमिका होने का संदेह जताया गया है। घटना के बाद से सुरक्षा एजेंसियां उसकी गतिविधियों पर नजर रख रही हैं और गिरफ्तारी के प्रयास कर रही हैं।

छत्तीसगढ़ के दो मजदूरों की हत्या का भी आरोप

कुलगाम जिले के किलम (केल्लम) इलाके में छत्तीसगढ़ के दो मजदूरों की हत्या में भी लतीफ का नाम सामने आया है। करीब 31 जुलाई 2026 को एक ईंट भट्ठे पर काम करने वाले दोनों गैर-स्थानीय मजदूरों को गोली मार दी गई थी। हमले में दोनों की मौत हो गई थी। पुलिस ने इस घटना को लक्षित हत्या माना था। इस वारदात के बाद दक्षिण कश्मीर में काम करने वाले दूसरे राज्यों के मजदूरों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई थी।

वांछित सूची में शामिल चार नाम

मोहम्मद लतीफ बट: कुलगाम जिले का निवासी और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा कमांडर।

बिलाल अहमद मीर: सोपोर के ब्रथ कला इलाके से संबंधित।

मोहम्मद उमर मीर: सोपोर के ब्रथ कलां इलाके से संबंधित।

आबिद कयूम लोन: बारामूला जिले के पट्टन इलाके से संबंधित।

हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

कुलगाम में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की चौकी पर हमले के बाद सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। एजेंसियां लतीफ की संभावित भूमिका, उसके स्थानीय संपर्कों और विदेशी आतंकियों से संबंधों की जांच कर रही हैं। सुरक्षा बलों का प्रयास है कि उसे जल्द पकड़कर दक्षिण कश्मीर में सक्रिय आतंकी नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। फिलहाल हमले में उसकी भूमिका जांच का विषय है और अंतिम निष्कर्ष जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएगा।

सोनिया गांधी की आत्मकथा पर बनेगी फिल्म

पीएम पद ठुकराने से लेकर कांग्रेस की कमान संभालने तक, दिखेगा पूरा सफर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय राजनीति में सोनिया गांधी का नाम एक अहम स्थान रखता है। उन्होंने न सिर्फ गांधी परिवार की विरासत को आगे बढ़ाया, बल्कि अपनी अलग राजनीतिक पहचान भी बनाई। अब उनके जीवन और राजनीतिक सफर को पर्दे पर उतारने की तैयारी हो रही है। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष जगा रेड्डी ने गुरुवार को ऐलान किया कि कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की आत्मकथा 'रिलॉन्चिंग-अ जर्नी ऑफ लव पर तेलुगु फीचर फिल्म बनाई जाएगी। इस फिल्म में सोनिया गांधी के जीवन के अलग-अलग पहलुओं और उनके राजनीतिक सफर को दिखाया जाएगा।

संगारेड्डी में कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं की बैठक के दौरान जगा रेड्डी ने इस फिल्म की जानकारी दी। उन्होंने संगारेड्डी विधानसभा क्षेत्र के पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से फिल्म बनाने के लिए आगे आकर आर्थिक सहयोग करने की अपील की। इस दौरान विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस संयोजक जुलकांति अंजनेयुलु ने फिल्म के निर्माण के लिए 2 करोड़ रुपये देने का ऐलान किया। जगा रेड्डी ने फिल्म के निर्माण की प्रक्रिया शुरू करने के लिए 50 सदस्यों की एक कमेटी बनाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि इस पूरी प्रक्रिया की देखरेख गांधी भवन के जनसंपर्क अधिकारी हरिप्रसाद करेंगे।



फिल्म में दिखाए जाएंगे कई अहम पहलू

जगा रेड्डी ने बताया कि सोनिया गांधी की आत्मकथा की प्रतियां मंगवाकर पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच बांटी जाएंगी, ताकि वे उनके जीवन और अनुभवों को बेहतर तरीके से समझ सकें। उन्होंने कहा कि फिल्म में सोनिया गांधी के जीवन के कई अहम पहलू दिखाए जाएंगे। इसमें इंदिरा गांधी की बहू, राजीव गांधी की पत्नी और राहुल गांधी व प्रियंका गांधी की मां के रूप में उनकी जिंदगी को दिखाया जाएगा।

मुंबई में नाबालिग बच्चियों के यौन शोषण का बड़ा खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

मुंबई, एजेंसी

मुंबई में नाबालिग बच्चियों के यौन शोषण का गंभीर मामला सामने आया है। समता नगर पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है जबकि दो अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों के मोबाइल फोन की जांच के दौरान 15 से अधिक नाबालिग बच्चियों से जुड़े आपत्तिजनक वीडियो मिलने की बात सामने आई है। इस खुलासे के बाद पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ा दिया है। जानकारी के अनुसार मुंबई के समता नगर पुलिस थाना क्षेत्र के हनुमान नगर इलाके में रहने वाली 14 वर्षीय बच्ची



के साथ दुष्कर्म करने, उसका अश्लील वीडियो बनाने और उसे वायरल करने की धमकी देकर शोषण करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि आरोपियों ने पीड़िता के आपत्तिजनक वीडियो को सार्वजनिक करने की धमकी देकर उस पर दबाव बनाया और इसी का फायदा उठाकर उसका लगातार यौन शोषण किया। इस मामले में सबसे चौंकाने वाला पहलू आरोपियों के मोबाइल फोन की जांच के दौरान कई वीडियो सामने आना है। जब्त किए गए मोबाइल फोन में 15 से अधिक नाबालिग बच्चियों से संबंधित आपत्तिजनक वीडियो मिलने की बात सामने आई है। इस जानकारी के बाद पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि ये वीडियो किन परिस्थितियों में बनाए गए और इनमें कितने लोग शामिल हैं। साथ ही, पुलिस यह भी जांच कर रही है कि कहीं अन्य नाबालिग बच्चियां भी इस शोषण का शिकार तो नहीं हुई हैं।

सिंधुदुर्ग में बढ़ी ठंड, कुडाल में घने कोहरे की चादर, हापुस आम के बागवानों की जगी उम्मीदें

सिंधुदुर्ग। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में पिछले दो से तीन दिनों से ठंड का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। तापमान में गिरावट के कारण सिंधुदुर्ग के मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। सुबह और देर रात ठंड का एहसास अधिक होने लगा है। मुंबई-गोवा राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुडाल इलाके में गुरुवार सुबह घने कोहरे की चादर छाई रही। कोहरे के कारण हाईवे पर दृश्यता काफी कम हो गई, जिससे कुछ ही दूरी पर चल रहे वाहन भी स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं दे रहे थे। सुबह के समय अचानक छाए घने कोहरे के कारण मुंबई-गोवा हाईवे पर यातायात प्रभावित होता नजर आया।

ओडिशा सरकार का बड़ा तोहफा, बाढ़ पीड़ितों को मिलेगा 50 किलो चावल, 2500 कैश

भुवनेश्वर, एजेंसी

ओडिशा सरकार ने हाल में आई बाढ़ से प्रभावित परिवारों को बड़ी राहत देने का निर्णय लिया है। इसके तहत गंजाम, गजपति और कंधमाल जिले के सभी ब्लाकों में बाढ़ प्रभावित प्रत्येक परिवार को 50 किलो चावल और 2500 रुपये की अतिरिक्त आर्थिक सहायता दी जाएगी। राज्य सरकार ने बुधवार को इस संबंध में निर्देश जारी किया। विशेष राहत आयुक्त (एसआरसी) कार्यालय की ओर से जारी आदेश के अनुसार, यह सहायता मुख्यमंत्री की ओर से पहले घोषित राहत पैकेज के अतिरिक्त होगी। इसका उद्देश्य



हालिया बाढ़ से प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत पहुंचाना है।

विशेष राहत आयुक्त कार्यालय ने गंजाम, गजपति और कंधमाल के जिलाधीशों को अपने-अपने जिले के सभी प्रभावित परिवारों की पहचान कर पात्र लाभार्थियों की सूची तैयार करने का निर्देश दिया है। साथ ही यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि राहत का लाभ वास्तविक प्रभावित परिवारों तक पहुंचे। प्रत्येक पात्र परिवार के बैंक खाते में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से 2500 रुपये भेजे जाएंगे। इसके अलावा 50 किलो चावल का वितरण भी चिह्नित लाभार्थियों के बीच किया जाएगा। राहत वितरण में पारदर्शिता और तेजी सुनिश्चित करने के लिए तीनों जिलों के प्रशासन को प्रतिदिन की प्रगति रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। यह रिपोर्ट प्रत्येक दिन शाम पांच बजे तक विशेष राहत आयुक्त कार्यालय को भेजनी होगी। इसमें चावल वितरण और आर्थिक सहायता के भुगतान की विस्तृत जानकारी देनी होगी।

न्यूयॉर्क के बाद एलए में भी भारतीय मूल की मेयर, नित्या रमन लेंगी शपथ

वाशिंगटन। भारतवंशी नित्या रमन अगले महीने लॉस एंजिल्स की मेयर के रूप में पदभार संभालेंगी। उनके शपथ ग्रहण के साथ ही अमेरिका के दो सबसे बड़े शहरों की कमान भारतीय मूल के अमेरिकियों के हाथों में होगी। यह न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी के साथ मिलकर अमेरिकी स्थानीय प्रशासन में भारतीय प्रवासियों की मौजूदगी का एक अहम पड़ाव तय करेंगी। न्यूयॉर्क में 86 लाख (8.6 मिलियन) और लॉस एंजिल्स में 39 लाख (3.9 मिलियन) को मिलाकर इन शहरों में कुल 1.25 करोड़ (12.5 मिलियन) लोग रहते हैं। ममदानी ने 1 जनवरी को अपना पद संभाला था। रमन अभी मेयर-इलेक्ट (चुनी गई मेयर) हैं और उनका कार्यकाल 14 दिसंबर से शुरू होगा। सत्ता हस्तांतरण (ट्रांजिशन) होने तक कैरेन बास लॉस एंजिल्स की मेयर बनी रहेंगी। रमन का जन्म केरल में हुआ था और वह 6 साल की उम्र में अमेरिका आ गई थीं।

अफेयर का शक,रिटायर्ड रेलकर्मी ने पत्नी का गला रेता

दो बच्चियों संग थाने में सरेंडर; कमरे में खून से सना चाकू, लोहे का सिलबट्टा मिला

मुंगेर। मुंगेर एक रिटायर्ड लोको पायलट ने अपनी पत्नी की गला रेतकर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी पति अपनी दो छोटी बच्चियों के साथ थाने पहुंचा और सरेंडर किया।

आरोपी के सरेंडर के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। कमरे का गेट खोला तो महिला का शव पूरी तरह से खून से लथपथ मिला। उसके गले पर चाकू के निशान और शरीर पर लोहे के सिलबट्टे और वायर (तार) के निशान मिले हैं।

मृतका की पहचान पूजा देवी (28) के रूप में हुई है। वहीं आरोपी पति की पहचान दशरथ मंडल(55) के रूप में हुई है। दोनों की 2 बेटी है। एक की उम्र 8 और दूसरी की 5 साल है। दोनों को मां की मौत की जानकारी तक नहीं है। उन्हें लग रहा है कि मां बीमार है।

बेटियों को कमरे में बंद कर पत्नी की हत्या की

वारदात के वक्त घर पर पति-पत्नी और उनकी दो बेटियां थी। दशरथ मंडल ने अपनी दोनों बेटी को एक कमरे में बंद कर दिया था। इसके बाद पत्नी की बेहरमी से हत्या कर कमरे में ताला लगाकर दोनों बच्ची को लेकर थाने में आत्मसपर्मण करने पहुंच गया।

फिलहाल पुलिस दोनों बच्ची से घटना के



कारणों की पता कर रही है। बताया जा रहा है कि दशरथ मंडल शकी मिजाज का आदमी है। पत्नी से अक्सर विवाद होता रहता था।

पुलिस ने मृतका के परिजनों को सूचना दी। डे? महीने पहले ही पूजा के पिता की हार्ट अटैक से मौत हुई थी। अब पूजा की हत्या से परिवार टूट गया है। आज मृतका के भाई और मां और बाकी परिजन मुंगेर सदर अस्तपताल के पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे।

2 दिन पहले भाई से की थी बात

मृतका के भाई शुभम ने बताया कि बीती देर रात पुलिस ने जानकारी दी की आपकी बहन की हत्या कर दी गई है। आरोपी आपके जीजा है और उसने थाना में आकर आत्मसर्पण किया है।

जानकरी मिलने के बाद आज हम लोग सुबह मुंगेर पहुंचे। शुभम ने बताया की दो दिन पहले बहन से बात हुई थी, लेकिन उसने कुछ ऐसी बात नहीं बताई थी।

5 साल से ससुराल वाले कर रहे थे प्रताड़ित

भाई ने कहा, पांच साल से हमारी बहन पूजा देवी के साथ हमारे जीजा दशरथ मंडल, उसका भाई गौतम मंडल और दूर के रिश्ते में रहने वाली बहन नीलम देवी मारपीट और प्रता?ित करती थी। शादी के बाद से देहज को लेकर मेरी बहन को प्रताड़ित किया जा रहा था।

मेरी बहन की उम्र कम थी, इसलिए जीजा शक करते थे

भाई ने बताया कि मेरी बहन की उम्र कम होने की वजह से मेरे जीजा उस पर शक करते थे। उनको हमेशा लगता था कि कही मेरी बहन का किसी से अफेयर तो नहीं है। दोनों में एज गैप होने की वजह से मिसअंडरस्टैंडिंग बहुत

न्यूज ब्रीफ

बंगाल की खाड़ी में चक्रवात बनने की आशंका, मछुआरों को लौटने का निर्देश



चेन्नई। दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में 13 नवंबर को कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके अगले 24 घंटे में उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए और मजबूत होकर गहरे कम दबाव के क्षेत्र में बदलने का अनुमान है। इसके चक्रवात में तब्दील होने की आशंका को देखते हुए तमिलनाडु के मत्स्य पालन एवं मछुआरा कल्याण विभाग ने मछुआरों को 12 नवंबर की रात तक समुद्र से लौटकर तट पर पहुंचने का निर्देश दिया है। चेन्नई क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्वानुमान के आधार पर विभाग ने मछुआरों के लिए चेतावनी जारी की है। इसमें समुद्र में मछली पकड़ने जाने से बचने और गहरे समुद्र में मौजूद नौकाओं को निर्धारित समय तक वापस लौटने की सलाह दी गई है। सभी मछली पकड़ने वाली नौकाओं को अपने संबंधित मछली पकड़ने के बंदरगाहों पर सुरक्षित स्थानों पर खड़ा करने का निर्देश दिया गया है।

पुलवामा में बच्चों से भरी स्कूल बस हादसे का शिकार



पुलवामा। दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले से सड़क हादसे की खबर सामने आई है। यहां राजपोरा के द्रबगाम इलाके में बुधवार को एक स्कूल बस अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में 11 छात्रों और 2 शिक्षकों समेत कुल 13 लोग घायल हो गए। एक अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि द्रबगाम में एक स्कूल बस का एक्सीडेंट हो गया, जिसमें 11 स्टूडेंट्स और दो टीचर समेत 13 लोग घायल हो गए। उन्होंने कहा कि सभी घायलों को पहले उल्हउ राजपोरा ले जाया गया, जहां से कुछ को आगे के इलाज के लिए डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल पुलवामा रेफर कर दिया गया। इस बीच, डिप्टी कमिश्नर पुलवामा, केके सिद्धा ने कहा कि सभी घायलों की हालत स्थिर है। उन्होंने कहा कि दो स्टूडेंट्स को रटल्हर हॉस्पिटल रेफर किया गया है, जबकि एक-एक को SKIMS सौरा और श्री महाराजा हरि सिंह हॉस्पिटल, श्रीनगर में शिफ्ट किया गया। पुलिस ने मौके के हालात का जायजा लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

डिप्टी पीएम इशाक डार के पोते पर सामूहिक दुष्कर्म का आरोप



इस्लामाबाद। पाकिस्तान में उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार के पोते रजा डार समेत आठ लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। लाहौर की एक अदालत ने दो विदेशी महिलाओं से सामूहिक दुष्कर्म और उन्हें बंधक बनाने के मामले में सभी आठ आरोपियों के खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं। खास बात यह है कि इस मामले में पुलिस पहले इशाक डार के पोते और उसके चार दोस्तों को क्लीन चिट दे चुकी थी। पुलिस ने इसके बजाय तीन अन्य कर्मचारियों को आरोपी बनाया था। अब अदालत ने सभी आठ आरोपियों के खिलाफ मुकदमे की प्रक्रिया आगे बढ़ाने का निर्देश दिया है। लाहौर के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश रफाकत अली गोंडल ने मंगलवार को आरोप तय किए। अदालत में पेश किए गए सभी आरोपियों ने खुद को निर्दोष बताया है। वे फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। अदालत ने अभियोजन पक्ष को नौ दिसंबर को अपने गवाह पेश करने का निर्देश दिया है, ताकि मामले की नियमित सुनवाई शुरू की जा सके। आरोप तय होने का मतलब यह नहीं है कि आरोपियों को दोषी ठहरा दिया गया है।

पाकिस्तान के लाहौर की हवा में घुला जहर, टेस्ट मैच करना पड़ा शिफ्ट

- मंत्री ने भारत और दिवाली पर फोड़ा ठीकरा

एजेन्सी, इस्लामाबाद

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की राजधानी लाहौर की हवा भी जहरीली हो गई है। इसके लिए वहां की मंत्री भारत में मनाए गए दिवाली के जश्न को दोष दे रही हैं। लाहौर में एयर क्वालिटी इंडेक्स यानी अदक खतरनाक स्तर 600 के पार पहुंच गया है, जो चिंताजनक स्थिति है। हालत यह है कि पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच दूसरा टेस्ट मैच लाहौर से हटाकर रावलपिंडी में शिफ्ट कर दिया गया है। ऐसे में पंजाब प्रांत की सीनियर मंत्री मरियम औरंगजेब ने प्रदूषण में इस भारी बढ़ोतरी के लिए भारत के शहरों में दीवाली की आतिशबाजी और पराली जलाने से आने वाले धुएं को जिम्मेदार ठहराया है।



मैच करना पड़ा शिफ्ट... क्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच दूसरा टेस्ट मैच लाहौर से रावलपिंडी शिफ्ट कर दिया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इसके पीछे मौजूदा मौसम की स्थिति को कारण बताया है। लाहौर इस समय भारी मौसमी स्मॉग की चपेट में है। हवा की गुणवत्ता पर नजर रखने वाली स्विस टेक्नोलॉजी कंपनी 'IQAir' के अनुसार, यह दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में से एक है।

भारत और दिवाली को दोष दे रहीं मंत्री

पोस्ट किए गए बयानों में, मरियम औरंगजेब ने आरोप लगाया कि अमृतसर, लुधियाना, जालंधर, पटियाला, बठिंडा और फिरोजपुर सहित भारत के शहरों से प्रदूषित हवा पूर्वी गलियारे के रास्ते लाहौर में दाखिल हुई, जिससे 8 नवंबर को प्रदूषण का स्तर काफी बढ़ गया। कमाल की बात है कि जब हवा खराब होने का दोष देना था तो भारत की बात की लेकिन साथ ही जब उन्होंने हवा की गुणवत्ता में काफी सुधार की जानकारी दी, तो उन्होंने इसका श्रेय पंजाब सरकार के एंटी-स्मॉग अभियानों, अनुकूल मौसम, हवा की तेज गति और लगातार निगरानी को दिया। मरियम औरंगजेब ने कहा कि मुख्यमंत्री मरियम नवाज शरीफ के किए गए कामों से अपने यहां का प्रदूषण कम हुआ है और बाहर से आने वाले प्रदूषण का असर भी घटा है। उन्होंने कहा कि हवा की दिशा बदल गई है और मौसम भी अच्छा हो गया है, इसलिए हालात बेहतर हो रहे हैं।

कनाडा के ओंटारियो में पहली बार मिला नया वेरिएंट अमेरिका

कोविड-19 के नए वेरिएंट से बढ़ी चिंता, 8 देशों तक पहुंचा संक्रमण

- यूरोप और एशिया तक फैला, वैज्ञानिकों की नजर संक्रमण की रफ्तार पर
- फिलहाल गंभीर बीमारी या मौत का खतरा बढ़ने के ठोस संकेत नहीं

एजेन्सी, वॉशिंगटन

उत्तरी अमेरिका समेत कई महाद्वीपों में तेजी से फैल रहे कोविड-19 के नए वेरिएंट PJ.2.1 ने स्वास्थ्य एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। कनाडा के ओंटारियो में पहली बार पहचाने जाने के बाद अब तक यह यह आठ देशों में पहुंच चुका है। इसे अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, यूरोप और एशिया के देशों में भी दर्ज किया गया है।

तेजी से फैल रहे इस वेरिएंट ने यह खतरा बढ़ा दिया है कि क्या इससे संक्रमण की एक और लहर आ सकती है। इस वेरिएंट में स्पाइक प्रोटीन में असामान्य रूप से बहुत अधिक म्यूटेशन हए हैं। स्पाइक प्रोटीन वायरस का वह हिस्सा है जो उसे इंसानी कोशिकाओं में प्रवेश में मदद करता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और दूसरी एजेंसियां इस वेरिएंट के तेजी से फैलने की क्षमता पर बारीकी से नजर रख रही हैं।



नया वेरिएंट गंभीर खतरा नहीं

यह कोविड-19 महामारी की शुरूआत की तरह गंभीर बीमारी या मौत का कारण नहीं बन रहा है, लेकिन कमजोर स्वास्थ्य वाले लोगों के लिए एक खतरा बना हुआ है। डॉक्टरों का कहना है कि यह नया वेरिएंट PJ.2.1 हाल के दूसरे वेरिएंट की तुलना में बहुत अधिक खतरनाक नहीं लगता है। लेकिन कुल मामलों में इसका हिस्सा काफी अधिक है।

इन देशों में मिले केस

■ कनाडा ■ अमेरिका ■ स्पेन ■ फ्रांस ■ ऑस्ट्रेलिया ■ न्यूजीलैंड ■ इजरायली ■ सिंगापुर।

PJ.2.1 के तेजी से फैलने की वजह

जर्नल ऑफ इन्फेक्शन ने इस वेरिएंट को लेकर शुरूआती स्टडी प्रकाशित की है। स्टडी में गया है कि इसके तेजी से फैलने की वजह शायद इसका ACE2 रिसेप्टर से ज्यादा तेजी से जुड़ना है। इस बदलाव की वजह से यह मनुष्य की कोशिकाओं में दूसरे वेरिएंट की तुलना में आसानी से प्रवेश कर जाता है। शोधकताओं को ऐसे कोई सबूत नहीं मिले हैं कि यह दूसरे वेरिएंट की तुलना में वैक्सीन से बनी एंटीबॉडीज से बचने में सक्षम है। इसके लक्षण सामान्य सर्दी-जुकाम और फ्लू जैसे हो सकते हैं।

अमेरिकी रक्षा मंत्री को सैनिक ने डांटा-सैनिक समाधि के सामने तस्वीरें ले रहे थे, साथ आई महिला हंसी तो कहा- शहीदों का सम्मान करें

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को बुधवार को अर्लिंग्टन नेशनल कब्रिस्तान में एक सैनिक ने डांट दिया। हेगसेथ अपनी पत्नी और सलाहकारों के साथ अज्ञात सैनिक की समाधि (टॉम्ब ऑफ द अननोन सोल्जर) के सामने तस्वीरें खिंचवा रहे थे। इसी दौरान उनके साथ आई एक महिला हंसने लगी। इस पर समाधि की सुरक्षा में तैनात सैनिक ने सभी को शांत रहने के लिए कहा और शहीदों के प्रति सम्मान दिखाने के लिए कहा। वहां मौजूद रिपोर्टर्स के कैमरे में यह घटना रिकॉर्ड हो गई।

पेंटागन ने हेगसेथ का बचाव किया

हेगसेथ बुधवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ कब्रिस्तान में आयोजित सालाना वेटरन्स डे कार्यक्रम में शामिल हुए थे। उनके साथ उनकी पत्नी जेनिफर हेगसेथ और तीन सलाहकार रिकी बुरिया, टैमी राडाबॉ और पैट्रिक वीवर भी मौजूद थे।

पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता सीन पार्नेल ने कहा कि सैनिक ने सही तरीके से अपनी जिम्मेदारी निभाई। उन्होंने कहा, सचिव और पूरा रक्षा विभाग हमेशा अमेरिकी सैनिकों के बलिदान का सम्मान करता आया है और आगे भी करता रहेगा। इस गंभीर दिन पर एक सैनिक ने सभी को मर्यादा बनाए रखने की सही बात याद दिलाई।



पूर्व रिपब्लिकन सांसद ने हेगसेथ के व्यवहार पर नाराजगी जताई

अमेरिका के पूर्व रिपब्लिकन सांसद एडम किंजिंगर ने इस घटना पर नाराजगी जताई। उन्होंने ङ्क पर लिखा कि अज्ञात सैनिक की समाधि जैसी जगह पर हेगसेथ को इस तरह का व्यवहार नहीं करना चाहिए था। उन्होंने कहा कि हेगसेथ हर जगह लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचना चाहते हैं। किंजिंगर ने उन्हें रक्षा मंत्री के पद के लिए भी अयोग्य बताया।

24 घंटे समाधि की रखवाली करते हैं सैनिक

अज्ञात सैनिक की समाधि की सुरक्षा करना अमेरिकी सेना के सबसे सम्मानित कामों में से एक माना जाता है। सेना की

'शेख हसीना को न दी जाए मौत की सजा'

ब्रिटेन के छह सांसदों ने किससे की अपील? बांग्लादेश लौटने का किया था एलान

एजेन्सी, लंदन

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को मौत की सजा दिए जाने के मामले में ब्रिटेन के छह सांसदों ने विदेश मंत्री एड मिलिबैंड से हस्तक्षेप की अपील की है। सांसदों ने ब्रिटेन सरकार से बांग्लादेश के साथ कूटनीतिक स्तर पर बातचीत करने और यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया है कि हसीना के स्वदेश लौटने पर उन्हें फांसी न दी जाए। ब्रिटेन के विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) को पिछले महीने भेजे गए पत्र में सांसदों ने बांग्लादेश के सक्षम अधिकारियों से लिखित आश्वासन लेने की मांग की है। उनका कहना है कि इस आश्वासन को कानूनी उपायों के जरिये प्रभावी भी बनाया जाना चाहिए।



किन सांसदों ने लिखी चिट्ठी?

इस अपील पर कंजर्वेटिव पार्टी के सांसद बॉब ब्लैकमैन, डेमोक्रेटिक यूनियनिस्ट पार्टी के जिम शैनन और स्कॉटिश नेशनल पार्टी के सीमस लोगन ने हस्ताक्षर किए हैं। इसके अलावा स्कॉटिश संसद के तीन सदस्य मार्टिन डे, पॉल मैकलनन और एलन ब्राउन भी इस अपील में शामिल हैं। यूरोपीय संसद के पूर्व सदस्य डॉ. चार्ल्स टैनॉक ने भी पत्र का समर्थन किया है।

ईरान ने नई अंडरग्राउंड मिसाइल सिटी दिखाई

बैलिस्टिक-क्रूज मिसाइलों के साथ लॉन्चर भी मौजूद; जंग के बाद तीसरी बार जारी किया वीडियो

एजेन्सी, तेहरान

ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने नई अंडरग्राउंड मिसाइल सिटी का वीडियो जारी किया है। इसमें बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों के साथ उन्हें लॉन्च करने वाले सिस्टम भी रखे दिखाई दिए।

IRGC से जुड़ी न्यूज एजेंसी तस्नीम ने मंगलवार को इस मिसाइल सिटी की तस्वीरें जारी कीं। हालांकि यह नहीं बताया गया कि यह ठिकाना कहां है या इसमें कितनी मिसाइलें हैं। जंग शुरू होने के बाद यह तीसरी बार है, जब ईरान ने अपने अंडरग्राउंड मिसाइल ठिकानों का वीडियो दुनिया को दिखाया है। अंडरग्राउंड मिसाइल सिटी के उद्घाटन में ईरान के चीफ ऑफ स्टाफ मेजर जनरल अली अब्दुल्लाही और IRGC के कमांडर ब्रिगेडियर जनरल माजिद मौसवी शामिल हुए थे। अंडरग्राउंड मिसाइल सिटी के उद्घाटन में ईरान के चीफ ऑफ स्टाफ मेजर जनरल अली अब्दुल्लाही और IRGC के कमांडर ब्रिगेडियर जनरल माजिद मौसवी शामिल हुए थे। ईरान ने मंगलवार को यह वीडियो शेयर किया। इसमें कई तरह के हथियार अंडरग्राउंड गलियारो में नजर आ रहे हैं।



अमेरिका को अपनी तैयारी दिखा रहा ईरान

ईरान ने यह वीडियो ऐसे समय साझा किया है, जब अमेरिका उस पर प्रतिबंध जारी रखे हुए है और उसकी नौसैनिक नाकेबंदी भी कर रहा है। गल्फ न्यूज के मुताबिक, इस मिसाइल सिटी को दिखाकर ईरान यह संदेश देना चाहता है कि हमलों के बावजूद उसकी सैन्य ताकत बनी हुई है। जमीन के नीचे मिसाइल बनाने और रखने की व्यवस्था से ईरान अपने हथियारों को हवाई हमलों से बचाना चाहता है। इसके लिए वह सैन्य ठिकानों को अलग-अलग जगहों पर बना रहा है और उन्हें जमीन के नीचे छिपा रहा है।

एअर इंडिया की फ्लाइट को हाईजैक करने की धमकी

टॉयलेट के शीशे पर लिखा था संदेश

कोलकाता। कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार सुबह एअर इंडिया की मुंबई जाने वाली फ्लाइट में हाईजैक की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। विमान के एक टॉयलेट के शीशे पर धमकी भरा संदेश लिखा मिला। घटना की जानकारी मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं। विमान टेकऑफ की तैयारी कर रहा था। इसी दौरान उसके एक टॉयलेट के शीशे पर लिखा धमकी भरा संदेश देखा गया। इसकी सूचना मिलते ही पायलट ने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल यानी एटीसी को अलर्ट कर दिया। यह उड़ान सुबह 10:20 बजे रवाना होने वाली थी।

सऊदी अरब में बिना शादी बच्चा हुआ तो महिला को मिली 100 कोड़े मारने की सजा

- लोग बोले- मर्द को क्यों नहीं

एजेन्सी, नई दिल्ली

सऊदी अरब की अदालत ने एक नौकरानी (हाउस हेल्प) को बिना शादी के बच्चा पैदा करने के लिए 100 कोड़े मारने की सजा सुनाई है। यह हाउस हेल्प अफ्रीकी देश केन्या की है जो काम करने सऊदी आई थी। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार यह फैसला पिछले महीने सुनाया गया था और यह दिखाता है कि आज भी सऊदी में महिलाओं को 'अवैध प्रेग्नेंसी' के लिए जेल में डाला जा सकता है और सजा दी जा सकती है। यह फैसला उस मां के लिए एक बहुत बड़ा झटका है, जो पिछले एक साल से अधिक समय से अपने बच्चे के साथ केन्या लौटने की कोशिश कर रही है, लेकिन हर कदम पर उसे रोका गया है।



क्या है पूरा मामला?

इस मां का नाम एस्थर वांजा मुथोनी और वह पूर्वी अफ्रीका की उन हजारों घरेलू कामगारों में से एक हैं, जिन्हें सऊदी अरब में हाउसकीपर और नैनी के तौर पर काम करने के लिए लाया गया है। मुथोनी सऊदी अरब की एक कंपनी, महाराह ह्यूमन रिसोर्सेज के जरिए कानूनी तौर पर सऊदी में घरेलू कामगार के रूप में काम कर रही थीं। उसी दौरान सऊदी अरब में रहने वाले एक मिस्र के नागरिक के साथ उनके छोटे से रिलेशनशिप के दौरान वो प्रेगनेंट हो गईं। उन्होंने अगस्त 2025 में स्टाफ क्वाटर में बच्चे को जन्म दिया। एक सुपरवाइजर को जब उनके बारे में पता चला तो वो उन्हें हॉस्पिटल ले गया, जहां पुलिस अधिकारियों ने प्रेगनेंसी के बारे में पूछताछ के लिए उन्हें हिरासत में ले लिया। पुलिस को दिए बयानों में मुथोनी ने कहा कि बच्चे के पिता, जिसका नाम सिर्फ मोहम्मद बताया गया, वह देश छोड़कर चला गया है।

एन्थ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई का बड़ा दावा

'10 साल में कैंसर का नामोनिशान मिट जाएगा'

- AI कंपनियों के मालिकों का दावा, दवा कंपनियों को क्यों नहीं भरोसा?

वाशिंगटन

'क्लॉड' अक चैटबॉट बनाने वाली कंपनी एन्थ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई का कहना है कि उनके अनुसार एक दशक से भी कम समय में कैंसर, अल्जाइमर, हृदय रोग और मानसिक बीमारियां बीते कल की बातें हो जाएंगी। दुनिया की सबसे चर्चित और सबसे बड़ी अककंपनियों में से एक के बॉस



एन्थ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई

का यह बयान अहम है। उन्होंने जिन बीमारियों को लेकर यह पॉजिटिव उम्मीद जताई हैं वे लाखों परिवारों को प्रभावित करती हैं और इनमें से कुछ आज भी चिकित्सा जगत की सबसे कठिन चुनौतियों में से एक बनी हुई हैं।

इंसानियत के लिए खुलेंगे नए रास्ते

अमोदेई ने कहा, 'मुझे लगता है कि अगर हम इसे सही तरीके से करें, तो हम चमत्कारों का एक ऐसा दौर ला सकते हैं, जहां इंसानियत उन समस्याओं को सुलझा सकेगी जो हजारों सालों से अनसुलझी रही हैं।' अमोदेई AI को एक ऐसी तकनीक के रूप में देखते हैं, जो बॉयोलॉजिकल रिसर्च, नई दवाओं की खोज और चिकित्सा क्षेत्र की बड़ी उपलब्धियों की गति को काफी तेज कर सकती है।

डारियो अमोदेई अकेले नहीं हैं

अमोदेई अकेले नहीं हैं। एलन मस्क और गूगल के AI प्रमुख डेमिस हसाबिस जैसे अन्य AI लीडर्स भी उनके इस दावे से सहमत हैं। हसाबिस का मानना है कि AI की मदद से दवाओं की खोज में लगने वाले एक दशक के समय को घटाकर कुछ हफ्तों में बदला जा सकता है। इससे शायद बीमारियों का अंत हो सके या एक दशक के भीतर सभी बीमारियों का इलाज मिल जाए। हसाबिस ने 'अल्फाफोल्ड' जैसी बड़ी उपलब्धियों का उदाहरण दिया है, जिसने 20 करोड़ से ज्यादा प्रोटीन स्ट्रक्चर की मैपिंग की है। यह इस बात का सबूत है कि AI जो है वह बायोलॉजिकल रिसर्च की गति को बहुत तेजी से बढ़ा सकता है। हालांकि ध्यान रहे कि भले अल्फाफोल्ड एक वास्तविक वैज्ञानिक उपलब्धि है, लेकिन यह इस बात का सबूत नहीं है कि अक्एक दशक के भीतर कैंसर, अल्जाइमर या अन्य जटिल बीमारियों का इलाज खोज सकता है।

न्यूज ब्रीफ

डॉलर के मुकाबले रुपये की मजबूती जारी



नई दिल्ली। घरेलू विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार (फॉरेक्स मार्केट) में बुधवार को भारतीय मुद्रा रुपये ने अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शानदार मजबूती दर्ज की है। घरेलू शेयर बाजार में आई शानदार तेजी और विदेशी संस्थागत निवेशकों की ओर से मिल रहे मजबूत सपोर्ट से भारतीय करेंसी को बड़ा सहारा मिला। दिनभर के कारोबार के बाद भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पिछले बंद भाव 93.94 के मुकाबले 0.25 रुपये यानी 0.27 प्रतिशत की जोरदार मजबूती के साथ 93.69 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुआ। बुधवार को सुबह इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा 21 पैसे की बढ़त के साथ 93.73 प्रति डॉलर के स्तर पर खुली थी। कारोबार के दौरान आयातकों की ओर से डॉलर की मांग जारी रहने के बावजूद विदेशी फंड्स के निरंतर इनफ्लो से रुपये ने अपनी बढ़त को मजबूती से कायम रखा।

केन्द्र ने लिथियम-आयन बैटरी ब्लैक मास के निर्यात पर लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली। वाणिज्य विभाग के विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने आईटीसी (एचएस) कोड 85491400 के अंतर्गत आने वाले लिथियम-आयन बैटरी ब्लैक मास के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। अधिसूचना के माध्यम से इस मद की निर्यात नीति में तत्काल प्रभाव से और अगले आदेश तक बदलाव करते हुए इसे मुक्त श्रेणी से हटाकर प्रतिबंधित श्रेणी में रखा गया है। इसके अंतर्गत प्राथमिक सेल, प्राथमिक बैटरियों और विद्युत संचायकों के अपशिष्ट एवं स्क्रैप के साथ-साथ इस्तेमाल की जा चुकी ऐसी सेल, बैटरियां और संचायक शामिल हैं, जिन्हें अलग-अलग श्रेणियों में छांटा नहीं गया है तथा जिनमें सीसा, कैडमियम या पारा विद्यमान नहीं है। निर्यात पर प्रतिबंध लगाने का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भारत में उत्पादित ब्लैक मास की रीसाइक्लिंग और शोधन देश के भीतर ही किया जाए। इस कदम से घरेलू रीसाइक्लिंग एवं शोधन इकाइयों के लिए फीडस्टॉक की उपलब्धता सुनिश्चित होने, उनकी क्षमता का बेहतर उपयोग होने तथा इस सेक्टर में अतिरिक्त निवेश और रोजगार को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। इससे लिथियम, कोबाल्ट, निकेल और अन्य महत्वपूर्ण खनिजों की घरेलू स्तर पर पुनर्प्राप्ति बढ़ेगी, जिससे आयात पर निर्भरता और उससे संबंधित विदेशी मुद्रा व्यय में कमी आएगी। महत्वपूर्ण खनिज इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, ऊर्जा भंडारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और नवीकरणीय ऊर्जा के लिए आवश्यक इनपुट हैं।

बेस मेटल सेगमेंट में मिला-जुला कारोबार

कमोडिटी मार्केट में सोना-चांदी और क्रूड में तेजी का रुख

■ एजेन्सी, नई दिल्ली



घरेलू कमोडिटी मार्केट (मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज-एमसीएक्स) में बुधवार को शुरूआती सत्र के दौरान शानदार तेजी का माहौल बना हुआ है।

भाई दूज के मौके पर गुरुवार को सर्राफा बाजार में हाजिर सोने के भाव में गिरावट का रुख बनने के बावजूद कमोडिटी मार्केट में सोना और चांदी दोनों कीमती धातुएं हरे निशान में कारोबार कर रही हैं। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में भी हल्की रिकवरी दर्ज की गई है। दूसरी ओर, औद्योगिक धातुओं यानी बेस मेटल सेगमेंट में बुधवार को मिला-जुला रुख देखने को मिल रहा है।

सर्राफा बाजार की बात करें तो बुधवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने और चांदी की कीमतों में उछाल आया है। शुरूआती कारोबार के बाद सुबह 11 बजे तक सोना वायदा 1,365 रुपये यानी लगभग 1 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,41,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार करता हुआ देखा गया। इसी तरह चांदी के भाव में भी जोरदार तेजी दर्ज की गई है। फिलहाल चांदी वायदा 4,925 रुपये यानी 2.70 प्रतिशत की बड़ी छलांग लगा कर 1,87,501 रुपये प्रति किलोग्राम के दिन के ऊपरी स्तर पर पहुंच गया है।

एनर्जी मार्केट और क्रूड ऑयल सेगमेंट में पिछले सत्र की भारी गिरावट के बाद बुधवार को सुबह के सत्र में कुछ रिकवरी देख होती हुई नजर आ रही है। मध्य एशिया में कमर्शियल वेसेल्स और ऑयल टैंकर्स पर हुए ताजा हमलों की खबर से अमेरिका-ईरान संघर्ष के जल्द खत्म होने की उम्मीदों को झटका लगा है। इसकी वजह से अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड बुधवार को सुबह ग्लोबल मार्केट में 1.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 92.50 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह अमेरिकी क्रूड यानी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) भी बढ़त दर्ज करते हुए 86 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से ऊपर निकल गया है। घरेलू स्तर पर भी कमोडिटी मार्केट में ब्रेंट क्रूड करीब 8,090 रुपये प्रति बैरल के आसपास बना हुआ है।

दूसरी ओर, औद्योगिक धातुओं यानी बेस मेटल सेगमेंट में आज अलग-अलग चाल देखने को मिल रही है। कमोडिटी एक्सचेंज पर शुरूआती कारोबार के दौरान कॉपर के भाव में मजबूती का रुख बना हुआ है। कॉपर वायदा 8.15 रुपये यानी 0.61 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,345.45 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके विपरीत, एल्यूमिनियम के भाव में बुधवार को बिकवाली का दबाव हावी नजर आ रहा है। एल्यूमिनियम वायदा 5.60 रुपये यानी 1.69 प्रतिशत की गिरावट के साथ 325.20 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर लाल निशान में काम कर रहा है।

कमोडिटी बाजार के जानकारों का कहना है कि जियो-पॉलिटिकल टेंशन और ग्लोबल अनसर्टेनिटी (वैश्विक अनिश्चितता) बने रहने से सोने और चांदी की सुरक्षित निवेश मांग को लगातार सहारा मिल रहा है। भारत में शादियों के आगामी सीजन के कारण भी घरेल सर्राफा बाजार में कीमती धातुओं की मांग मजबूत बनी हुई है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आपूर्ति बाधित होने की आशंका के चलते कच्चे तेल की कीमतों को निचले स्तर पर सपोर्ट मिल रहा है। जबकि चीन की सुस्त औद्योगिक मांग के कारण एल्यूमिनियम जैसी धातुओं पर दबाव बना हुआ है।

मदर डेयरी दूध 4 प्रति लीटर तक महंगा

- फुल क्रीम दूध 76 और टोंड 62 का
- 6 महीने में दूसरी बार दाम बढ़ाए

■ एजेन्सी, नई दिल्ली



मदर डेयरी ने दूध की कीमतें 2 से 4 प्रति लीटर तक बढ़ा दी हैं। नई कीमतें 12 नवंबर यानी गुरुवार से लागू होंगी। कंपनी ने दूध की खरीद लागत बढ़ने के कारण यह फैसला लिया। न्यूज एजेंसी ढळकने सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी।

दिल्ली-NCR में कंपनी के टोंड, फुल क्रीम, डबल टोंड और गाय के दूध समेत सभी प्रमुख वैरिएंट के दाम बढ़ाए गए हैं। कंपनी ने पिछली बार 14 मई 2026 को दूध की कीमतें बढ़ाई थीं। इससे पहले अप्रैल 2025 में कीमतों में बदलाव किया गया था।

कंपनी ने कहा- लागत बढ़ने के चलते फैसला

कंपनी से जुड़े सूत्रों के हवाले से न्यूज एजेंसी पीटीआई ने बताया कि किसानों से दूध खरीदने की लागत काफी बढ़ गई है। दूध की खरीद और बाकी खर्चों में आई इस तेजी के चलते कंपनी पर आर्थिक दबाव बढ़ रहा था। इसी लागत का थोड़ा-सा बोझ ग्राहकों पर डालते हुए दूध की खुदरा कीमतें बढ़ाना कंपनी की मजबूरी बन गया था।

1974 में हुई थी मदर डेयरी की शुरुआत

मदर डेयरी को 1974 में शुरू किया गया था। यह नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड (NDDB) की सब्सिडियरी कंपनी के रूप में काम करती है। मदर डेयरी अपने दूध की बिक्री से होने वाली कमाई का 75-80% हिस्सा किसानों को देती है।

कंपनी दिल्ली-NCR बाजार में अपने आउटलेट्स, जनरल ट्रेड और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के जरिए रोजाना लगभग 35 लाख लीटर दूध बेचती है।

जोरदार मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

निवेशकों को एक दिन में 3.49 लाख करोड़ का मुनाफा

■ एजेन्सी, नई दिल्ली



घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार को भाईदूज के दिन जोरदार तेजी का माहौल बना रहा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई भारी गिरावट और विदेशी संस्थागत निवेशकों की ताबड़तोड़ खरीदारी के दम पर बाजार दिनभर हरे निशान में बना रहा। हालांकि, शुरूआती कारोबार में जोरदार तेजी हासिल करने के बाद ऊपरी स्तर पर मुनाफावसूली का हल्का दबाव भी देखने को मिला। इसके बावजूद बैंकिंग और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में हुई चौतरफा लिवाली के सपोर्ट से सेंसेक्स और दोनों प्रमुख सूचकांक लगातार हरे निशान में बने रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.95 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। वहीं, निफ्टी ने 0.84 प्रतिशत की छलांग लगा कर बुधवार को कारोबार का अंत किया।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स आज 1,142.03 अंक यानी 1.41 प्रतिशत की शानदार छलांग लगा कर 82,248.68 अंक के स्तर पर खुला था। कारोबार की शुरूआत होते ही खरीदारों के जोर बनाने से यह सूचकांक 1,413.75 अंक यानी 1.74 प्रतिशत उछल कर 82,520.40 अंक के दिन के ऊपरी स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में मुनाफावसूली का दौर शुरू हो गया, जिसके कारण सेंसेक्स की चाल में गिरावट आने लगी।

लगातार हो रही बिकवाली के दबाव की वजह से यह सूचकांक ऊपरी स्तर से 1,100 अंक से अधिक लुढ़क कर 81,417.39 अंक के निचले स्तर तक भी गया। राहत की बात यही रही कि बिकवाली का दबाव बनने के बावजूद ये सूचकांक लगातार हरे निशान में ही बना रहा। पूरे दिन के उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बाद सेंसेक्स कुल 772.75 अंक यानी 0.95 प्रतिशत की मजबूती के साथ 81,879.40 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की ही तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी 50 ने भी बुधवार को जोरदार तेजी दर्ज की। निफ्टी 50 सूचकांक ने आज सुबह 25,337.80 अंक के स्तर से अपने कारोबार की शुरूआत की थी। शुरूआती सत्र की बंपर लिवाली के सपोर्ट से निफ्टी ने लंबे समय बाद 25,400 का मनोवैज्ञानिक स्तर पार किया और 25,424.35 अंक के दिन के ऊपरी स्तर तक जा पहुंचा। हालांकि, अंतिम सत्र में हुई बिकवाली के कारण यह सूचकांक ऊपरी स्तर से थोड़ा नीचे फिसल गया। अंत में निफ्टी 50 सूचकांक कुल 210.40 अंक यानी 0.84 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,255.05 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेक्टोरल फ्रंट पर बुधवार सरकारी बैंकों और ऑटोमोबाइल शेयरों में सबसे ज्यादा चमक नजर आई। निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स 3.02 प्रतिशत की तूफानी तेजी के साथ सबसे आगे रहा, जबकि निफ्टी बैंक इंडेक्स 2.29 प्रतिशत और फाइनेंशियल सर्विस इंडेक्स 1.71 प्रतिशत मजबूत होकर बंद हुए। इसके अलावा ऑटो और एफएमसीजी इंडेक्स में भी 1 से 2 प्रतिशत तक की अच्छी बढ़त देखी गई।

दूसरी ओर, फार्मा और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली का दबाव हावी रहा, जिसके चलते ये सूचकांक लाल निशान में बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में बुधवार को दिनभर खरीदारी होती रही। लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 0.81 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.59 प्रतिशत की तेजी के साथ बुधवार के कारोबार का अंत किया।

बैंक अकाउंट के बिना 50,000 तक NEFT कर सकेंगे नेफ्ट

10,000 तक सीधे कैश ट्रांसफर कर सकेंगे, आरबीआई की नई मनी ट्रांसफर गाइडलाइंस

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक ने देश में एक अकाउंट से दूसरे अकाउंट या किसी व्यक्ति को पैसे भेजने के नियम आसान कर दिए हैं।

नए नियमों के मुताबिक, अगर आपका किसी बैंक में खाता नहीं भी है, तब भी आप ब्रांच जाकर के जरिए एक बार में 50,000 तक किसी के भी खाते में ट्रांसफर कर सकते हैं।

इसके साथ ही, अगर आप किसी को सीधे कैश के रूप में पैसे भेजना चाहते हैं, तो एक बार में 10,000 रुपए तक भेज सकेंगे, जबकि एक व्यक्ति महीने भर में अधिकतम 25 हजार रुपए तक कैश भेज सकता है।

आईबीआई और बैंक एजेंट से निकाल सकेंगे पैसे

नए नियमों के तहत बैंक अब ऐसी सुविधा देंगे, जिससे बैंक खाते वाले लोग सीधे उन लोगों को पैसे भेज सकेंगे, जिनके पास अपना कोई बैंक अकाउंट नहीं है।

पैसा पाने वाला व्यक्ति यह कैश किसी भी ज्जरूसे या बैंक के एजेंट (बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट) से जाकर ले सकेगा। यह सर्विस उन गांवों और दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए बहुत मददगार साबित होगी, जहां आसपास कोई बैंक ब्रांच नहीं है।



बैंक एजेंट या ज्जरूसे पैसे भेजने के नियम

आरबीआई ने बैंकों से कहा है कि वे अपने ग्राहकों को बैंक एजेंट या ज्जरूके जरिए किसी दूसरे व्यक्ति के बैंक खाते में सीधे पैसे भेजने की सुविधा दें।

अगर आप इस तरीके से किसी के खाते में पैसे भेजते हैं, तो:

एक बार में: आप ज्यादा से ज्यादा 5,000 ही भेज सकते हैं। महीने भर में: एक व्यक्ति अधिकतम 25,000 तक ही ट्रांसफर कर सकता है।

रियल-टाइम में होगा फंड ट्रांसफर, मिनटों में पहुंचेगा पैसा

रिजर्व बैंक ने साफ किया है कि इन नए नियमों के तहत आप जैसे ही पैसे भेजेंगे, वे रियल-टाइम में यानी तुरंत प्रोसेस हो जाएंगे।

इसका सीधा सा मतलब यह है कि आपके पैसे ट्रांसफर करते ही बिना किसी देरी या इंतजार के सामने वाले व्यक्ति के खाते में जमा हो जाएंगे या कैश मिलने के लिए तैयार हो जाएंगे।

नॉलेज बॉक्सः बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट क्या होता है?

बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट्स बैंकों द्वारा नियुक्त किए गए प्रतिनिधि या एजेंट होते हैं, जो बैंकिंग सुविधाओं से दूर रहने वाले ग्रामीण इलाकों में लोगों को खाते खोलने, कैश जमा करने और पैसे भेजने जैसी बुनियादी बैंक सेवाएं घर-घर या नजदीकी सेंटर पर मुहैया कराते हैं।

ट्रेंट के चेयरमैन नोएल टाटा 29 साल बाद रिटायर हुए

बहराम वकील कल से कमान संभालेंगे; राजीव दुबे और कल्पना मर्चेंट बोर्ड में शामिल

नई दिल्ली

टाटा ग्रुप की रिटेल कंपनी ट्रेंट लिमिटेड के चेयरमैन और डायरेक्टर नोएल टाटा आज अपने पद से रिटायर हो गए हैं। वे इस पद पर 29 साल से काम कर रहे थे। नोएल टाटा की जगह बहराम वकील जिम्मेदारी संभालेंगे।

कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि 12 नवंबर से नोएल टाटा चेयरमैन एमेरिटस यानी मानद चेयरमैन के रूप में नियुक्त रहेंगे। इसके अलावा वे टाटा संस के बोर्ड में टाटा ट्रस्ट्स के नॉमिनी डायरेक्टर भी पहले की तरह बने रहेंगे।

यह बदलाव ऐसे समय पर हो रहा है, जब टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन के रीअपॉइंटमेंट, टाटा संस की लिस्टिंग और ग्रुप के गवर्नेंस नियमों को लेकर मतभेद चल रहा हैं।

70 साल उम्र होने पर ग्रुप की पॉलिसी के तहत पद छोड़ा नोएल टाटा ने यह फैसला टाटा ग्रुप की अपनी पॉलिसी के तहत लिया है। टाटा ग्रुप का नियम है कि कंपनी में बोर्ड मेंबर के रूप में काम कर रहे अधिकारियों के रिटायरमेंट की उम्र 70 साल तय है।



नोएल टाटा की उम्र 70 साल पूरी हो चुकी है, इसीलिए नियम का पालन करते हुए उन्होंने कंपनी के चेयरमैन और डायरेक्टर पद से हटने का फैसला किया है।

अबीजर 5 साल के लिए नए इंडिपेंडेंट डायरेक्टर बने

टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन की बैठक में एक और बड़ा फैसला लिया गया। कंपनी ने अबीजर शब्बीर दीवानजी को अपने बोर्ड में नए इंडिपेंडेंट डायरेक्टर के तौर पर जोड़ने की मंजूरी दे दी है।

कंपनी की खास कमेटी की सलाह पर दीवानजी को 12 नवंबर 2026 से 11 नवंबर 2031 तक यानी पूरे 5 साल के लिए नियुक्त किया गया है।

हालांकि, नियमों के मुताबिक इस फैसले पर कंपनी के शेयरधारकों (कंपनी के मालिकों/शेयर होल्डर्स) की अंतिम मुहर लगना अभी बाकी है।

कंपनी का कामः टाटा ग्रुप का पैसा सही जगह निवेश करना

टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन आसान शब्दों में टाटा ग्रुप की वह कंपनी है, जिसका मुख्य काम दूसरी कंपनियों में पैसा लगाना (निवेश करना) है।

यह कंपनी शेयर बाजार में लिस्टेड (जैसे टीसीएस, टाटा मोटर्स) और बिना लिस्टेड वाली कंपनियों के शेयर और बॉन्ड्स खरीदकर लंबे समय के लिए पैसा इन्वेस्ट करती है।

अब नोएल टाटा के हटने और बहराम वकील के नया चेयरमैन बनने से, आने वाले समय में कंपनी के निवेश करने के तरीकों और फैसलों में कुछ नए बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

कम कीमत और चार्जिंग की झंझट से छुटकारा इसलिए ट्रेंड में फिर लौट रहे वायर ईयरफोन

कुछ साल पहले तक लोग ईयरफोन के तारों से छुटकारा पाने के लिए वायरलेस ईयरबड्स खरीद रहे थे। अब तस्वीर बदल रही है। खासकर युवा फिर से तार वाले ईयरफोन अपना रहे हैं। अमेरिका में लगातार पांच साल तक गिरावट के बाद 2025 में इनकी बिक्री बढ़ी। भारत में भी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर इनकी मांग तेजी से बढ़ी है। इसकी वजह सिर्फ पुराने फैशन की वापसी नहीं, बल्कि वायरलेस ईयरबड्स की बैटरी, कनेक्टिविटी और कीमत से जुड़ी परेशानियां भी हैं। साथ ही, बेहतर साउंड, गेमिंग और डिजिटल दुनिया से कुछ दूरी बनाने की चाह भी इस बदलाव को बल दे रही है।

WHY



आंकड़े बता रहे हैं, बदल रही पसंद

अमेरिकी मार्केट रिसर्च फर्म सकांना के मुताबिक, वायर वाले हेडफोन की बिक्री में 2025 में 3% की वृद्धि हुई। 2026 के शुरुआती छह सप्ताह में इनसे होने वाली कमाई में 20% का उछाल आया। इससे पहले लगातार पांच साल इस श्रेणी की बिक्री में गिरावट दर्ज हुई थी। भारत में भी यह बदलाव दिख रहा है। 1 जुलाई 2026 को प्रकाशित इंडी ऑडियो इक्विटी की रिपोर्ट के मुताबिक, फ्लिपकार्ट पर वायर वाले ईयरफोन की सर्च तीन गुना और बिक्री दोगुनी हो गई। वहीं, इकोनॉमिक टाइम्स की फरवरी 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, टाटा क्लिक पर कुल इन-ईयर ईयरफोन श्रेणी में वायर वाले उत्पादों की हिस्सेदारी 40% बढ़ी।

वायर ईयरफोन की कीमत आधी रह जाती है

वायर वाले ईयरफोन की खपत की वजह इनकी सादगी और कम कीमत है। सामान्य वायर वाले ईयरफोन 200 से 500 रुपए में भी मिल जाते हैं, जबकि वायरलेस ईयरबड्स के लिए आमतौर पर यह खर्च दोगुना हो जाता है। इनके साथ चार्जिंग केस, बैटरी की चिंता जुड़ी रहती है। कई बार घर से निकलते समय पता चलता है कि ईयरबड्स चार्ज नहीं हैं। कभी ब्लूटूथ कनेक्ट नहीं होता तो कभी एक ईयरबड गिर जाता है। वायर वाले में इन परेशानियों की गुंजाइश नहीं होती।

साउंड और गेमिंग में भी मिल रहा फायदा

संगीत सुनने वालों के बीच साउंड क्वालिटी को लेकर जागरूकता बढ़ रही है। वायर वाले ईयरफोन में डिजिटल ऑडियो को ब्लूटूथ के जरिए भेजने की जरूरत नहीं होती। इसलिए इनमें कनेक्शन की स्थिरता बेहतर हो सकती है और आवाज पहुंचने में देरी यानी ऑडियो लैग कम रहता है। गेमिंग, वीडियो एडिटिंग और संगीत रिकॉर्डिंग जैसे कामों में यह खास उपयोगी है। हालांकि, साउंड की गुणवत्ता सिर्फ तार होने पर निर्भर नहीं करती, बल्कि ईयरफोन के ड्राइवर और उसकी बनावट भी अहम होती है।

फैशन, पुरानी यादें और डिजिटल थकान

इस बदलाव में जेन-जी की पसंद भी अहम है। 2000 के दशक के तार वाले ईयरफोन अब युवाओं के लिए फैशन एसेसरीज बन गए हैं। कलाकारों और सोशल मीडिया क्रिएटर्स के साथ दिखने से भी इनकी लोकप्रियता बढ़ी है। इसके अलावा डिजिटल थकान भी एक वजह है। स्मार्टफोन, स्मार्टवॉच और वायरलेस ईयरबड्स को चार्ज करने और नोटिफिकेशन से लगातार जुड़े रहने के बीच कुछ लोग संगीत सुनने का अनुभव अलग रखना चाहते हैं।

वायरलेस की जगह नहीं ले रहे, विकल्प बन रहे

वायर वाले ईयरफोन की वापसी का मतलब यह नहीं कि वायरलेस का दौर खत्म हो रहा है। वायरलेस ईयरबड्स आज भी यात्रा और कॉलिंग के लिए सुविधाजनक हैं। दरअसल, ग्राहक अब अलग-अलग उपकरण चुन रहे हैं। कुछ लोग रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए वायरलेस और गेमिंग या संगीत सुनने के लिए वायर वाले ईयरफोन रख रहे हैं। यानी अब फसंद सिर्फ नई तकनीक की नहीं, बल्कि काम के हिसाब से सही तकनीक चुनने की हो रही है।



एईबीएस : खतरा आने पर खुद लगेंगे कार के ब्रेक

सड़क हादसों को रोकने के लिए कारों में अब ऐसी तकनीक लाने की तैयारी है, जो खतरा भांपकर खुद ब्रेक लगा सकेगी। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने एडवांस इमरजेंसी ब्रेकिंग सिस्टम (एईबीएस) को 1 अक्टूबर 2030 से सभी नए कार मॉडल में अनिवार्य करने का प्रस्ताव दिया है। वहीं, पहले से उत्पादन में शामिल कार मॉडल को 1 अक्टूबर 2032 तक इस तकनीक से लैस करना होगा। इससे अचानक कोई गाड़ी आ जाने पर हादसे की आशंका कम कर सकती है।

कैसे काम करता है यह सिस्टम?

एईबीएस कार का एक सुरक्षा फीचर है, जो आगे चल रहे वाहनों और रास्ते की बाधाओं पर नजर रखता है। इसके लिए कार में लगे कैमरे, रडार और कुछ मामलों में लिडार सेंसर की मदद ली जाती है। ये सामने मौजूद वस्तु की दूरी और गति के आधार पर टक्कर का खतरा भांपते हैं। यह सिस्टम तीन चरणों में काम करता है। पहले खतरा महसूस होने पर ड्राइवर को आवाज या डैशबोर्ड के जरिए चेतावनी देता है। दूसरे चरण में ड्राइवर के प्रतिक्रिया नहीं देने पर ब्रेकिंग सिस्टम तैयार कर हल्का ब्रेक लगाता है। तीसरे चरण में भी ड्राइवर ब्रेक नहीं लगाता तो सिस्टम अपने आप तेज ब्रेक लगाता है। इससे टक्कर टल सकती है या उसका असर कम हो सकता है।

एडीएएस तकनीक का अहम हिस्सा

एईबीएस, एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएएस) का हिस्सा है। इसमें कई ऐसी तकनीकें शामिल हैं, जो ड्राइविंग के दौरान खतरे पहचानने और ड्राइवर की मदद करने का काम करती हैं। हालांकि, एईबीएस हर परिस्थिति में हादसा रोकने की गारंटी नहीं देता। तेज बारिश, कोहरा, धूल और कम रोशनी में सेंसर की क्षमता प्रभावित हो सकती है। तीखे मोड़ और अचानक सामने आने वाली बाधाओं को पहचानने में भी दिक्कत हो सकती है। यूरोपीय संघ, जापान और अमेरिका जैसे देशों में भी इस तकनीक को वाहनों की सुरक्षा से जुड़े नियमों में शामिल किया गया है।

अंतरिक्ष का कचरा हटाएगा हैदराबाद का ये सेंटर, भारत की पहली निजी सुविधा शुरू

हैदराबाद ने अंतरिक्ष तकनीक के क्षेत्र में एक और कदम बढ़ाया है। यहां कॉसमोसर्च स्पेस ने 'बेस-1' नाम से नई सुविधा शुरू की है। इसका उद्देश्य अंतरिक्ष में बेकार पड़े सैटेलाइट और मलबे को हटाने के साथ काम कर रहे सैटेलाइट की मरम्मत और उनमें ईंधन भरने की तकनीक विकसित करना है। कंपनी के मुताबिक, यह भारत की अपनी तरह की पहली निजी सुविधा और दुनिया की छठी ऐसी सुविधा है। बेस-1 में चार प्रमुख इकाइयां बनाई गई हैं। इनमें ऑर्बिटल रेंडेवू एंड कैप्चर लैब, स्पेस रोबोटिक्स इनोवेशन लैब, सैटेलाइट इंटीग्रेशन क्लीन रूम और मिशन सिमुलेशन एंड कंट्रोल सेंटर शामिल हैं।

WHERE



2027 में होगा मलबा पकड़ने का प्रदर्शन

कंपनी दो अंतरिक्ष यानों की मदद से कई सैटेलाइट की सर्विसिंग करने वाली प्रणाली विकसित कर रही है। उसका दावा है कि इससे सैटेलाइट की मरम्मत और रखरखाव की लागत घट सकती है। कंपनी 2027 में अंतरिक्ष मलबे को पकड़ने का पूर्ण स्तर का प्रदर्शन करने की योजना बना रही है। इसके अलावा रोबोटिक कैप्चर सिस्टम का परीक्षण सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण वाली उड़ानों में किया जाएगा।

कैसे ग्रीनफील्ड निवेश का विकल्प बना भारत?

ग्रीनफील्ड निवेश का मतलब है किसी विदेशी कंपनी का दूसरे देश में पुराना कारोबार खरीदने के बजाय नई फैक्ट्री या उत्पादन केंद्र स्थापित करना। इसमें जमीन, मशीनरी और कर्मचारियों से लेकर पूरा ढांचा तैयार किया जाता है। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप के मुताबिक, 2021 से 2025 के बीच भारत में 351 अरब डॉलर का ग्रीनफील्ड निवेश आया, जो 2016-20 के मुकाबले 61% ज्यादा है। वहीं, चीन में यह निवेश 350 अरब डॉलर से घटकर 159 अरब डॉलर रह गया। इसके पीछे कोरोना महामारी और भू-राजनीतिक तनाव के बाद कंपनियों की बदली रणनीति है। अब ये उत्पादन के लिए केवल चीन पर निर्भर रहने के बजाय दूसरे देशों का रुख कर रही हैं। इसे 'चाइना प्लस वन' रणनीति कहते हैं। इससे भारत को फायदा मिल रहा है।

HOW



दक्षिण-पूर्व एशिया भी निवेश केंद्र

2021 से 2025 के बीच मलेशिया में ग्रीनफील्ड निवेश 125% बढ़कर 140 अरब डॉलर और इंडोनेशिया में 34% बढ़कर 133 अरब डॉलर हो गया। थाईलैंड में भी यह 97% बढ़कर 56 अरब डॉलर पहुंचा। इससे साफ है कि कंपनियां चीन के विकल्प के तौर पर कई देशों में अपनी उत्पादन व्यवस्था विकसित कर रही हैं।

भारत को इन मोर्चों पर अभी काम करना होगा

विशेषज्ञों के मुताबिक, भारत को इस मौके का पूरा फायदा उठाने के लिए बेहतर बुनियादी ढांचा, कुशल कर्मचारी और लागत के स्तर पर प्रतिस्पर्धा बढ़ानी होगी। फैक्ट्रियों में स्टैम्पिंग, पेंटिंग, असेंबली और मेकाट्रॉनिक्स जैसे कामों के लिए प्रशिक्षित लोग जरूरी हैं। साथ ही घरेलू मांग भी मजबूत होनी चाहिए, ताकि कंपनियों को भारत में उत्पादन करना फायदे का सौदा लगे। ध्यान रहे, ग्रीनफील्ड निवेश के आंकड़े परियोजनाओं से जुड़ी निवेश राशि बताते हैं। इसका यह मतलब नहीं कि पूरी रकम खर्च हो चुकी है।



सुहानी ने बनाया आसमान की रोशनी मापने वाला प्लेटफॉर्म

WHO

गुरुग्राम की 12वीं की छात्रा सुहानी गुप्ता ने स्मार्टफोन से रात के आसमान में रोशनी का स्तर मापने के लिए मुफ्त ऑनलाइन प्लेटफॉर्म 'स्काईक्यूआई' बनाया है। इसकी मदद से कोई भी व्यक्ति मोबाइल से रात के आसमान की तस्वीर खींचकर यह जान सकता है कि वहां कितना प्रकाश प्रदूषण है। सुहानी की इस पहल का मकसद आम लोगों, विद्यार्थियों और खगोल विज्ञान में रुचि रखने वालों को बिना महंगे उपकरणों के इस समस्या की निगरानी से जोड़ना है। सुहानी को यह विचार अपने घर की बालकनी से आसमान देखते हुए आया। वहां उन्हें बहुत कम तारे दिखाई देते थे। पहले उन्हें लगा कि इसकी वजह वायु प्रदूषण है, लेकिन जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में दादा-दादी के घर आसमान ज्यादा साफ दिखने पर उन्होंने कृत्रिम रोशनी के असर की पड़ताल शुरू की।

63 देशों के लोग जुड़ चुके हैं इससे

सुहानी ने मई 2025 में स्काईक्यूआई पर काम शुरू किया और सितंबर में इसे ऑनलाइन कर दिया। यह तस्वीरों में दिखाई देने वाले तारों की संख्या, क्षितिज और सिर के ठीक ऊपर आसमान की चमक के अंतर जैसे संकेतकों का विश्लेषण करता है। इसके आधार पर आसमान की गुणवत्ता का अनुमान देता है और उसे बोर्टल स्केल पर वर्गीकृत करता है। इस पैमाने पर कक्षा 1 सबसे अंधेरी और कक्षा 9 सबसे अधिक रोशनी वाले शहरी आसमान को दर्शाती है। अब तक इस प्लेटफॉर्म पर 63 देशों के 490 से ज्यादा लोग 1,198 तस्वीरें साझा कर चुके हैं।

1960 में कानपुर-लखनऊ के बीच शुरू हुई पहली देश की पहली STD सेवा

करीब 66 साल पहले तक भारत में एक शहर से दूसरे शहर फोन करना आसान नहीं था। लंबी दूरी की कॉल के लिए टेलीफोन एक्सचेंज के ऑपरेटर से संपर्क करना पड़ता था। 26 नवंबर 1960 को कानपुर और लखनऊ के बीच देश की पहली सब्सक्राइबर ट्रंक डायलिंग (एसटीडी) सेवा शुरू हुई। इसके बाद लोग खुद दूसरे शहर का नंबर डायल कर कॉल कर सकते थे। उन्हें ऑपरेटर से कॉल बुक कराने और कनेक्शन का इंतजार नहीं करना पड़ता था। इससे पहले 1923 में लाहौर और लायलपुर (अब फैसलाबाद) के बीच लंबी दूरी की डायलिंग शुरू हुई थी, लेकिन उसमें नंबर ऑपरेटर ही मिलाता था। 1937 तक देश की सभी राज्य राजधानियां दिल्ली से एसटीडी नेटवर्क के जरिए जुड़ चुकी थीं।

WHEN



चेहरे जिनके जिक्र के बिना दुनिया अधूरी

"पक्षियों को समझना, प्रकृति की अनकही भाषा को समझना है।" -सलीम अली

सलीम, जिन्होंने भारत के पक्षियों को दुनिया से परिचित कराया

डॉ. सलीम अली भारत के प्रसिद्ध पक्षी विज्ञानी और प्रकृतिविद थे। उन्हें 'भारत का बर्डमैन' कहा जाता है। उन्होंने देश के अलग-अलग हिस्सों में जाकर पक्षियों की प्रजातियों, उनके व्यवहार और प्राकृतिक आवासों का अध्ययन किया। उनके शोध और किताबों ने आम लोगों के बीच पक्षियों को जानने और समझने की रुचि बढ़ाई। अध्ययन को केवल शौक तक सीमित नहीं रहने दिया, बल्कि इसे वैज्ञानिक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शिक्षा- सलीम अली ने मुंबई के सेंट जेवियर्स कॉलेज से प्राणी विज्ञान की पढ़ाई की। कॉलेज के दौरान उनकी रुचि प्राकृतिक इतिहास और पक्षियों के अध्ययन में बढ़ती गई। आगे इस क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल करने के लिए वे जर्मनी गए, जहां बर्लिन म्यूजियम में प्रसिद्ध पक्षी विज्ञानी प्रोफेसर एरिच स्ट्रेसमैन के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लिया।

योगदान- सलीम अली ने भारत में पक्षियों के व्यवस्थित सर्वेक्षण और उनके वैज्ञानिक अध्ययन को आगे बढ़ाया। उन्होंने 'द बुक ऑफ इंडियन बर्ड्स' जैसी लोकप्रिय किताब लिखी, जिसने आम पाठकों को पक्षियों की पहचान और उनके बारे में जानकारी दी। एस. डिलन रिप्ले के साथ मिलकर उन्होंने 'हैंडबुक ऑफ द बर्ड्स ऑफ इंडिया एंड पाकिस्तान' के दस खंड तैयार किए।

पीले गले वाली गौरैया ने बदल दी जिंदगी

अली की पक्षियों में रुचि बचपन की एक घटना से शुरू हुई। करीब 10 साल की उम्र में उनके मामा ने उन्हें एयरगन दी थी। एक दिन उन्होंने एक गौरैया को निशाना बनाया, लेकिन उसके गले के नीचे पीले रंग की पट्टी देखकर हैरान रह गए। वे पक्षी को लेकर अपने मामा के पास पहुंचे। मामा उन्हें बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी ले गए, जहां डब्ल्यू.एस. मिलार्ड ने उस पक्षी की पहचान पीले गले वाली गौरैया के रूप में की। इसी घटना ने उनके भीतर पक्षियों को जानने की जिज्ञासा जगा दी।

नौकरी नहीं मिली तो खुद बनाया रास्ता

जर्मनी से प्रशिक्षण लेकर लौटने के बाद सलीम अली ने जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया में पक्षी विज्ञानी की नौकरी के लिए आवेदन किया, लेकिन उच्च डिग्री न होने के कारण उन्हें यह पद नहीं मिला। इसके बाद 1926 में उन्हें मुंबई के प्रिंस ऑफ वेल्स म्यूजियम के प्राकृतिक इतिहास विभाग में गाइड लेक्चरर की नौकरी मिली। आगे उन्होंने बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी के सामने एक प्रस्ताव रखा कि वे देशी रियासतों में पक्षियों का सर्वेक्षण करेंगे। उनके रहने और यात्रा का खर्च संबंधित संस्थाएं उठाएं, जबकि वे अपनी सेवाएं बिना वेतन देंगे।

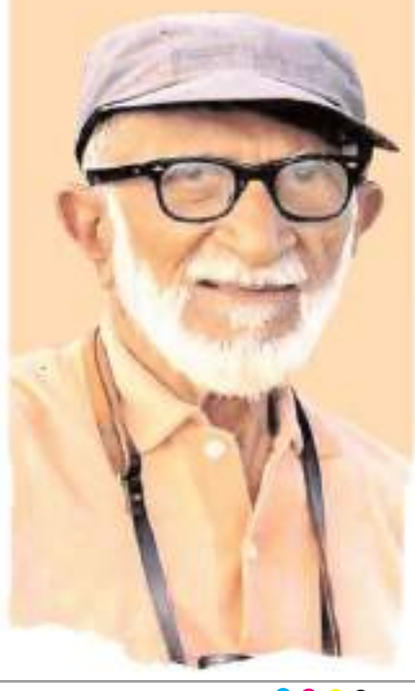

बया पक्षी के घोंसलों पर किया अनोखा अध्ययन

सलीम अली ने केवल पक्षियों की पहचान तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि उनके व्यवहार को भी करीब से समझा। 1930 में उन्होंने महाराष्ट्र के किहिम इलाके में बया पक्षियों के प्रजनन व्यवहार का विस्तृत अध्ययन किया। उन्होंने यह समझने की कोशिश की कि ये पक्षी घोंसले कैसे बनाते हैं और उनके प्रजनन से जुड़ी गतिविधियां कैसी होती हैं। बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी के अनुसार, यह भारत में पक्षियों के व्यवहार पर किए गए शुरुआती गंभीर अध्ययनों में से एक था।



हरियाणा के गुरुग्राम स्थित सुल्तानपुर नेशनल पार्क में डॉ. सलीम अली की स्मृति में एक संग्रहालय।

किताब ने आम लोगों को पक्षियों से जोड़ा

सलीम अली की किताब 'द बुक ऑफ इंडियन बर्ड्स' पहली बार 1941 में प्रकाशित हुई। इसमें भारतीय पक्षियों की पहचान, उनके रंग-रूप और आदतों की जानकारी आसान भाषा में दी गई थी। इससे पक्षियों को पहचानने और उनके बारे में जानने में आम पाठकों को मदद मिली। बाद में एस. डिलन रिप्ले के साथ उन्होंने दस खंडों वाली 'हैंडबुक ऑफ द बर्ड्स ऑफ इंडिया एंड पाकिस्तान' पर काम किया।

भरतपुर और साइलेंट वैली के संरक्षण में भूमिका

सलीम अली ने राजस्थान के भरतपुर स्थित केवलादेव घना पक्षी अभयारण्य को संरक्षित क्षेत्र के रूप में विकसित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। केरल की साइलेंट वैली को बचाने के प्रयासों में भी उन्होंने अपनी आवाज उठाई। आजादी के बाद उन्होंने बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी को आर्थिक संकट से उबारने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से मदद मांगी।

सैंडपेपर कांड पर उस्मान ख्वाजा का सबसे बड़ा खुलासा!

सवालों की बौछार हुई तो ख्वाजा ने इंटरव्यू से बनाई दूरी, कमिंस-स्टार्क पर साधी चुप्पी

मेलबर्न, एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के इतिहास का सबसे विवादित अध्याय एक बार फिर चर्चा में है। 2018 के बहुचर्चित सैंडपेपर कांड को लेकर पूर्व ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने अपनी नई आत्मकथा Sabr में ऐसे दावे किए हैं, जिन्होंने क्रिकेट जगत में नई बहस छेड़ दी है। ख्वाजा का दावा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन टेस्ट में गेंद से छेड़छाड़ की योजना की जानकारी पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को थी, लेकिन इस मामले में कार्रवाई का सामना सिर्फ स्टीव स्मिथ, डेविड वॉर्नर और कैमरन बैनक्रॉफ्ट को करना पड़ा।

ख्वाजा के इन दावों के बाद पुराने विवाद की परतें फिर खुलने लगी हैं। सबसे दिलचस्प बात यह है कि जब उनसे टीम के अन्य खिलाड़ियों, खासकर प्रमुख गेंदबाजों की भूमिका को लेकर सवाल पूछे गए तो उन्होंने सीधे जवाब देने से परहेज किया। विवाद के बीच उन्होंने अपनी किताब के प्रचार के लिए होने वाले इंटरव्यू से भी दूरी बना ली है।

ख्वाजा की आत्मकथा मंगलवार को रिलीज हुई थी। इसमें उन्होंने 2018 के दक्षिण अफ्रीका दौरे और केपटाउन टेस्ट के दौरान हुए सैंडपेपर कांड पर अपने अनुभव साझा किए हैं। उनका कहना है कि गेंद की स्थिति बदलने के लिए सैंडपेपर के इस्तेमाल की योजना के बारे में पूरी टीम को जानकारी थी। उन्होंने तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ, उपकप्तान डेविड वॉर्नर और कैमरन बैनक्रॉफ्ट पर हुई कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उनके मुताबिक, इस मामले में इन तीन खिलाड़ियों को ही जिम्मेदार ठहराया गया, जबकि घटनाक्रम की जानकारी टीम के अन्य सदस्यों को भी थी।



वॉर्नर ने किया समर्थन

इस विवाद में डेविड वॉर्नर भी सामने आए हैं। उन्होंने ख्वाजा के समर्थन में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से सैंडपेपर कांड की जांच दोबारा खोलने की मांग की है। वॉर्नर ने पहले हुई जांच को जल्दबाजी में की गई और खामियों से भरी प्रक्रिया बताया है। गौरतलब है कि 2018 में केपटाउन टेस्ट के दौरान कैमरन बैनक्रॉफ्ट को गेंद पर सैंडपेपर रगड़ते हुए कैमरे में पकड़ा गया था। इसके बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने स्टीव स्मिथ और डेविड वॉर्नर पर एक-एक साल तथा बैनक्रॉफ्ट पर नौ महीने का प्रतिबंध लगाया था।

कमिंस, स्टार्क और हेजलवुड पर सवाल, ख्वाजा ने नहीं खोले पत्ते

ख्वाजा के दावों पर, ब्रह्म को दिए गए इंटरव्यू में उनसे तीखे सवाल किए गए। उनसे पूछा गया कि क्या पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और नाथन लियोन जैसे प्रमुख गेंदबाज भी गेंद से छेड़छाड़ की योजना से जुड़ी चर्चाओं में शामिल थे? मौजूदा टेस्ट कप्तान पैट कमिंस को लेकर भी सीधा सवाल किया गया कि क्या उन्हें सैंडपेपर के इस्तेमाल की पहले से जानकारी थी? हालांकि, ख्वाजा ने इन सवालों का स्पष्ट जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि अपनी किताब में उन्होंने सिर्फ अपना % सच% बताया है। उनके इस रुख के बाद विवाद और गहरा गया है। क्रिकेट प्रशंसकों के बीच अब यह सवाल चर्चा में है कि ख्वाजा के दावों के पीछे कौन-सी जानकारियां हैं और उस समय टीम के भीतर वास्तव में क्या हुआ था। ख्वाजा के खुलासे पर उनके पूर्व साथी मिचेल स्टार्क ने असहमति जताई है। स्टार्क ने अपना पुराना रुख दोहराते हुए कहा है कि गेंदबाजों को गेंद से छेड़छाड़ की साजिश की जानकारी नहीं थी। उन्होंने 2021 में भी यही बात कही थी। इस तरह एक ही टीम का हिस्सा रहे खिलाड़ियों के बयान अलग-अलग नजर आ रहे हैं। ख्वाजा का दावा पूरी टीम की जानकारी की ओर इशारा करता है, जबकि स्टार्क गेंदबाजों की अनभिज्ञता की बात कर रहे हैं।

एसीए की अपील- पुराने विवाद में खिलाड़ियों को निशाना बनाना बंद करें | ऑस्ट्रेलियन क्रिकेटर्स एसोसिएशन ने इस विवाद के बीच खिलाड़ियों के खिलाफ निजी हमलों और ऑनलाइन दुर्व्यवहार रोकने की अपील की है। संगठन के मुख्य कार्यकारी पॉल मार्श ने कहा कि 2018 के दक्षिण अफ्रीका दौरे में शामिल खिलाड़ियों को पहले ही बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है। उन्होंने कहा कि आठ साल बाद अलग-अलग खिलाड़ियों की यादें और नजरिए अलग हो सकते हैं। सभी को अपने अनुभव साझा करने का अधिकार है, लेकिन लगातार निजी हमले और नफरत बंद होनी चाहिए।

सचिन के 100 शतकों की कहानी अब देखेगी दुनिया!

एमसीए म्यूजियम को भेंट करेंगे ऐतिहासिक बल्ले, 26 बैट से सजेगी बैटोग्राफी

16 नवंबर 2026 को होगा विशेष आयोजन; हेलमेट, जर्सी और निजी नोट्स भी बनेंगे आकर्षण

मुंबई, एजेंसी

क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर एक बार फिर अपने प्रशंसकों को ऐसा तोहफा देने जा रहे हैं, जो भारतीय क्रिकेट इतिहास में हमेशा याद रखा जाएगा। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर अपने क्रिकेट करियर की कुछ सबसे अनमोल और ऐतिहासिक यादगार चीजें मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) को भेंट करेंगे। इनमें वे बल्ले भी शामिल हैं, जिनसे उन्होंने अपने ऐतिहासिक 100 अंतरराष्ट्रीय शतकों के सफर को यादगार बनाया था। इन बल्लों को एमसीए के शरद पवार क्रिकेट म्यूजियम में प्रदर्शित किया जाएगा, जहां क्रिकेट प्रेमियों को सचिन के सुनहरे करियर को करीब से देखने का मौका मिलेगा।

इस खास पहल का सबसे बड़ा आकर्षण बैटोग्राफी नाम की विशेष प्रदर्शनी होगी। इसमें सचिन तेंदुलकर के 26 ऐतिहासिक बल्लों के साथ उनके करियर से जुड़ी अन्य यादगार वस्तुएं भी प्रदर्शित की जाएंगी। बैटोग्राफी का विचार बायोग्राफी से प्रेरित है। इसमें सचिन के क्रिकेट सफर को उन बल्लों के माध्यम से पेश किया जाएगा, जिनके साथ उन्होंने मैदान पर ऐतिहासिक पारियां खेलीं और क्रिकेट की दुनिया में नए कीर्तिमान स्थापित किए। हर बल्ला उनके करियर के एक खास अध्याय और यादगार उपलब्धि की कहानी बयां करेगा।



एमसीए अध्यक्ष बोले- पीढ़ियों तक सुरक्षित रहेगी सचिन की विरासत

मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने इस पहल पर खुशी जताते हुए कहा कि सचिन तेंदुलकर का भारतीय और विश्व क्रिकेट में योगदान उनके रिकॉर्ड्स से कहीं अधिक है। उनका सफर करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों की यादों में बसा हुआ है। उन्होंने कहा कि बैटोग्राफी के माध्यम से दर्शकों को उन ऐतिहासिक उपलब्धियों के पीछे की कहानी उन्हीं बल्लों के जरिए जानने का अवसर मिलेगा, जिनसे सचिन ने ये कीर्तिमान बनाए। एमसीए को गर्व है कि सचिन ने अपनी अनमोल धरोहर संस्था के साथ साझा करने का निर्णय लिया है। यह पहल केवल एक क्रिकेट प्रदर्शनी नहीं, बल्कि भारतीय क्रिकेट के स्वर्णिम इतिहास को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का अनूठा प्रयास है। सचिन के 26 बल्ले अब उनकी मेहनत, जुनून, संघर्ष और ऐतिहासिक उपलब्धियों की कहानी दुनिया के सामने रखेंगे।

सैफ चैंपियनशिप: भारत ने कटाया सेमीफाइनल का टिकट, मालदीव को एकतरफा अंदाज में हराया

नई दिल्ली, एजेंसी

ढाका के नेशनल स्टेडियम में बुधवार को खेले गए ग्रुप बी के अपने आखिरी मैच में सुहेल अहमद भट के 38वें मिनट में किए गए पेनल्टी गोल और प्रियांश दुबे के शानदार बचाव की बदौलत भारत ने मालदीव को 1-0 से हराकर सैफ चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। गत चैंपियन भारत ने ग्रुप स्टेज में छह अंकों के साथ अपना सफर खत्म किया, जबकि पाकिस्तान तीन अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

मालदीव बिना कोई अंक हासिल किए टूर्नामेंट से बाहर हो गया। 14 नवंबर को होने वाले सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला बांग्लादेश, भूटान या श्रीलंका में से किसी एक टीम से होगा। हेड कोच नौशाद मूसा ने पाकिस्तान को 3-2 से हराने वाली टीम में सात बदलाव किए। अभिषेक



सूर्यवंशी, मुहम्मद उवैस, सुहेल अहमद भट और रिकी शबोंग अपनी जगह बनाए रखने में कामयाब रहे। गोलकीपर के तौर पर अर्श अनवर शेख की जगह प्रियांश दुबे को मौका मिला, जबकि बिजॉय वर्गीज के न्यूजीलैंड चले जाने के बाद चिंगलेनसाना सिंह कोन्शम ने कप्तानी संभाली। भट ने शुरुआत में ही नियर-पोस्ट पर एक शॉट लगाकर गोलकीपर हुसैन शरीफ को चुनौती दी, लेकिन भारत को बढ़त लेने के लिए पेनल्टी का इंतजार करना पड़ा। अब्दुल रबीह ने हुसैन सिफाऊ यूसुफ से गेंद छीनी, जिसके बाद डिफेंडर ने उन्हें बॉक्स के अंदर गिरा दिया। भट ने शरीफ को छकाते हुए गेंद को गोल के निचले बाएं कोने में पहुंचा दिया। इस गोल के साथ टूर्नामेंट में भट के कुल गोलों की संख्या 3 हो गई है। इससे पहले, उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ मैच के पहले हाफ में दो गोल (ब्रेस) किए थे।

क्रिकेट की दुनिया में अफगानिस्तान का ऐतिहासिक धमाका!

रहमत शाह ने आईसीसी टेस्ट रैंकिंग के टॉप-10 में बनाई जगह, गिल को छोड़ा पीछे

दुबई, एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अफगानिस्तान ने एक बार फिर अपनी बढ़ती ताकत का लोहा मनवाया है। टीम के कप्तान और स्टार बल्लेबाज रहमत शाह ने ऐसा ऐतिहासिक कारनामा कर दिखाया है, जिसने अफगान क्रिकेट को नई पहचान दिलाई है। रहमत शाह आईसीसी पुरुष टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग के टॉप-10 में जगह बनाने वाले अफगानिस्तान के पहले क्रिकेटर बन गए हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ शारजाह टेस्ट में शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्होंने सीधे छह पायदान की छलांग लगाते हुए सातवां स्थान हासिल किया है। जिम्बाब्वे के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में रहमत शाह ने 173 रनों की शानदार पारी खेली। यह उनके टेस्ट करियर का पांचवां शतक और इस साल का दूसरा शतक था। उनकी इस



बेहतरीन बल्लेबाजी ने न सिर्फ अफगानिस्तान को मजबूती दी, बल्कि उन्हें करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग भी दिलाई।

रहमत ने रैंकिंग में भारत के कप्तान शुभमन गिल, दक्षिण अफ्रीका के एडन मार्करम और श्रीलंका के कामिंदू मेंडिस जैसे दिग्गज बल्लेबाजों को पीछे छोड़ दिया। यह उपलब्धि अफगानिस्तान क्रिकेट के लिए किसी बड़ी कामयाबी से कम नहीं है।

जिम्बाब्वे के क्रेग इरविन को भी मिला फायदा- ताजा टेस्ट रैंकिंग में जिम्बाब्वे के बल्लेबाज क्रेग इरविन ने भी शानदार छलांग लगाई है। अफगानिस्तान के खिलाफ शारजाह टेस्ट की दूसरी पारी में दोहरा शतक जड़ने वाले इरविन नौ स्थान ऊपर चढ़कर 48वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

वहीं, बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के बीच टेस्ट सीरीज के बाद बल्लेबाजी रैंकिंग में भी बदलाव देखने को मिला। वेस्टइंडीज के कावेम हॉज 12 स्थान ऊपर चढ़कर 52वें, बांग्लादेश के तौहीद हृदॉय 60वें और आमिर जंगू 28 स्थान की छलांग लगाकर 62वें नंबर पर पहुंच गए।

वनडे रैंकिंग में भारतीय गेंदबाजों का धमाका

भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे सीरीज के शुरुआती दो मुकाबलों के बाद भारतीय गेंदबाजों ने भी रैंकिंग में शानदार प्रदर्शन किया है। अक्षर पटेल 23 स्थान ऊपर चढ़कर 21वें नंबर पर पहुंच गए। अर्शदीप सिंह 11 स्थान की छलांग लगाकर 31वें पायदान पर आ गए, जबकि युवा तेज गेंदबाज गुरनूर बरार दो मैचों में सात विकेट लेकर 48वें स्थान पर पहुंच गए। कुल मिलाकर ताजा आईसीसी रैंकिंग ने अफगानिस्तान के ऐतिहासिक उभार के साथ भारतीय गेंदबाजों की चमक और वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों की शानदार प्रगति को भी दुनिया के सामने ला दिया है।

क्रिकेटर अर्शदीप-मॉडल समरीन की लव स्टोरी

सोशल मीडिया पर मिले, आईपीएल मैच में साथ दिखे; न्यूजीलैंड में झील किनारे प्रपोज कर सगाई की

एजेंसी मोहाली

भारतीय क्रिकेट टीम के गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने मॉडल समरीन कौर के साथ सगाई कर ली। उन्होंने न्यूजीलैंड में समरीन कौर को अंगूठी पहनाई। समरीन ने इसकी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कीं, जिसमें अर्शदीप झील किनारे बने लकड़ी के डेक पर उन्हें घुटनों पर बैठकर प्रपोज करते दिखे।

अब ऐसे में सवाल है कि दोनों की लव स्टोरी शुरू कैसे हुई दरअसल, दोनों सोशल मीडिया पर मिले थे। इसके बाद नजदीकियां बड़ीं। इसी साल मोहाली के पीसीए क्रिकेट स्टेडियम में हुए आईपीएल मैच के दौरान पहली बार अर्शदीप और समरीन साथ दिखे थे।

इसके बाद कई बार उन दोनों की फोटो सामने आईं और उन्होंने एक-दूसरे के लिए टैटू भी बनवाए। वहीं, इन्हीं आईपीएल मैचों के दौरान गुरुद्वारा सिंह शहीदां सोहाना, गुरुद्वारा श्री फतेहगढ़ साहिब में जाकर मन्नतें भी मांगीं।





अर्शदीप की स्नैपचैट स्टोरी

अप्रैल 2026 की शुरुआत में अर्शदीप ने स्नैपचैट पर एक लड़की के साथ हाथ पकड़े हुए तस्वीर शेयर की। इससे पता चला कि अर्शदीप किसी लड़की से रिलेशन में हैं। हालांकि तस्वीर में लड़की का चेहरा नहीं दिख रहा था। इसी तस्वीर ने लोगों के मन में सवाल खड़ा किया कि आखिर यह लड़की कौन हैड़

नेल डिजाइन-टैटू से पहचानी गई समरीन

अर्शदीप की इस फोटो में फैंस ने युवती के नाखूनों के डिजाइन और टैटू को नोटिस किया। इसके बाद उन्होंने युवती की तलाश शुरू कर दी। फैंस ने तलाशा तो मॉडल समरीन कौर के नाखूनों के रंग और नेल आर्ट समरीन से मिले।

इसके अलावा युवती के हाथ में दिख रहा टैटू भी समरीन के हाथ में नजर आया। इससे फैंस ने कहना शुरू कर दिया कि अर्शदीप ने जिस युवती की फोटो शेयर की, वह मॉडल समरीन कौर ही है।

पंजाब किंग्स के मैचों में समरीन की मौजूदगी

ढ्ढक्क 2026 के दौरान समरीन कौर को पंजाब किंग्स के कई मैचों में देखा गया। चूंकि अर्शदीप भी पंजाब किंग्स की टीम का हिस्सा थे, इसलिए फैंस ने दोनों की मौजूदगी को जोड़कर देखना शुरू किया। इससे कन्फर्म होने लगा कि दोनों रिलेशनशिप में हैं।

एयरपोर्ट-धर्मशाला में साथ-साथ दिखे

इसके बाद समरीन एयरपोर्ट पर अर्शदीप के साथ नजर आई। इससे दोनों के बीच के रिश्ते को लेकर अटकलें बढ़ गईं। फिर वह धर्मशाला में मैच के दौरान हाथों में हाथ डालकर घूमते नजर आए।

अर्शदीप ने खुद रिश्ते पर मुहर लगाई

27 जुलाई 2026 को अर्शदीप ने इंस्टाग्राम पर समरीन के साथ अपनी तस्वीरें शेयर कीं। तस्वीरों के साथ उन्होंने 'रूय क्कद्गह्यश्ठु' लिखा। इस पोस्ट के बाद दोनों का रिश्ता सार्वजनिक रूप से पता चल गया। 11 नवंबर 2026 को अर्शदीप और समरीन ने इंस्टाग्राम पर अपनी सगाई की घोषणा की। उन्होंने पोस्ट में लिखा कि वे एक-दूसरे के साथ पूरी जिंदगी बिताने के लिए खुश हैं।

बमिस इंडिया फाइनलिस्ट, चंडीगढ़ से एमबीए मॉडलिंग से पहचान

समरीन कौर का जन्म 7 सितंबर 1999 को जम्मू-कश्मीर में हुआ। उन्होंने पुणे के सिम्बायोसिस कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स से बीकॉम (ऑनर्स) की पढ़ाई की।

इसके बाद चंडीगढ़ से भी किया। कॉलेज के दिनों में ही उन्होंने मॉडलिंग शुरू की। साल 2018 में वह फेमिना मिस इंडिया जम्मू-कश्मीर की फाइनलिस्ट बनीं।

इसी के बाद उन्हें फैशन शूट, विज्ञापनों और म्यूजिक वीडियो के ऑफर मिलने शुरू हुए। आज वह पंजाबी और हिंदी म्यूजिक इंडस्ट्री का जाना-पहचाना चेहरा हैं।

ब्रेट रैंडेल को पहली बार न्यूजीलैंड टीम में मौका

एजेंसी नई दिल्ली

न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के आखिरी दो मुकाबलों के लिए 31 साल के तेज गेंदबाज ब्रेट रैंडेल को टीम में शामिल किया है। रैंडेल को पहली बार सीनियर इंटरनेशनल टीम में जगह मिली है।

वहीं, ऑलराउंडर जोश क्लार्कसन पांचवें और आखिरी वनडे के लिए टीम से जुड़ेंगे। न्यूजीलैंड िकेट (र्हृष्ट) ने गुरुवार को इसकी घोषणा की।

चौथा वनडे शुक्रवार को, भारत सीरीज में 2-0 से आगे

सीरीज का चौथा मुकाबला शु वार को माउंट माउंगानुई में खेला जाएगा, जबकि पांचवां और आखिरी मैच रविवार को होगा।

5 मैचों की सीरीज में भारतीय टीम 2-0 से आगे है। तीसरा वनडे बारिश के कारण रद्द हो गया था।

कोच बोले- घरेलू िकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया, डेब्यू का मौका मिल सकता है न्यूजीलैंड के हेड कोच रॉब वाल्टर ने रैंडेल के पहली बार इंटरनेशनल टीम में चुने जाने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि 31 साल के तेज गेंदबाज ने घरेलू िकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और इसी के दम पर टीम में जगह बनाई है। कोच ने संकेत दिए कि रैंडेल को भारत के खिलाफ आखिरी दो वनडे में डेब्यू का मौका मिल सकता है।

वाल्टर ने कहा, 'जब किसी खिलाड़ी को पहली बार इंटरनेशनल टीम में चुना जाता है, तो यह हमेशा खास पल होता है। हम ब्रेट के लिए बहुत खुश हैं। वह पिछले काफी समय से घरेलू िकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और इस मौके के हकदार हैं।'

145 प्रोफेशनल मैच खेल चुके, डर्बीशायर से भी खेले ब्रेट रैंडेल न्यूजीलैंड के घरेलू िकेट में अनुभवी तेज गेंदबाज हैं। वह अब तक 145 प्रोफेशनल मैच खेल चुके हैं। इनमें न्यूजीलैंड; के लिए खेले गए 5 मुकाबले भी शामिल हैं। रैंडेल हाल ही में इंग्लैंड की काउंटी चैंपियनशिप में डर्बीशायर की ओर से खेलकर लौटे हैं।

भारत के खिलाफ आखिरी 2 वनडे में शामिल; 5वें मैच में क्लार्कसन भी खेलेंगे



छठ महापर्व से पहले डीएमएफटी फंड से बने अरलगड़िया छठ तालाब की खुली पोल

लाखों खर्च के बाद सीढ़ियों में दरार व पानी का रिसाव, निर्माण गुणवत्ता पर उठे गंभीर सवाल

पुटकी के अरलगड़िया छठ तालाब के जीर्णोद्धार पर पानी की तरह बहाया गया पैसा, कुछ ही दिनों में उखड़ने लगी हकीकत

पुल से पानी का रिसाव और सीढ़ियों में पड़ी दरारें, महापर्व को लेकर व्रतियों और स्थानीय लोगों की बढ़ी चिंता

नवयुवक समिति ने की निष्पक्ष जांच और छठ से पहले मरम्मत की पुरजोर मांग

रफ्तार मीडिया संवाददाता



धनबाद : धनबाद में विकास योजनाओं के नाम पर सरकारी खजाने से लाखों-करोड़ों रुपये खर्च किए जाने के दावे कितने खोखले साबित होते हैं, इसकी बानगी पुटकी के अरलगड़िया छठ तालाब पर साफ देखने को मिल रही है। जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) फंड से लाखों रुपये खर्च कर इस तालाब का जीर्णोद्धार कराया गया था, लेकिन निर्माण कार्य पूरा होने के कुछ ही दिनों बाद उसकी कलई खुल गई है। यहां सीढ़ियों में दरारें आ गई हैं, पुल से लगातार पानी का रिसाव हो रहा है और सड़क भी जर्जर हो चुकी है। अब लोक आस्था के महापर्व छठ में चंद दिन ही शेष हैं, ऐसे में तालाब की इस बदहाल स्थिति ने व्रतियों और श्रद्धालुओं की नींद उड़ा दी है।

लाखों खर्च के बाद भी निर्माण कार्य में व्यापक अनियमितता

विदित हो कि खनन प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए डीएमएफटी फंड से कई योजनाएं संचालित की जाती हैं। इसी कड़ी के तहत पुटकी के अरलगड़िया छठ तालाब का कायाकल्प करने की योजना बनाई गई थी। इस प्रोजेक्ट में तालाब की सीढ़ियों का निर्माण, पुल निर्माण, सड़क निर्माण और तालाब की खुदाई जैसे कई कार्य शामिल थे। लेकिन, धरातल पर स्थिति इसके बिल्कुल विपरीत है। स्थानीय लोगों और नवयुवक समिति के सदस्यों का आरोप है कि निर्माण कार्य में घोर अनियमितता और भ्रष्टाचार बरती गई है। यही वजह है कि निर्माण पूरा होने के तुरंत बाद ही सीढ़ियों में बड़ी-बड़ी दरारें पड़ने लगीं, पुल से पानी रिसने लगा और सड़क की हालत बद से बदतर हो गई। लोगों ने सवाल उठाया है कि आखिर जब इस पर भारी-भरकम राशि खर्च की गई थी, तो निर्माण की यह दुर्दशा क्यों और कैसे हुई? क्या एजेंसी ने काम के दौरान गुणवत्ता मानकों की अनदेखी की?

छठ व्रतियों की बढ़ी परेशानी, प्रशासन से जांच और मरम्मत की मांग

सबसे बड़ी चिंता इस बात को लेकर है कि कुछ ही दिनों बाद इसी तालाब में क्षेत्र के हजारों छठ व्रती अस्ताचलगामी और उदयगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगे। तालाब की मौजूदा जर्जर स्थिति श्रद्धालुओं के लिए गंभीर परेशानी का सबब बन सकती है। मामले की गंभीरता को देखते हुए नवयुवक समिति और स्थानीय निवासियों ने जिला प्रशासन तथा संबंधित जनप्रतिनिधियों से उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने मांग की है कि इस भ्रष्टाचार के लिए जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाए और छठ महापर्व से पहले युद्धस्तर पर तालाब की मरम्मत कराई जाए, ताकि व्रतियों को पूजा-अर्चना में कोई असुविधा न हो। अब देखना यह होगा कि जिला प्रशासन इस मामले का संज्ञान लेते हुए महापर्व से पहले अरलगड़िया तालाब की सुधि लेता है या फिर श्रद्धालुओं को बदहाल व्यवस्था के बीच ही आस्था का यह महापर्व मनाने को मजबूर होना पड़ेगा। देवाशीष पासवान, वार्ड पार्षद बताते है कि डीएमएफटी फंड से जनता के पैसों का इस तरह दुरुपयोग और घटिया निर्माण बर्दाश्त करने योग्य नहीं है। तालाब की सीढ़ियों में दरारें और पुल से पानी का रिसाव निर्माण की पोल खोल रहा है। प्रशासन को तुरंत इस पर संज्ञान लेना चाहिए।

रूपेश पासवान, स्थानीय निवासी का कहना है

निर्माण कार्य में व्यापक पैमाने पर अनियमितता बरती गई है। छठ पूजा सिर पर है और तालाब की स्थिति दयनीय है। अगर समय रहते इसकी मरम्मत नहीं कराई गई, तो व्रतियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा।

बिश्रामपुर पुलिस का बड़ा एक्शन, एक साथ 9 गैर-जमानतीय वारंटी गिरफ्तार

रफ्तार मीडिया संवाददाता



मेदिनीनगर : पलामू जिले में फरार वारंटियों के खिलाफ पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। बिश्रामपुर थाना पुलिस ने गुरुवार को विशेष छापेमारी अभियान चलाकर एक साथ नौ गैर-जमानतीय वारंटियों को गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया। गिरफ्तार सभी वारंटी बिश्रामपुर थाना क्षेत्र के चोरटिया गांव के रहने वाले हैं। पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, पुलिस अधीक्षक कपिल चौधरी के निर्देश पर जिले में समकालीन अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत 12 नवंबर को बिश्रामपुर थाना पुलिस ने विशेष छापेमारी की। पुलिस टीम ने चोरटिया गांव में कार्रवाई करते हुए अलग-अलग मामलों में जारी गैर-जमानतीय वारंट के नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अरुण कहार उर्फ अरुण कुमार चंद्रवंशी, राजेश भुइयां, राजेंद्र प्रसाद उर्फ राजेंद्र साव, राजू प्रसाद उर्फ राजू साव, अवधेश साव, सुनील प्रसाद साव उर्फ सुनील साव, अनिल प्रसाद गुप्ता उर्फ अनिल साव, दीपक साव और श्रीकांत साव के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, सभी गिरफ्तार आरोपी ग्राम चोरटिया, थाना बिश्रामपुर, जिला पलामू के निवासी हैं। गिरफ्तारी के बाद सभी को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर न्यायालय भेज दिया गया। पलामू पुलिस की इस कार्रवाई को लंबित गैर-जमानतीय वारंटों के निष्पादन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले में समकालीन अभियान के तहत फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है।

चित्रगुप्त पूजा में भक्ति जागरण की धूम, रातभर भजनों पर झूमे श्रद्धालु



दिनभर चला प्रसाद वितरण और भंडारा, विधायक प्रकाश राम ने की पूजा-अर्चना

रफ्तार मीडिया संवाददाता

बालूमाथ। प्रखंड मुख्यालय स्थित आदर्श नगर के दुर्गा मंदिर परिसर में चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। पूजा के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान चित्रगुप्त की विधिवत पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। वहीं, शाम को आयोजित भव्य भक्ति जागरण में श्रद्धालु रातभर भक्ति गीतों की धुन पर झूमते रहे। गुरुवार को दिनभर प्रसाद वितरण एवं भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। भक्ति जागरण कार्यक्रम का उद्घाटन बालूमाथ थाना प्रभारी अनुभव कुमार सिन्हा, सब इंस्पेक्टर गौतम कुमार, समाजसेवी संतोष यादव, पूजा समिति के अध्यक्ष निर्मल सिन्हा एवं उपाध्यक्ष रवींद्र प्रसाद सिन्हा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान रांची से पहुंचे कलाकार नूतन शर्मा एवं रजनीकांत पाठक की टीम ने एक से बढ़कर एक भक्ति गीत प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। भक्ति गीतों और संगीत की गूंज के बीच श्रद्धालु पूरी रात भक्ति के रंग में सराबोर रहे।

इस अवसर पर थाना प्रभारी अनुभव कुमार सिन्हा ने चित्रांश परिवार एवं पूजा समिति को सफल आयोजन की बधाई दी। उन्होंने कहा कि बालूमाथ में प्रत्येक वर्ष इसी उत्साह और धूमधाम के साथ चित्रगुप्त पूजा का आयोजन होना चाहिए। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को पूजा की शुभकामनाएं भी दीं। पूजन कार्यक्रम में लातेहार विधायक प्रकाश राम भी शामिल हुए। उन्होंने भगवान चित्रगुप्त की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान पूजा समिति की ओर से विधायक को गमछा पहनाकर तथा डायरी एवं पेन भेंटकर सम्मानित किया गया। गुरुवार को दिनभर आयोजित प्रसाद वितरण एवं भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। आयोजन को सफल बनाने में चित्रांश परिवार एवं पूजा समिति के सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मौके पर ये लोग रहे उपस्थितः विधायक प्रतिनिधि संजय यादव, कृष्ण यादव, उपेंद्र यादव, रंजीत यादव, भाजपा मंडल अध्यक्ष अखिलेश गुप्ता, गजेंद्र, हिमांशु, रवि सिंह, चित्रांश परिवार के अध्यक्ष निर्मल सिन्हा, रवींद्र उर्फ भानु सिन्हा, संजीव सिन्हा, पूर्व उपप्रमुख ज्योति रंजन श्रीवास्तव, प्रकाश सिन्हा, अमित उज्ज्वल, अमन कुमार, पंकज सिन्हा, उमेश सिन्हा, देवेंद्र सिन्हा, संतोष सिन्हा, शैलेश पुरियार, अनुभव सिन्हा (धड़कन), रवि शंकर सिन्हा, अशोक सिन्हा, अनिल कुमार सुमन, ईश्वर लाल, जितेंद्र सिन्हा, जेपी सहाय, प्रसाद श्रीवास्तव, विकास, अखिलेश सिन्हा, सतीश सिन्हा, लखन लाल, राहुल सिन्हा, अजित सिन्हा, गौरी सिन्हा, भोला सिन्हा, विनय लाल, दीपू सिन्हा, विनेश्वर लाल, दिनेश लाल, राजेश लाल, नागेश्वर लाल, सत्येंद्र लाल, रमेश लाल, ऋषिकेश, आकाश, दीपक, गुड्डू एवं नीरज सहित काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

खुदिया नदी छठ घाट का थाना प्रभारी ने किया निरीक्षण, स्थायी सीढ़ी घाट व डैम निर्माण की उठी मांग, प्रदूषण पर भी जताई गई चिंता

विष्णु प्रसाद राउत ने घाट पर सुरक्षा और साफ-सफाई व्यवस्था का लिया जायजा

कारखानों से निकलने वाले दूषित पानी से नदी के हो रहे प्रदूषण को लेकर जेएमएम बीस सूत्री अध्यक्ष ने जताई चिंता

छठ महापर्व को लेकर 'खुदिया नदी आजाद नवयुवक संघ' के सहयोग से चल रहा है सफाई का कार्य

रफ्तार मीडिया संवाददाता



धनबाद : धनबाद के गोविंदपुर में लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर प्रशासनिक तैयारियां जोरों पर हैं। इसी कड़ी में गोविंदपुर थाना प्रभारी विष्णु प्रसाद राउत ने क्षेत्र के बहुचर्चित खुदिया नदी छठ घाट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने घाट पर चल रही साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया तथा आश्वस्त किया कि महापर्व के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहेगा।

स्थाई सीढ़ी घाट और डैम निर्माण की उठी मांग

निरीक्षण के दौरान खुदिया नदी में स्थायी रूप से सीढ़ी घाट और डैम के निर्माण की मांग जोर-शोर से उठी। इस पर थाना प्रभारी विष्णु प्रसाद राउत ने भी माना कि यदि यहां स्थायी सीढ़ी घाट और डैम का निर्माण हो जाए, तो नदी के पानी को बेहतर तरीके से उपयोग में लाया जा सकता है, जिससे व्रतियों और स्थानीय लोगों को काफी सहूलियत होगी।

कारखानों के दूषित पानी से प्रदूषण पर चिंता

इस बीच, स्थानीय कारखानों से निकलने वाले केमिकल युक्त दूषित पानी के कारण खुदिया नदी के लगातार हो रहे प्रदूषण का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। मौके पर मौजूद झारखंड मुक्ति मोर्चा के बीस सूत्री अध्यक्ष मोहम्मद अख्तर हुसैन अंसारी ने इस पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि नदी को प्रदूषित होने से बचाने के लिए ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही उन्होंने कारखाना मालिकों से अपील की कि वे दूषित पानी को सीधे नदी में न छोड़ें। स्थानीय लोगों और कमेटियों ने भी प्रशासन से नदी के संरक्षण की पुरजोर मांग की है। खुदिया नदी आजाद नवयुवक संघ' के सहयोग से घाट पर साफ-सफाई का कार्य तेजी से जारी है। प्रशासनिक मुस्तैदी और स्थानीय कमेटियों के प्रयासों के बीच अब यह देखना अहम होगा कि छठ महापर्व के बाद खुदिया नदी के संरक्षण और सीढ़ी घाट निर्माण की दिशा में प्रशासन क्या ठोस कदम उठाता है।

ओबीसी आरक्षण और जमीन संबंधी समस्याओं को लेकर राजद ने खोला मोर्चा, पांच चरणों में आंदोलन का ऐलान

18 नवंबर से शुरू होगा आंदोलन, 8 दिसंबर से अनिश्चितकालीन आमरण अनशन की चेतावनी

रफ्तार मीडिया संवाददाता



लातेहार। जिले में पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को आरक्षण का लाभ नहीं मिलने और जमीन से संबंधित ऑनलाइन प्रक्रियाओं में आ रही परेशानियों को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने सरकार के खिलाफ आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। जिला राजद ने पांच चरणों में आंदोलन चलाने की घोषणा करते हुए किसानों, मजदूरों, पिछड़ा वर्ग समाज और जमीन संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों से आंदोलन में शामिल होने की अपील की है। इस संबंध में जिला राष्ट्रीय जनता दल की ओर से आम जनता के नाम खुला पत्र जारी किया गया है। पत्र में कहा गया है कि झारखंड के अन्य जिलों में पिछड़ा वर्ग को आरक्षण का लाभ मिल रहा है, जबकि लातेहार जिले में ओबीसी आरक्षण शून्य है। राजद ने जिले में भी ओबीसी आरक्षण लागू करने की मांग उठाई है। वहीं, नया एवं पुराना खतियान लागू होने तथा जमीन की जमाबंदी से जुड़ी समस्याओं के कारण आम लोगों को ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी करने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पार्टी ने सरकार से इन समस्याओं का सरल एवं स्थायी समाधान निकालने की मांग की है। राजद नेताओं ने चेतावनी दी है कि मांगों पर गंभीरता से पहल नहीं होने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

पांच चरणों में होगा आंदोलन

राजद द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार पहला चरण 18 नवंबर 2026 को बाजार टांड़ से मुख्य शहर होते हुए थाली बजाओ, अलख जगाओ रैली के रूप में निकाला जाएगा। इसके बाद जिला समाहरणालय परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया जाएगा। दूसरे चरण में 23 नवंबर से 26 नवंबर तक जिला मुख्यालय सहित जिले के विभिन्न प्रखंडों में भिक्षाटन अभियान चलाया जाएगा। तीसरे चरण में 28 नवंबर को सुसज्जित आरक्षण रथ को जिला मुख्यालय से रवाना किया जाएगा। यह रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों में पहुंचेगा, जहां नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाएगा। इस कार्यक्रम को आरक्षण उलगुलान यात्रा का नाम दिया गया है, जो 1 दिसंबर तक चलेगी। चौथे चरण में 7 दिसंबर को जिला मुख्यालय में एक दिवसीय धरना दिया जाएगा। वहीं पांचवें एवं अंतिम चरण में 8 दिसंबर 2026 से अनिश्चितकालीन आमरण अनशन शुरू करने की चेतावनी दी गई है।

आंदोलन को सफल बनाने की अपील

राजद जिला अध्यक्ष रामप्रवेश यादव ने जिले की जनता से 18 नवंबर को आयोजित थाली बजाओ, अलख जगाओ कार्यक्रम में हजारों की संख्या में शामिल होकर आंदोलन को सफल बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि ओबीसी आरक्षण और जमीन संबंधी समस्याएं आम जनता से जुड़ा गंभीर मुद्दा हैं। इन मांगों को लेकर पार्टी संघर्ष जारी रखेगी।मौके पर राजद के जिला एवं प्रखंड स्तर के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इनमें रामप्रवेश यादव (जिला अध्यक्ष), मोहर सिंह यादव (प्रधान महासचिव), भोला सिंह (जिला उपाध्यक्ष), देववंश यादव (जिला सचिव, किसान प्रकोष्ठ), रणजीत यादव (जिला उपाध्यक्ष), मनोज कुमार यादव (जिला अध्यक्ष, मजदूर प्रकोष्ठ), दीपक यादव (युवा जिला अध्यक्ष), सुरेश राम (जिला कोषाध्यक्ष), बलराम प्रसाद (जिला अध्यक्ष, ओबीसी प्रकोष्ठ), मुन्ना खान (जिला सचिव), बबलू गिरी (जिला अध्यक्ष, बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ), राजू रंजन प्रसाद (प्रदेश अध्यक्ष, पिछड़ा प्रकोष्ठ), प्रीतलाल यादव (प्रखंड अध्यक्ष, बालूमाथ), अजय कुमार (सचिव), नैजाम अंसारी (प्रखंड अध्यक्ष, लातेहार), राजेश रजक (प्रखंड कोषाध्यक्ष, बालूमाथ), निरंजन यादव (कार्यकारी सदस्य), उमेश यादव एवं विजयेंद्र यादव (सदस्य) सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

समाचार सार

निर्मला कन्या विद्यालय महेशमुंडा में धूमधाम से मना पैरेंट्स डे, अतिथियों ने की बच्चों की हौसला अफजाई



गांडेय (रफ्तार मीडिया संवाददाता): गांडेय प्रखंड अंतर्गत महेशमुंडा स्थित निर्मला कन्या विद्यालय में पैरेंट्स डे (अभिभावक दिवस) समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता व अगुवाई विद्यालय की प्राचार्या सिस्टर मारिया गोरीती निज ने की। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के जिलाध्यक्ष संजय सिंह उपस्थित थे। उनके साथ झारखंड युवा मोर्चा के जिला सचिव भी कार्यक्रम में शरीक हुए। विद्यालय परिसर में अतिथियों के आगमन पर विद्यालय प्रबंधन द्वारा उन्हें पारंपरिक गर्मजोशी से स्वागत व सम्मानित किया गया। इसके उपरांत मुख्य अतिथियों एवं प्राचार्या ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथियों ने सभी छात्राएं अभिभावकों को संदेश शिक्षा के प्रति संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय प्रबंधन की ओर से उपस्थित अभिभावकों को भी सम्मानित किया गया। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास में विद्यालय के साथ-साथ अभिभावकों की भूमिका भी बेहद महत्वपूर्ण होती है। ऐसे आयोजनों से अभिभावक और विद्यालय के बीच आपसी समन्वय और संवाद मजबूत होता है। इस अवसर पर झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष चांदमल मरांडी, चिन्हित आंदोलनकारी हलधर राय, परवेज आलम सहित कई गणमान्य लोग, शिक्षक-शिक्षिकाएं, बड़ी संख्या में अभिभावक एवं विद्यालय की छात्राएं उपस्थित थीं। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

कुजू नया मोड़ पर वाहन चालकों का प्रदर्शन, पंपलेट बांटकर अनिश्चितकालीन स्टेरिंग छोड़ो अभियान को सफल बनाने की अपील



कुजू (रफ्तार मीडिया संवाददाता)। अपनी 10 सूत्री लंबित मांगों और सुरक्षा की गारंटी को लेकर वाहन चालकों ने आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। ऑल इंडिया ड्राइवर ज्वाइंट कमिटी से संबंधित ऑल झारखंड ड्राइवर ट्रेड यूनियन की रामगढ़ जिला कमिटी के बैनर तले 12 नवंबर से अनिश्चितकालीन स्टेरिंग छोड़ो अभियान की शुरूआत की गई। अभियान के पहले दिन यूनियन के सदस्यों ने कुजू नया मोड़ पर सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने मार्ग से गुजरने वाले अन्य वाहन चालकों को रोककर आंदोलन से संबंधित पंपलेट वितरित किए। साथ ही चालकों से अपने हक और अधिकार की लड़ाई में एकजुट होकर अभियान को सफल बनाने की अपील की। यूनियन के पदाधिकारियों ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले वाहन चालक आज भी कई समस्याओं और असुरक्षा के बीच काम करने को मजबूर हैं। चालकों की सुरक्षा, सम्मान और सामाजिक अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए सरकार के समक्ष 10 सूत्री मांगें रखी गई हैं। इनमें प्रमुख रूप से देश में राष्ट्रीय ड्राइवर सुरक्षा कानून लागू करने, राष्ट्रीय ड्राइवर आयोग तथा प्रत्येक राज्य में ड्राइवर वेलफेयर बोर्ड के गठन की मांग शामिल है। इसके अलावा सभी चालकों का दुर्घटना एवं जीवन बीमा अनिवार्य करने तथा दुर्घटना में मृत्यु या स्थायी दिव्यांगता की स्थिति में उनके परिवार को पर्याप्त आर्थिक सहायता देने की मांग की गई है। यूनियन ने चालकों के लिए ड्राइवर हेल्थ कार्ड जारी कर सरकारी एवं निजी अस्पतालों में निःशुल्क इलाज की सुविधा उपलब्ध कराने, 60 वर्ष की आयु पूरी करने वाले चालकों को पेंशन, मासिक जीवनयापन भत्ता और आवास जैसी सामाजिक सुरक्षा देने की भी मांग उठाई है। वहीं, ड्यूटी के दौरान पुलिस, परिवहन विभाग अथवा अन्य लोगों द्वारा अनावश्यक उत्पीड़न और मारपीट पर सख्त कानूनी कार्रवाई करने, चालकों के कार्य के घंटे निर्धारित करने तथा उचित वेतन, भत्ता और ओवरटाइम की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है। यूनियन की अन्य मांगों में सड़क दुर्घटनाओं के मामलों में चालक को दोषी ठहराने से पहले निष्पक्ष जांच, निर्दोष चालकों को सरकारी कानूनी सहायता, चालकों के बच्चों की शिक्षा एवं रोजगार के लिए विशेष योजनाएं और ड्राइवर परिवार कल्याण कोष की स्थापना शामिल है। इसके साथ ही सड़कों पर अवैध वसूली, दलाली और चालकों के शोषण पर तत्काल रोक लगाने की मांग भी की गई है। यूनियन पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक सरकार उनकी 10 सूत्री मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं करती, तब तक अनिश्चितकालीन स्टेरिंग छोड़ो अभियान जारी रहेगा। प्रदर्शन के दौरान ऑल झारखंड ड्राइवर ट्रेड यूनियन रामगढ़ जिला के सक्रिय सदस्य राजकुमार, जिला सक्रिय सदस्य मो. सद्दाम सहित काफी संख्या में वाहन चालक एवं यूनियन के सदस्य उपस्थित होकर आंदोलन को सफल बनाने की अपील किया।

छठ महापर्व को लेकर कुजू पश्चिमी पंचायत में विशेष पहल, मुखिया जयकुमार ओझा ने दुरुस्त कराईं सभी स्ट्रीट लाइटें, जगमगाए पंचायत के रास्ते



कुजू/ मांडू (रफ्तार मीडिया संवाददाता) : लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर कुजू पश्चिमी पंचायत में तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। पर्व के मद्देनजर पंचायत के मुखिया जयकुमार ओझा ने विशेष पहल करते हुए पंचायत क्षेत्र की सभी खराब स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत कराकर उन्हें दुरुस्त कराया। इसके बाद पंचायत के विभिन्न गली-मोहल्लों और रास्तों में रोशनी की व्यवस्था बेहतर हो गई है। पूरे पंचायत क्षेत्र के रास्ते रोशनी से जगमगा उठे हैं। इस पहल से छठ व्रतियों, श्रद्धालुओं और आम ग्रामीणों को काफी राहत मिली है। विशेषकर सुबह और देर शाम छठ घाटों तक आने-जाने वाले लोगों को अंधेरे की समस्या से निजात मिलेगी। इस संबंध में मुखिया जयकुमार ओझा ने बताया कि बिजली और प्रकाश व्यवस्था को लेकर उनकी तत्परता केवल पर्व-त्योहार तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा, पिछले सात वर्षों से, जब मैं मुखिया नहीं था, तब भी पंचायत में बिजली व्यवस्था को लेकर हमेशा सक्रिय रहा हूं। यह सिर्फ छठ या किसी विशेष पर्व की बात नहीं है। मैं हर महीने पंचायत के विभिन्न बिजली पोलों पर मिस्त्री चढ़वाकर खराब लाइटों की मरम्मत करवाता रहता हूं, ताकि पंचायत का कोई भी कोना अंधेरे में न रहे। मुखिया की इस सक्रियता और नियमित प्रयासों की क्षेत्र के ग्रामीणों ने सराहना की है। लोगों का कहना है कि पर्व-त्योहार के दौरान बेहतर रोशनी की व्यवस्था से श्रद्धालुओं को सुविधा मिलेगी और रात के समय आवागमन भी सुरक्षित होगा।

पीआरजीआई/आरएनआई पंजीयन संख्या RNI NO. JHHIN/26/3481 स्वतत्वाधिकारी,संपादक एवं प्रकाशक गौरव कुमार, कार्यकारी संपादक अरविंद कुमार, उत्तम निवास, हरमू हाउसिंग कॉलोनी, अरगोड़ा थाना के पास, हरमू, रांची, झारखंड 834002 से प्रकाशित, एसएच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, रातू काठीटांड़ नियर टेंडर बगीचा एचपी पेट्रोल पंप, पीओ रातू, रांची 835222 से मुद्रित, फोन नंबर 6203592707,ईमेल -raftaarhr@gmail.com(पीआरबी अधिनियम के तहत समाचारों के चयन के लिए जिम्मेवार) समस्त विवादों का क्षेत्राधिकार रांची न्यायलय रहेगा।